जबलपुर
रविवार, 18 मई 2025
■ ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष-6
■ वर्ष : 20, अंक : 18
■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *
मौसम
अधि. 39
न्यून. 29

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

ई-केवाईसी और फेस ऑथेंटिकेशन में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी

आधार प्रमाणीकरण ने पार किया 150 अरब का आंकड़ा

नई दिल्ली। भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को एक बड़ी कामयाबी मिली है। यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के मुताबिक, आधार प्रमाणीकरण लेनदेन की कुल संख्या 150 अरब यानी 15,011 करोड़ के पार पहुंच गई है। यह उपलब्धि अप्रैल 2025 के अंत तक दर्ज की गई। यूआईडीएआई ने बताया कि आधार आधारित प्रमाणीकरण से लोगों के लिए जीवन आसान हुआ है, इससे कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंचा है।

भारत के साथ गद्दारी करने पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के लिए जासूसी के आरोप में महिला यूट्यूबर ज्योति गिरफ्तार

तीन बार पाकिस्तान जा चुकी थी ज्योति, वहां के इंटेलीजेंस अफसरों से भी मिली थी, पहुंचाती थी देश विरोधी सूचनाएं

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

हिसार पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले छह लोगों को गिरफ्तार किया है। यह लोग हरियाणा के कैथल, हिसार, नूह और पानीपत के साथ ही पंजाब के मलेरकोटला से पकड़े गए हैं। इन लोगों पर भारत की गोपनीय सैन्य जानकारियां पाकिस्तान को भेजने का आरोप है। इसमें यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा तथा उसके पांच साथी शामिल हैं। ज्योति को हिसार के न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया है।

लाहौर के अनारकली मार्केट में स्ट्रीट फूड का स्वाद चखती ज्योति

ज्योति हरियाणा और पंजाब में सक्रिय एक बड़े जासूसी नेटवर्क का हिस्सा थी

ज्योति पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 की धारा 3, 4 और 5 के तहत आरोप लगाए गए हैं

राणा शहबाज और शाकिर से मिली ज्योति और शाकिर का मोबाइल नंबर जट रंधावा के नाम से सेव कर लिया

पाक की छवि को चमकाने का ठेका दिया था ज्योति को

ज्योति ने पुलिस को बताया कि वह वर्ष 2023 में वीजा लगवाने के लिए पाकिस्तान हाई कमीशन में गई थी। वहां उसकी मुलाकात अहसान उर रहीम उर्फ दानिश से हुई। उसने दानिश का मोबाइल नंबर ले लिया। दोनों की बातें होने लगी। उसके बाद उसने दो बार पाकिस्तान की यात्रा की थी। ज्योति ने बताया कि पाकिस्तान में अहसान उर रहीम के कहने पर उनके जानकार अली अहवान से मिली। अली अहवान ने उसके घूमने फिरने और रहने का प्रबंध किया। अली अहवान ने पाकिस्तानी इंटेलीजेंस तथा सिक्योरिटी के अधिकारियों से उसकी मुलाकात कराई। ज्योति ने बताया कि वह राणा शहबाज और शाकिर से भी मिली। उसने शाकिर का मोबाइल नंबर भी लिया और अपने मोबाइल में जट रंधावा के नाम से सेव कर लिया ताकि किसी को शक न हो। वापस भारत आने के बाद व्हाटस एप, स्नैप चैट, टेलिग्राम के माध्यम से उन लोगों के संपर्क में रहने लगी।

खबर संक्षेप

बैंक का सर्वर हैक कर साढ़े 11 करोड़ उड़ाए

शिमला। जालसाजों ने हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक का सर्वर हैक कर 11.55 करोड़ रुपए उड़ा लिए। जालसाजों ने सर्वर हैक करने के लिए एक ग्राहक के मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह पैसा 20 खातों में स्थानांतरित किया गया। यह 14 मई को सामने आया, जब बैंक अधिकारियों को रिपोर्ट मिली।

ट्रेन में बम की सूचना घंटेभर तक चली तलाशी

खंडवा। शनिवार दोपहर को कामायनी एक्सप्रेस (11072) ट्रेन में बम होने की सूचना से रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया। चार कंट्रोल रूम से होते हुए सूचना खंडवा जंक्शन पहुंची। खंडवा स्टेशन पर ट्रेन को रोककर स्निफर डॉग की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। जब कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला तो ट्रेन को आगे लिए रवाना कर दिया गया।

भारतीय शेयर बाजार में आया सबसे बड़ा निवेश

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की वापसी जोरदार ढंग से हुई है। शुक्रवार को फॉरेन पोर्टफोलियो इनवेस्टर्स (एफपीआई) ने 8,831.1 करोड़ रुपए का निवेश किया, जो कि 27 मार्च के बाद अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। इससे पहले गुरुवार को भी एफपीआई ने 5,746.5 करोड़ रुपए शेयर बाजार में डाले थे।

उधार सिगरेट नहीं देने पर कर दी 15 राउंड फायरिंग

ग्वालियर। दस रुपए की सिगरेट के लिए रुपए मांगने पर छह बदमाशों ने अवैध हथियारों से 15 गोलियां चला दीं। इतना ही नहीं किराना दुकान के बाहर जमकर मारपीट की और उत्पात मचाया। मामला महाराजपुरा थाना स्थित शनिचरा रोड का है। जानकारी के मुताबिक, हमलावर के पहले ही 250 रुपए उधार थे।

भोपाल व इंदौर दोनों की मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की रूपरेखा बनाने से पहले प्रदेश सरकार की यह योजना

दिल्ली, उप्र, हरियाणा जैसे राज्यों की मेट्रोपॉलिटन सिटी का अध्ययन होगा

मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटिन एरिया गठन से संबंधित बैठक ली

भोपाल व इंदौर दोनों मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के मसौदे का प्रजेंटेशन देखा

सीएम ने कहा कि कहा कि इंदौर-उज्जैन-देवास-धार और भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा (राजगढ़) को मिलाकर प्रदेश में दो मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकसित किए जाएंगे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों का तेजी से विस्तार हो रहा है। जनसामान्य को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने और औद्योगिक एवं व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नगरीय क्षेत्रों के व्यवस्थित नियोजन को समय रहते सही दिशा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इंदौर-उज्जैन-देवास-धार और भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा (राजगढ़) को मिलाकर प्रदेश में दो मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटिन एरिया गठन से संबंधित बैठक में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए क्षेत्र की पंचायतों को जरूरत के अनुसार नगर परिषद के रूप में पहले विकसित करें। इसके साथ ही बैठक में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित महाराष्ट्र, हरियाणा, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और तामिलनाडु में मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास एवं प्रबंधन के लिए मौजूदा व्यवस्था पर भी चर्चा हुई।

नगरीय निकायों व विकास प्राधिकरणों को वित्तीय तौर पर और सशक्त बनाएं

तेजी से विस्तार ले रहे नगरीय क्षेत्रों का व्यवस्थित नियोजन बहुत जरूरी

मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों में परस्पर कनेक्टिविटी बढ़ाना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों में परस्पर कनेक्टिविटी बढ़ाना जरूरी है। इसके लिए बसाहटों, यातायात, सार्वनिक परिवहन, अधोसंरचना, जल आपूर्ति, सीवरेज, विद्युत आपूर्ति, और प्रकाश व्यवस्था आदि की समन्वित रूप से कार्ययोजना बना कर गतिविधियों का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। इन वृहद क्षेत्रों की प्राकृतिक सुंदरता, कृषि योग्य भूमि के संरक्षण, वन प्रबंधन, जल ग्रहण और पर्यटन की संभावनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए संवेदनशीलता के साथ नीतियां निर्धारित की जाएं।

भोपाल मेट्रोपॉलिटन में 5 जिले आएंगे

भोपाल मेट्रोपॉलिटन सिटी में पांच जिले भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर और राजगढ़ को मिलाकर मेट्रोपोलिटन सिटी बनेगी। इसके लिए पांचों जिलों का सर्वे करने के साथ रीजनल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट प्लान बनेगा। इस प्लान के आधार पर भोपाल को मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाया जाना है। इन पांच जिलों के आठ हजार वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर किया जाएगा। इन जिलों को जोड़ने से महानगर की आबादी लगभग 40 लाख के आसपास हो जाएगी।

पहले वर्क प्लान तैयार होगा, इसके बाद इस पर आगे कुछ होगा

मुख्यमंत्री को बताया गया कि पहले चरण में टीम का गठन, सर्वे, बैठकें आयोजित कर अमलीजामा पहनाएगी। इसके साथ ही वर्क प्लान तैयार होगा। सभी विभाग अपने क्षेत्रों में सर्वे करके विधानसभावार 18 विभागों का डेटा जुटाने का काम करें।

पाक से टेंशन के बीच बोले संघ प्रमुख डॉ. भागवत

शक्ति हो तो दुनिया प्रेम की भी भाषा भी सुनती है

एजेंसी ▶▶ जयपुर

जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि विश्व में प्रेम की भाषा तभी सुनी जाती है जब आपके पास शक्ति हो। उन्होंने भारत की प्राचीन संस्कृति, त्याग की परंपरा और विश्व कल्याण के लिए शक्ति की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि भारत के इतिहास में भगवान श्री राम से लेकर जैसे महान व्यक्तित्वों ने त्याग और सेवा की मिसाल पेश की है।

विश्व को धर्म सिखाना भारत का कर्तव्य

भारत विश्व में शांति और सौहार्द कायम कर रहा

डॉ. भागवत का कहना है कि भारत विश्व में शांति और सौहार्द कायम करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भारत किसी से द्वेष नहीं रखता लेकिन जब तक आपके पास शक्ति नहीं होगी, तब तक विश्व प्रेम और मंगल की भाषा नहीं समझेगा। इसलिए उनके मुताबिक, विश्व कल्याण के लिए शक्ति का होना आवश्यक है, और ये कि हमारी ताकत विश्व ने देखी है।

नड्डा के उत्तराधिकारी की रेस में दो प्रमुख नाम

इस महीने के आखिर तक तय हो जाएगा भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

धर्मेंद्र प्रधान

भूपेंद्र यादव

■ धर्मेंद्र प्रधान और भूपेंद्र यादव दोनों ही ओबीसी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भाजपा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को टाल दिया था लेकिन ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के साथ सीजफायर के बाद अब पार्टी जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के उत्तराधिकारी के नाम का ऐलान कर सकती है। मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के के उत्तराधिकारी के तौर पर अभी तक दर्जनभर से अधिक नामों की चर्चा हो चुकी है। इनमें उत्तर से लेकर दक्षिण तक के कई बड़े चेहरे शामिल हैं। सूत्रों की मानें तो राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और धर्मेन्द्र प्रधान के नाम पर काफी गंभीरता से मंथन हो रहा है। ऐसे में जब पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार जाति जनगणना कराने का फैसला कर चुकी है। तब भाजपा अगर किसी ओबीसी नेता पार्टी की कमान सौंपती है।

निर्देश के बाद जागा शिक्षा विभाग

फर्जी अंकसूची से नियुक्ति पाए मास्साब पर होगी एफआईआर

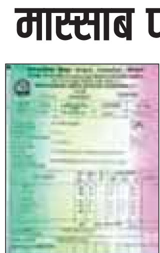

दमोह। जिले में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर शिक्षक नियुक्ति का बड़ा मामला सामने आया है। जांच के दौरान 40 शिक्षक ऐसे मिले हैं, जिन्होंने फर्जी अंकसूची के माध्यम से नौकरी प्राप्त की थी। इनमें से अधिकांश शिक्षक 20 से 25 साल से नौकरी कर रहे हैं।

ग्वालियर से उठाया, ओरछा में शादी

छेड़छाड़ केस में राजीनामा नहीं करने पर गैंगरेप किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

ग्वालियर में 21 साल की युवती का अपहरण कर गैंगरेप का मामला सामने आया है। आरोपी ने युवती से ओरछा में जबरन शादी की। इसके बाद ग्वालियर लाकर दो दोस्तों के साथ मिलकर गैंगरेप किया।

मंत्री सिंधिया का बड़ा ऐलान

भारत में अब 6जी के लिए तैयारी शुरू

5जी रोलआउट सबसे तेज, 82 प्रतिशत जनता तक पहुंची सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर में विश्व संचार दिवस के अवसर पर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि भारत में 5जी का रोलआउट विश्व में सबसे तेज गति से हुआ है।

खजुराहो रहा सबसे गर्म ...पारा 44.4 डिग्री पर, भोपाल में 40.8 तो इंदौर में 38.2 डिग्री

मौसम विभाग ने दूसरे पखवाड़े से गर्मी का असर बढ़ने का अनुमान जताया

ग्वालियर समेत कई जिलों में आंधी और बारिश, 21 जिलों में अलर्ट, चार दिन ऐसा ही बना रहेगा मौसम

राजधानी के जेके हॉस्पिटल के सामने का दृश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में शनिवार को दोपहर बाद कुछ जिलों में बारिश हुई। सिंगरौली और विदिशा के सिरोंज में आंधी भी चली। बैतूल में भी करीब आधे घंटे तक पानी गिरा। छतरपुर में भी करीब 10 मिनट तक बारिश हुई। इसी तरह रविवार को छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मुरैना, गुना, दतिया, ग्वालियर, बड़वानी, शहडोल, अनूपपुर, सीधी, सिंगरौली, छतरपुर, पन्ना, सतना, विदिशा, जबलपुर, दमोह और सागर में बिजली के साथ हल्की आंधी चलने की संभावना है। अगले 4 दिन ऐसा ही मौसम रहेगा। कहीं आंधी-बारिश होगी, तो कई जिलों में लू चलने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने दूसरे पखवाड़े से गर्मी का असर बढ़ने का अनुमान जताया है।

3 साइक्लोनिक सिस्टम और एक टर्फ लाइन गुजर रही

मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि प्रदेश में 3 साइक्लोनिक सिस्टम और एक टर्फ लाइन गुजर रही है। इस वजह से बारिश और आंधी चल रही है। हालांकि दिन के समय बारिश के साथ गर्मी का असर भी देखने को मिलेगा। इसके लिए 21 जिलों में अलर्ट जारी किया है। पांच बड़े शहरों में खजुराहो में 44.4 और ग्वालियर सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 44.2 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 40.8 डिग्री, इंदौर में 38.2 डिग्री और उज्जैन में 39.5 डिग्री सेल्सियस रहा। शनिवार को डिंडौरी, सिवनी, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, मंडला, अनूपपुर, सिवनी, बालाघाट, पांढुर्णा, बैतूल, धार, खरगोन समेत कई जिलों में मौसम बदला रहा।

कांग्रेस सांसद थरूर को मिली अमेरिका की कमान तो सत्तापक्ष और विपक्ष में बयानबाजी तेज, बोली भाजपा

भारत की बात करने वाले लोगों से नफरत कर रही कांग्रेस प्रस्तावित नामों में पार्टी ने थरूर का नाम नहीं किया 'शामिल'

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख का संदेश लेकर 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जाएंगे। इनमें से कुछ प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ दलों के नेता कर रहे हैं जबकि कुछ की अगुवाई विपक्षी दलों के नेता करेंगे। एक प्रतिनिधिमंडल की कमान कांग्रेस सांसद शशि थरूर को मिली है। जिस पर सियासी बवाल मचा हुआ है। वार-पलटवार जारी है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख का संदेश लेकर सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जाएंगे। जिनमें से कुछ प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ दलों के नेता कर रहे हैं जबकि कुछ की अगुवाई विपक्षी दलों के नेता करेंगे। एक प्रतिनिधिमंडल की कमान कांग्रेस सांसद शशि थरूर को मिली है। जिसे पर सियासी बवाल मचा हुआ है, क्योंकि कांग्रेस ने उनका नाम प्रस्तावित किया था। अब कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। सरकार ने नेतृत्व करने के लिए जिन नेताओं का चयन किया है, उनमें सत्तारूढ़ दलों से भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, एनडीए में शामिल शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और जनता दल (यूनाइटेड) के नेता संजय झा, विपक्षी दलों में कांग्रेस के शशि थरूर, द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की कनिमोई, राकांपा-एसपी की सुप्रिया सुले शामिल हैं। शशि थरूर के नाम को लेकर अब सियासत हो रही है। दरअसल कांग्रेस ने जिन चार नामों का प्रस्ताव भेजा था, उनमें शशि थरूर का नाम नहीं था। केंद्र सरकार ने थरूर का नाम खुद से प्रस्तावित किया है।

आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख का संदेश देगा 7 सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

केंद्र ने खुद थरूर का नाम किया प्रस्तावित

शिवसेना जनता दल, डीएमके और राकांपा को किया शामिल

अपने ही सांसद का विरोध कर रही कांग्रेसः भंडारी

कांग्रेस की ओर से आई प्रतिक्रिया पर भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि तो जयराम अपने ही सांसद थरूर का संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने का विरोध कर रहे हैं। राहुल भारत के लिए बोलने वाले हर व्यक्ति से नफरत क्यों करते हैं, यहां तक कि अपनी पार्टी में भी?

कांग्रेस को कोई फायदा नहीं होने वालाः तिवारी

कांग्रेस के बयान पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि इससे कांग्रेस को कोई फायदा नहीं होने वाला है। यह राजनीति का विषय नहीं है। यह केंद्र सरकार की महानता है कि वे हर पार्टी से कुछ सांसदों को (प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए) चुन रहे हैं।

पार्टी के साथ विमर्श किए बिना सांसद को शामिल नहीं कर सकतेः जयराम

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने सरकार पार्टी से विचार विमर्श किए

बिना उसके किसी सांसद को शामिल नहीं कर सकती। यह अच्छी लोकतांत्रिक परंपरा रही है कि आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने वाले सांसद अपनी पार्टी नेतृत्व से अनुमति लेते हैं। रमेश ने थरूर का नाम लिए बगैर कहा कि कांग्रेस में होने और कांग्रेस के होने में जमीन आसमान का फर्क है। सरकार ने इस मामले में ईमानदारी नहीं सिर्फ शरारत दिखाई है और वह ध्यान भटकाने का खेल खेल रही है क्योंकि उसका विमर्श 'पंक्चर' हो गया है।

अमेरिका में थरूर करेंगे सांसदों के दल का नेतृत्व तो खाड़ी देशों में रविशंकर करेंगे पाक को बेनकाब

अब भारत ने कूटनीतिक मोर्चे पर भी पाकिस्तान को पटखनी देने की तैयारी कर ली है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का ऐलान किया गया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे और पाकिस्तान को घेरने की कोशिश करेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में 6-7 सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। हर प्रतिनिधिमंडल चार से 5 देशों का दौरा करेगा। थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को अमेरिका भेजा जा सकता है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, अल्जीरिया भेजा जा सकता है। सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को ओमान, केन्या, दक्षिण अफ्रीका और मिस्त्र की सरकारों को ब्रीफ करने के लिए भेजा जा सकता है। संजय झा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, मलयेशिया, इंडोनेशिया भेजा जा सकता है। इन सांसदों में अनुराग ठाकुर, अपराजिता सारंगी, मनीष तिवारी, असदुद्दीन ओवैसी, अमर सिंह, राजीव प्रताप रूडी, समिक भट्टाचार्य, बृज लाल, सरफराज अहमद, प्रियंका चतुर्वेदी, विक्रमजीत साहनी, सस्मित पात्रा, भुवनेश्वर कालिता भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद को भी इसमें शामिल किया गया है। हालांकि वे फिलहाल सांसद नहीं हैं। टीएमसी सांसद सुदीप बंदोपाध्याय को भी शामिल किया था, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इनकार कर दिया।

थरूर बोले

देशहित के लिए मैं पीछे नहीं हटूंगा

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की एक टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी पर सांसद शशि थरूर ने खुशी जताई है। थरूर ने भी एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारत सरकार ने हालिया घटनाओं पर देश का पक्ष रखने के लिए 5 प्रमुख देशों की यात्रा के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का जो न्योता मुझे दिया है, उससे मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। जब बात देशहित की हो और मेरी सेवाओं की जरूरत हो, तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।

सुले ने कहा

पीएम मोदी का आभार जताया

इस टीम में शरद पवार की बेटी और एनसीपीकी सांसद सुप्रिया सुले भी शामिल हैं। उन्होंने सरकार की ओर से की गई इस पहल पर खुशी जताई है और कहा है कि भारत एकजुट है। वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होकर मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और विदेश मंत्रालय का आभार व्यक्त करती हूं।

हिमंता ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर कहा

कांग्रेस की टीम से 'असम के सांसद' को हटाएं

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंत विश्व सरमा ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से आग्रह किया कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों के लिए कांग्रेस द्वारा नामित चार सांसदों की सूची से राज्य के सांसद का नाम हटा दिया जाए। इनमें में से एक लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई का नाम लिए बिना मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में उनका नाम शामिल नहीं करें। सरमा ने गोगोई पर उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न की बात कही।

सीसीपी नेताओं से मुलाकात

राहुल किसकी तरफ, साफ करेंः अमित

राहुल गांधी ने हाल ही में कॉर्डिनेशन कमेटी फॉर पीस (सीसीपी) के सदस्यों से मुलाकात की। भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक पोस्ट में राहुल के सीसीपी नेताओं से मुलाकात पर शंका जाहिर की। उन्होंने लिखा कि 'ऐसे समय में जब भारत नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है, ऐसे में राहुल का माओवादी समूह के शुभचिंतकों से मिलना क्या बयां करता है। सुरक्षाबल नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन कगार चला रहे हैं, जिसमें सीपीआई (माओवादी) कैडर को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है।

राहुल ने सरकार से पूछा

वायुसेना ने कितने एयरक्राफ्ट खोए?

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राहुल गांधी ने सरकार से सवाल करते हुए पूछा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कितने एयरक्राफ्ट खोए। उन्होंने विदेश मंत्री के बयान के आधार पर सरकार को घेरा और पूछा कि हमले से पहले सरकार ने पाकिस्तान को क्यों सूचना दी? इसके कारण हमें कितने लड़ाकू जहाज का नुकसान हुआ?

ओवैसी बोले- तुर्किये अपना रुख बदले

भारत में पाक से ज्यादा मुस्लिम, तुर्किये न बताए

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तुर्की की ओर से पाकिस्तान का समर्थन करने पर कहा कि तुर्की को फिर से विचार करना चाहिए। हमें तुर्की को याद दिलाना होगा कि वहां एक बैंक है जिसका नाम इसबैंक है, जिसके शुरुआती जमाकर्ता भारत के लोग थे। हमें तुर्की को लगातार याद दिलाना चाहिए कि भारत में 20 करोड़ से अधिक सम्मानित मुस्लिम रहते हैं। भारत में पाकिस्तान की तुलना में अधिक मुस्लिम हैं। जिस तरह से पाकिस्तान ने अब तक बर्ताव किया है, उनका इस्लाम से कोई लेना-देना नहीं है।

खबर संक्षेप

कटक में बिस्कुट बनाने वाली फैक्टरी में आग

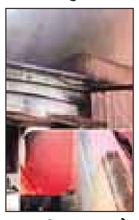

कटक। ओडिशा में कटक जिले के जगतपुर औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार को बिस्कुट बनाने वाली एक फैक्टरी में आग लग गई। सहायक अग्निशमन अधिकारी संजीव कुमार बेहरा ने बताया कि हालांकि आग में बिस्कुट बनाने वाली फैक्टरी का अधिकांश हिस्सा जलकर खाक हो गया, लेकिन इस हादसे में किसी की जान नहीं गई।

कार-ट्रक से टकराने से 3 लोगों की मौत

काकीनाडा। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में शुक्रवार देर रात एक कार के ट्रक से टकरा जाने के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा तुनी में राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर देर रात दो बजे हुआ।कार में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई। कार में 5 विपणन प्रतिनिधि सवार थे।

किशोर की हत्या में 4 को आजीवन कारावास

कोटा। कोटा की एक अदालत ने 2018 में 16 वर्षीय लड़के का अपहरण करने के बाद उसकी हत्या के मामले में दो भाइयों समेत 4लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने प्रत्येक पर 13,500 का जुर्माना भी लगाया। सहायक लोक अभियोजक बलराम मीणा ने कहा यह प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला था।

पालघर में 5.6 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने नाइजीरिया की एक महिला के पास से 5.6 करोड़ रमूल्य की मेफेड्रोन बरामद कर उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस को महिला के नालासोपारा स्थित आवास से मादक पदार्थ के साथ-साथ उसे बनाने के उपकरण और कच्चा माल भी मिला है।

स्पीकर बिरला कोटा में 'राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु नागरिक कार्यक्रम' में बोले

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को बताया नारीशक्ति और शौर्य का सम्मान, उमड़ पड़ा जनसैलाब

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना के शौर्य को सम्मान देने के लिए कोटा में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकाली गई। रैली को देश के गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक बताया

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना के शौर्य को सम्मान देने के लिए कोटा में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा की शुरुआत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रामपुरा स्थित ऐतिहासिक पीपल पेड़ के पास भारत माता और शहीद जवानों को पुष्प अर्पित कर और तिरंगा लहराकर की। यह आयोजन राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु नागरिक कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ, जिसमें हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। इस रैली में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाएं, युवा, महिलाएं और आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर बिरला ने कहा कि यह सिर्फ एक रैली नहीं, बल्कि देश के गौरव, बलिदान और आत्मसम्मान का प्रतीक है।जब-जब तिरंगा लहराता है, तब-तब हमारी आत्मा और बलिदान की परंपरा भी लहराती है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं, बल्कि भारत की नारीशक्ति की रक्षा और सम्मान बताया। बिरला ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा किअब भारत की बेटियों की ओर उठी हर नजर का जवाब सीमा पार से मिलेगा। भारत शांति का पक्षधर , लेकिन जब मातृभूमि पर खतरा आता है, तो भारत सुदर्शन भी उठा सकता है।

भारत माता और शहीद जवानों को पुष्पांजलि दी, तिरंगा लहराकर रैली शुरू की

ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकाली

हर नागरिक कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करे

उन्होंने लोगों से अपील की कि हर नागरिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करे, यही सच्ची श्रद्धांजलि है उन वीरों के लिए जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया।

आतंकवाद का संरक्षण देने वालों को सबक सिखाएंगे

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने सफलापूर्वक आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई में भी भारतीय सेना ने शौर्य दिखाते हुए उनके इरादों को नाकाम किया। इस दौरान बिरला ने कहा कि आतंकवाद को संरक्षण देने वाले देश को भारत सबक सिखाता रहेगा। बिरला ने कहा कि भारतीय सेना व सैनिकों के शौर्य को पूरा देश नमन कर रहा है। भारतीय सेना ने जिस वीरता और कुशल रणनीति के साथ आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया है। आने वाले समय में देश और विश्व में आतंकवाद खत्म हो, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी नीति बनाई है। संपूर्ण विश्व को आतंकवाद के खिलाफ सामूहिकता के साथ प्रयास करना चाहिए।

70 फीट लंबे तिरंगे को रवाना किया

यह रैली रामपुरा में पीपली चौक से शुरू होकर लाडपुरा व नयापुरा होते हुए शहीद स्मारक पहुंची। जहां पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। उन्होंने 70 फीट लंबे तिरंगे को रैली के साथ रवाना किया। जगह-जगह पर रैली के लिए स्वागत द्वार लगाए गए और डीजे बजाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा और कल्पना देवी भी मौजूद रहे। जिन्होंने तिरंगा रैली शुरू होने के पहले आमजन को संबोधित किया।

सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया

शहर को दुर्घटना मुक्त बनाने की दिशा में बिरला ने अपने 5 दिन के प्रवास के दौरान कोटा और बूंदी के विभिन्न इलाकों में सड़क सुरक्षा की स्थिति का निरीक्षण किया। प्रमुख चौराहों और सड़कों पर जाकर सुरक्षा मानकों का जायजा लिया और अधिकारियों को सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

ये निर्देश जारी किए

- जनता की समस्याओं का तुरंत समाधान करें
- अपने कैंप कार्यालय में नागरिकों के साथ जनसुनवाई की।
- लोगों ने सड़क दुर्घटनाओं, ट्रैफिक जाम की समस्याएं रखीं।
- ब्लैक स्पॉट्स की पहचान और सुधार करें।
- स्पीड ब्रेकर और संकेतक लगाएं
- सीसीटीवी कैमरे और निगरानी की जाए
- अत्याधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम दुरुस्त करें।
- पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन चलाया जाए।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका

13 पार्षदों ने इस्तीफा देकर बनाई इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी

हेमचंद के नेतृत्व में थर्ड फ्रंट बना लिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के 13 पार्षदों ने इस्तीफा दे दिया है। बागी पार्षदों ने नई पार्टी बनाने की घोषणा की है। एमसीडी में बागी नेताओं ने अलग गुट बनाया है। आम आदमी पार्टी से इन निगम पार्षदों ने इस्तीफा देकर इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी बनाने का फैसला किया है। हेमचंद गोयल के नेतृत्व में थर्ड फ्रंट बनाने का फैसला किया गया। मुकेश गोयल पार्टी के अध्यक्ष होंगे। बागी पार्षदों ने आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाया है कि जनता से जो वादे किए गए थे उन्हें पूरा नहीं किया गया। 2022 में वे आम आदमी पार्टी के टिकट पर एमसीडी में पार्षद चुने गए थे। लेकिन एमसीडी की सत्ता में आने के बावजूद आम आदमी पार्टी ने के शीर्ष नेतृत्व एमसीडी की सुचारू ढंग से नहीं चला पाया।

इन पार्षदों ने दिया इस्तीफा

जिन पार्षदों ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दिया है उनमें हेमनचंद गोयल, दिनेश भारद्वाज, हिमानी जैन, उषा शर्मा, साहिब कुमार, राखी कुमार, अशोक पांडेय, राजेश कुमार, अनिल राणा, देवेंद्र कुमार, हिमानी जैन का नाम शामिल है।

सत्ता में रहकर भी आप ने कुछ नहीं किया

आप से इस्तीफा देने पर हिमानी जैन ने कहा कि हमने नई पार्टी बनाई है, इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी। हमने आप से इस्तीफा दे दिया है। पिछले 2.5 साल में निगम में कोई काम नहीं हुआ जो होना चाहिए था। हम सत्ता में थे, फिर भी हमने कुछ नहीं किया। हमने नई पार्टी बनाई है क्योंकि हमारी विचारधारा दिल्ली के विकास के लिए काम करना है। हम उस पार्टी का समर्थन करेंगे जो दिल्ली के विकास के लिए काम करेगी। अब तक 15 पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं। और भी शामिल हो सकते हैं।

शीर्ष नेतृत्व के समन्वय न होने से 'हारे'

पार्षदों ने बताया कि हम सभी निगम पार्षद दिल्ली नगर निगम में वर्ष 2022 में आप की टिकिट से चुने गए थे लेकिन 2022 में दिल्ली नगर निगम में सत्ता में आने के बावजूद पार्टी का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली नगर निगम को सुचारू रूप से चलाने में असमर्थ रहा। शीर्ष नेतृत्व का निगम पार्षदों से आपस में समन्वय न के बराबर रहा जिसके कारण पार्टी विपक्ष में आ गई। जनता से किए गए वादे को पूरा न कर पाने के कारण हम निम्नलिखित पार्षद पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं।

धनखड़ ने तुर्किए,अजरबैजान पर कहा

भारत के खिलाफ काम करने वालों की मदद नहीं कर सकते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि लोग आयात या यात्रा के जरिए उन देशों की अर्थव्यवस्थाओं की मदद नहीं कर सकते जो भारत के हितों के प्रतिकूल हैं। धनखड़ की यह टिप्पणी 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत के साथ सैन्य टकराव में पाकिस्तान को समर्थन देने के बाद तुर्किये और अजरबैजान के व्यापार और पर्यटन बहिष्कार के बीच आई है। उन्होंने कहा कि क्या हम उन देशों को सशक्त बना सकते हैं जो हमारे हितों के प्रतिकूल हैं? उपराष्ट्रपति ने कहा कि हर चीज का

मूल्यांकन राष्ट्रवाद के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के आधार पर किया जाना चाहिए। तुर्किये ने पाकिस्तान का समर्थन किया। आतंकी शिविरों पर भारत के हमलों की निंदा की है। पाकिस्तान ने भी बड़े पैमाने पर तुर्किये के ड्रोन का इस्तेमाल किया था। अजरबैजान ने भी पाकिस्तान के प्रति समर्थन जताया था।

केदारनाथ में हेलीपैड से 20 मीटर ऊपर पहले ही हादसा

हेली एंबुलेंस का हेलीकॉप्टर लैंडिंग के समय क्रैश

2 डॉक्टर और 1 पायलट सवार थे, सभी सुरक्षित

एजेंसी ▶▶ केदारनाथ

यहां हेली एंबुलेंस का हेलीकॉप्टर लैंडिंग के समय क्रैश हो गया है। हादसा केदारनाथ हेलीपैड के पास हुई जब ऋषिकेश एम्स से केदारनाथ आ रहा एक हेलीकॉप्टर लैंडिंग के समय अचानक अनियंत्रित होकर क्रैश हो गया। ऋषिकेश से हेली एंबुलेंस के रूप में यह सेवा चलती है, जो केदारनाथ में मरीज को लेने आई थी। हादसे के समय हेलीकॉप्टर में तीन लोग सवा थे। इसमें 2 डॉक्टर और 1 पायलट सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। यह घटना हेलीपैड से 20 मी ऊपर ही हुई।

केंद्र-राज्य की मदद से चल रहा

हेली एबुलेंस सेवा का संचालन केंद्र और उत्तराखंड सरकार के संयुक्त साझेदारी से हो रहा है। कुछ दिन पहले गंगोत्री जाते समय गंगनानी के पास एक हेलीकॉप्टर हादसा हुआ था, जिसमें 6 लोगों की जान चली गई थी। इस सीजन का ये दूसरा हेलीकॉप्टर हादसा है, लेकिन गनीमत रही कि इस बार हादसे में किसी की जान नहीं गई।

जांच में सामने आएगी वजह

हादसा कैसे हुआ, साथ ही हादसे की वजह के लिए जांच की जाएगी। इसके बाद ही पूरी जानकारी सामने आ पाएगी। केदारनाथ में श्रद्धालुओं की हेल्थ इमरजेंसी के लिए ये सुविधा संजीवनी साबित हो रही है। ऐसे में हादसे के बाद सेवा पर क्या असर पड़ता है। ये भी देखना होगा।

यह ऋषिकेश एम्स का था

केदारनाथ धाम में लैंडिंग के समय हेली एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हेली एंबुलेंस ऋषिकेश एम्स का था, जोकि ऋषिकेश से केदारनाथ जा रहा था। हादसा शनिवार यानि आज का है जब केदारनाथ हेलिपैड से 20 मीटर पहले एम्स का हेलिकॉप्टर क्रेश हो गया। पायलट समेत सभी सवारी सुरक्षित है। बताया जा रहा है कि हेलिकॉप्टर एक मरीज को लेने ऋषिकेश से केदारनाथ आ रहा था।

इंतजार की घड़ियां समाप्त

भारत की सैन्य शक्ति को मिलेगी और मजबूती, एचएएल इस साल भारतीय वायुसेना को सौंपेगा 12 तेजस एमके1ए

तेजस एमके1ए भारत में विकसित स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस का उन्नत संस्करण है, जिसे एचएएल ने डिजाइन किया है। यह एक 4.5 पीढ़ी का मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जिसमें अत्याधुनिक युद्ध क्षमता, बेहतर सर्वाइवल और परिचालन दक्षता है

अमेरिकी कंपनी जीई से इंजन की डिलीवरी शुरू

बेंगलुरु और नासिक की उत्पादन इकाई में होंगे तैयार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने शुक्रवार को बताया कि वह इस साल भारतीय वायुसेना को 12 तेजस एलसीए एमके1ए लड़ाकू विमान सौंपेगा। अमेरिकी टेक कंपनी जीई से इंजन की डिलीवरी शुरू होने के बाद यह प्रक्रिया संभव हो पाई है। कंपनी ने अपनी अर्निंग कॉल में बताया कि पहला तेजस एमके1ए लड़ाकू विमान आने वाले कुछ महीनों में तैयार कर लिया जाएगा। वहीं एचएएल को वित्त वर्ष 2025-26 में 8-10 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि की उम्मीद है।

तेजस का उन्नत संस्करण है तेजस एमके1ए

तेजस एमके1ए भारत में विकसित स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस का उन्नत संस्करण है, जिसे एचएएल ने डिजाइन किया है। यह एक 4.5 पीढ़ी का मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जिसमें अत्याधुनिक युद्ध क्षमता, बेहतर सर्वाइवल और परिचालन दक्षता है। तेजस एमके1ए के निर्माण के लिए एचएएल ने दो उत्पादन इकाइयां -एक बेंगलुरु और एक नासिक में तैयार की हैं। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एचएएल अपने एयरक्राफ्ट और हेलिकॉप्टर निर्माण क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। विशेष रूप से नासिक की फैक्ट्री का विस्तार इस वृद्धि में प्रमुख भूमिका निभाएगा।

143 ध्रुव हेलिकॉप्टर्स बनाने का भी दिया गया है ऑर्डर

एचएएल के मुताबिक, अप्रैल 2025 तक उसका ऑर्डरबुक लगभग 1.89 लाख करोड़ का है, जो पिछले साल 94,000 करोड़ था। आने वाले ऑर्डर में 97 तेजस एमके1ए फाइटर जेट्स, 143 एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर्स (एएलएच) ध्रुव, भारतीय वायुसेना के लिए और 10 डॉर्नियर विमान भारतीय नौसेना के लिए शामिल हैं।

हर साल 3000 करोड़ रुपए का निवेश होगा

एचएएल ने अगले पांच वर्षों के लिए 14,000-15,000 करोड़ की पूंजीगत व्यय योजना बनाई है, ताकि समय पर वायुसेना और नौसेना को विमान व हेलिकॉप्टर डिलीवर किए जा सकें। यह औसतन हर साल 3,000 करोड़ का निवेश होगा। शुक्रवार को एचएएल के शेयरों में 5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। "ऑपरेशन सिंदूर" की सफलता के बाद देशी रक्षा कंपनियों के लिए ऑर्डर में तेजी आने की संभावना है, जिससे रक्षा शेयरों में व्यापक तेजी देखी जा रही है। इसके अलावा, हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव को देखते हुए सरकार के द्वारा रक्षा बजट बढ़ाए जाने की भी संभावना जताई जा रही है।

लड़ाकू विमानों को ताकत देता है जीई इंजन

बात दें, कई महीनों की देरी के बाद 26 मार्च को अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने भारत को तेजस फाइटर जेट का इंजन सौंप दिया है। जीई एयरोस्पेस का एफ404 इंजन परिवार, सैन्य विमानन इतिहास में सबसे सफल में से एक है, जो दुनिया भर में हजारों लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करता है। एफ404-आईएन20 इंजन भारत के सिंगल इंजन वाले लड़ाकू विमानों के लिए एक अनुकूलित डिजाइन है, जिसमें एफ404 परिवार में सबसे ज्यादा थ्रस्ट और उच्च-प्रवाह पंखा, अद्वितीय सिंगल-क्रिस्टल टरबाइन ब्लेड और कई विशेष घटक हैं।

खबर संक्षेप

कश्मीर में एसआईए की छापेमारी, कई गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य अन्वेषण एजेंसी (एसआईए) ने शनिवार को कश्मीर में 11 स्थानों पर छापेमारी की और घाटी में 'स्लीपर सेल मॉड्यूल' की जांच के तहत पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया। एक अधिकारी ने कहा कि ये छापेमारी गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज प्राथमिकी संख्या 01/2025 की जांच के सिलसिले में की गई। उन्होंने कहा कि अदालत ने इस तलाशी की अनुमति दी है।

पूर्व पुलिस अधिकारी की 1.29 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को बताया कि एजेंसी ने पंजाब पुलिस के एक पूर्व अधिकारी के खिलाफ जारी जबरन वसूली से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत आरोपी की 1.29 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। पुलिस के पूर्व सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) आशीष कपूर के खिलाफ यह कार्रवाई धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है। धन शोधन का यह मामला पंजाब पुलिस की दो प्राथमिकियों पर आधारित है।

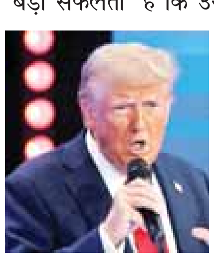

भारत-पाकिस्तान तनाव पर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का फिर बड़बोलापन

दोनों देश परमाणु हमले के करीब थे, मैंने 'बड़ी सफलता' हासिल की, व्यापार से लाऊंगा शांति

ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच संघर्ष गहराता जा रहा था। मिसाइलों का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा था। लिहाजा अगले जिस चरण पर यह पहुंचने वाला था, परमाणु युद्ध हो सकता था जो सबसे बुरी चीज हो सकती थी

एजेंसी ▸▸ न्यूयॉर्क

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान से बातचीत करना और उन्हें (पूर्ण युद्ध) के कगार से वापस लाना उनकी इतनी 'बड़ी सफलता' है कि उसका उचित श्रेय उन्हें कभी नहीं मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच 'बहुत नफरत' है और तनाव उस स्तर पर पहुंच गया था जहां अगला चरण संभवतः 'परमाणु' (इस्तेमाल) था। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि यह मेरी इतनी बड़ी सफलता है कि इसका उचित श्रेय मुझे कभी नहीं मिलेगा। वे बड़ी परमाणु शक्तियां हैं। उनमें जरा भी समानता नहीं है। वे आक्रोशित थे। उन्होंने कहा कि मैंने भारत और पाकिस्तान को फोन किया था।

ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच संघर्ष गहराता जा रहा था। मिसाइलों का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा था। लिहाजा अगले जिस चरण पर यह पहुंचने वाला था, परमाणु युद्ध हो सकता था और सबसे बुरी चीज हो सकती थी। मैंने कहा है कि हम व्यापार के बारे में बात करेंगे। हम बहुत सारा व्यापार करने जा रहे हैं। मैं व्यापार का उपयोग हिसाब बराबर करने और शांति स्थापित करने के लिए कर रहा हूं। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि ट्रेड और टेररिज्म एक साथ नहीं चलेगा। पाकिस्तान से अब बात सिर्फ आतंकवाद और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को लेकर ही होगी।

फिर बोले राष्ट्रपति ट्रंप हमने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की

भारत अमेरिकी वस्तुओं पर 100% शुल्क कम करने को तैयार

भारत के साथ व्यापार समझौता जल्द

ट्रंप ने एक बार फिर भारत को दुनिया में सबसे अधिक शुल्क लगाने वाले देशों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि वे व्यापार करना लगभग असंभव बना देते हैं। हालांकि उन्होंने दावा किया कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत शुल्क कम करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच जल्द ही व्यापार समझौता होने वाला है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए कोई जल्दबाजी नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बार-बार यह दावा किया है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर सभी शुल्क कम करने की पेशकश कर रहा है। इसे देखते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को नई दिल्ली में कहा कि कोई भी व्यापार समझौता पारस्परिक रूप से लाभकारी होना चाहिए।

ट्रंप ने आठ दिनों में सातवीं बार दावा किया

पिछले 8 दिनों में यह सातवीं बार है जब ट्रंप ने यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव खत्म कराने में मदद की। वे बार-बार भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर का श्रेय लेने में जुटे थे। हालांकि, 15 मई को उन्हें इससे पलटी मार दी। इसके बाद से ही भारत समेत दुनिया भर के कई देश उनकी विश्वसनीयता पर ही सवाल उठाने लगे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चार दिन तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव समाप्त करने के लिए 10 मई को सहमति बनी थी। ट्रंप ने 10 मई को घोषणा की थी कि अमेरिका की मध्यस्थता में 'लंबी बातचीत' के बाद भारत और पाकिस्तान 'पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम' पर सहमत हो गए हैं।

भारत और अमेरिका के बीच वार्ता शुरू

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर आगे बढ़ने के लिए शनिवार से वाशिंगटन में मंत्री स्तरीय वार्ताएं शुरू हो गई हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल चार दिवसीय दौरे के दौरान अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीयर के साथ बातचीत करेंगे। इस दौरान मुख्य वार्ताकारों को राजनीतिक मार्गदर्शन देंगे और पिछले दो महीनों में हुई प्रगति का आकलन किया जाएगा। 19 से 22 मई तक दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों के बीच विस्तृत चर्चा होगी। इस वर्ष सितंबर-अक्टूबर तक व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने से पहले दोनों देश अंतरिम व्यापार व्यवस्था पर विचार कर रहे हैं। वार्ता में बाजार पहुंच, नियमों की उत्पत्ति और गैर-टैरिफ बाधाएं प्रमुख मुद्दे होंगे।

आतंकी संगठनों के नापाक इरादे

दिल्ली में कर सकते हैं फिदायीन हमले, हाई अलर्ट पर स्पेशल सेल

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

संघर्ष विराम की घोषणा के बाद अब दोनों मुल्कों के बीच युद्ध भले ही रुक गया हो लेकिन केंद्रीय एजेंसियों को शक है कि पड़ोसी मुल्क, देश की राजधानी दिल्ली में आतंकी वारदात करवा सकता है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा व हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों से राजधानी में बम धमाका अथवा फिदायीन हमला करवा सकता है। इस तरह की खुफिया जानकारी के तहत पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस के सभी आला अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें अलर्ट के बारे में जानकारी देते हुए आने वाले लंबे समय तक बेहद चौकस रहने के निर्देश दिए।

पैरा कमांडो गश्त करेंगे

बैठक में स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच, इंटेलीजेंस व दोनों जोनों के विशेष आयुक्त कानून एवं व्यवस्था के अलावा संयुक्त आयुक्त व एडिशनल पुलिस कमिश्नर रैंक के अधिकारी शामिल हुए। बाद में बैठक में दिए गए दिशा निर्देश को सभी 15 जिले के डीसीपी से साझा किया गया। सूत्रों के मुताबिक राजधानी में अभी लंबे समय तक आतंकी हमले के संभावना के मद्देनजर उच्च स्तरीय सुरक्षा अलर्ट जारी रहेगा।

संवेदनशील इलाकों में जांच जारी

सभी केंद्रीय एजेंसियां, दिल्ली पुलिस व अर्द्ध सैनिक बलों के जवान तैयार रहेंगे। सार्वजनिक स्थानों के अलावा गेस्ट हाउस, होटलों, सेकेंड हैंड कार डीलर और अन्य संभावित आसान लक्ष्यों पर पुलिस लगातार जांच करती रहेगी।

हिमालय और पर्वतीय क्षेत्रों की रक्षा जरूरी

काठमांडू। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को काठमांडू में आयोजित पहले सागरमाथा संवाद में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह सम्मेलन 'जलवायु परिवर्तन, पर्वत और मानवता का भविष्य' विषय पर आधारित था। सम्मेलन में नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली, विदेश मंत्री डॉ. अर्जु राणा देउबा, चीन की नेशनल पीपल्स कांग्रेस के उपाध्यक्ष जिआओ जिये, कॉप29 के अध्यक्ष और अजरबैजान के पारिस्थितिकी मंत्री मुख्तार बाबायेव सहित कई वैश्विक नेता शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ने पांच सूत्रीय वैश्विक कार्य योजना पेश की। उन्होंने कहा कि हिमालय और अन्य पर्वतीय क्षेत्रों की रक्षा के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि 'सागरमाथा', जिसका अर्थ है 'आकाश का सिर', न केवल नेपाल की शान है।

फिर बढ़ने लगा कोरोना

सिंगापुर में 7 दिनों में मरीजों की संख्या में 28% की वृद्धि

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सिंगापुर-हांगकांग सहित आसपास के कई हिस्सों में एक बार फिर से कोरोना के मामले बढ़ने लगे हैं। सिंगापुर स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक कोविड रिपोर्ट अपडेट जारी की है, जिसमें केवल एक सप्ताह में ही मामलों में 28% की वृद्धि बताई गई है, जिससे संक्रमण के मामले बढ़कर 14,200 हो गए हैं। इतना ही नहीं अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में भी लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों को संक्रमण से बचने की चेतावनी दी है।

एलपी.8.1 वैरिएंट के 70% मामले

वहीं यूएस स्थित नेब्रास्का मेडिसिन में संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ मार्क ई. रप बताते हैं कि वर्तमान में अमेरिका सहित दुनिया के कई हिस्सों में सबसे प्रमुख वैरिएंट एलपी.8.1 है, जिसके 70% मामले हैं। इसके बाद एक्सएफजी है जिसके 9% मामले हैं।

इजराइल ने आंतकी के खिलाफ अभियान जारी रखा

गाजा में इजराइली हमलों में मारे गए 108 लोग यमन में भी दो बंदरगाहों को बनाया 'निशाना'

एजेंसी ▸▸ गाजा सिटी

इजराइल ने कहा कि वह गाजा में आतंकवादियों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखे हुए है और पिछले दिन उसने 150 ठिकानों पर हमले किए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार के हवाई हमलों में अभी तक 108 लोग मारे गए हैं। इजराइल ने शुक्रवार को यमन में दो बंदरगाहों पर भी हमला किया था। इजराइल का दावा है कि इन बंदरगाहों का इस्तेमाल हूती विद्रोही समूह हथियारों के लेनदेन के लिए कर रहे थे।

इजराइली सेना को एआई तकनीक दी: माइक्रोसॉफ्ट

माइक्रोसॉफ्ट ने एक बयान में कहा कि उसने इजराइली सेना को एज्योर क्लाउड और एआई सेवाएं दीं। इसमें अनुवाद, डेटा विश्लेषण और साइबर सुरक्षा जैसी सुविधाएं शामिल थीं। कंपनी ने कहा कि यह मदद सीमित थी और कड़ी निगरानी में दी गई।

हमास बंधकों को रिहा करे

इजराइली सरकार के प्रवक्ता डेविड मेन्सर ने शुक्रवार को कहा था कि इजराइली सेना अपने अभियान तेज कर रही है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने अभियान को तब से तेजी दी है जब से हमास ने बंधकों को रिहा करना बंद कर दिया है।

नया एआई पावर्ड टूल 'स्किल इंडिया असिस्टेंट (एसआईए)' लॉन्च

अब घर बैठे तुरंत वॉट्सएप पर मिलेगी रोजगार की जानकारी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अब रोजगार, ट्रेनिंग, कोर्स और नजदीकी स्किल सेंटर्स से जुड़ी जानकारी लोगों को व्हाट्सएप पर तुरंत मिल सकेगी। इसके लिए भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने मेटा के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत नया एआई पावर्ड टूल 'स्किल इंडिया असिस्टेंट (एसआईए)' लॉन्च किया गया है। इस टूल को व्हाट्सएप पर इस्तेमाल किया जा सकता है। लोग 8448684032 नंबर पर मैसेज भेजकर स्किल कोर्स, ट्रेनिंग सेंटर्स और नौकरी के मौकों के बारे में जानकारी ले सकते हैं। यह सेवा स्किल इंडिया डिजिटल हब पर भी उपलब्ध है। यह दुनिया में अपनी तरह की सबसे बड़ी और पहली पहल है, जिसमें ओपन-सोर्स एआई को व्हाट्सएप जैसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है।

8448684032 नंबर पर मैसेज भेज सकेंगे

सेवा स्किल इंडिया डिजिटल हब पर भी

हिंदी, अंग्रेजी और हिंग्लिश में उपलब्ध

यह टूल फिलहाल हिंदी, अंग्रेजी और हिंग्लिश में उपलब्ध है। आने वाले समय में इसे अन्य भारतीय भाषाओं में भी शुरू किया जाएगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग इसका फायदा उठा सकें। खास बात यह है कि यह टूल लोगों के फीडबैक के आधार पर समय-समय पर अपडेट होता रहेगा, ताकि उपयोगकर्ताओं को बेहतर अनुभव मिल सके। सर्वम एआई द्वारा विकसित इस टूल का मकसद डिजिटल खाई को खत्म करना और देश के हर नागरिक को सही कौशल और नौकरी से जोड़ना है।

सीखने और नौकरी पाने का आसान तरीका

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने इस लॉन्च पर कहा कि यह टूल देश के हर नागरिक को सीखने और नौकरी की जानकारी पाने का नया और आसान तरीका देगा। एआई और व्हाट्सएप की मदद से लोग अब घर बैठे ही पर्सनल गाइडेंस ले सकेंगे, खासतौर पर गांव और दूरदराज के इलाकों के लोगों को बहुत फायदा मिलेगा। मेटा इंडिया के उपाध्यक्ष शिवनाथ ठुकराल ने कहा कि यह पहल दिखाती है कि ओपन-सोर्स टेक्नोलॉजी के जरिए समाज में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

तुर्किये में हुई बातचीत पर नहीं निकाला समाधान

शांति वार्ता टूटते ही रूस ने यूक्रेन पर किया बड़ा ड्रोन हमला, 9 की मौत

एजेंसी ▸▸ कीव

शनिवार को यूक्रेन के उत्तरपूर्वी सुमी क्षेत्र में एक रूसी ड्रोन ने एक यात्री बस पर हमला किया, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

यह हमला मॉस्को और कीव के बीच वर्षों में पहली प्रत्यक्ष शांति वार्ता के कुछ ही घंटों बाद हुआ, जिसमें युद्धविराम नहीं हो सका। यूक्रेन की राष्ट्रीय पुलिस ने रूस के साथ अग्रिम पंक्ति और सीमा से लगभग 10 किलोमीटर दूर सुमी के बिलोपिलिया शहर में हमले के बाद की तस्वीरें जारी कीं।

युद्धबंदियों की अदला-बदली पर सहमति

इस्तांबुल में, कीव और मॉस्को ने दोनों प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के अनुसार, 1,000 युद्धबंदियों की अदला-बदली करने पर सहमति व्यक्त की, जो उनकी सबसे बड़ी ऐसी अदला-बदली होगी। मुख्य यूक्रेनी प्रतिनिधि, रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव के अनुसार, दोनों पक्षों ने युद्धविराम और अपने राष्ट्राध्यक्षों के बीच एक बैठक पर भी चर्चा की।

'धमाल 4' को मिली रिलीज तारीख अपनी पलटन के साथ लौट रहे अजय

मुंबई। अजय देवगन इन दिनों फिल्म 'रेड 2' में दिख रहे हैं। 1 मई को रिलीज हुई उनकी यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। उधर, अजय की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म फ्रैंचाइजी 'धमाल' की चौथी किस्त भी सुर्खियां बटोर रही है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग चालू है। अब इस बीच निर्माताओं ने 'धमाल 4' की रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया है। अजय एक बार फिर अपनी पलटन के साथ धमाल मचाने आ रहे हैं। 'धमाल 4' को अगले साल ईद के खास मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। निर्माताओं ने इसकी पुष्टि करते हुए लिखा, 'हंसने के लिए तैयार हो जाइए। 'धमाल 4' अगले साल ईद पर सिनेमाघरों में धमाल मचाएगी।

लाइफ Style

काजल

रणबीर की 'रामायण' से जुड़ीं, निभाएंगी ये अहम

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' की पिछले लंबे समय से चर्चा हो रही है। जब से रणबीर कपूर की इस फिल्म का ऐलान हुआ है, प्रशंसकों का उत्साह सातवें आसमान पर है। फिल्म में रणबीर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी को माता सीता के किरदार के लिए चुना गया है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सुपरस्टार यश फिल्म में रावण की भूमिका में दिखाई देंगे। अब 'रामायण' में अभिनेत्री काजल अग्रवाल की एंट्री हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब काजल फिल्म 'रामायण' की स्टार कास्ट में शामिल हो गई हैं। वह फिल्म में रावण (यश) की पत्नी मंदोदरी की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग लगभग खत्म होने वाली है।

यह पहला मौका पर जब यश और काजल एक साथ स्क्रीन साझा करेंगे। इससे पहले खबर आई थी कि मंदोदरी की भूमिका के लिए अभिनेत्री साक्षी तंवर से बातचीत चल रही है। हालांकि, उन्होंने खुद इन अफवाहों का खंडन किया। लक्ष्मण के किरदार के लिए पहले ही रवि दुबे के नाम पर मुहर लग चुकी है। विभीषण की भूमिका के लिए विजय सेतुपति से संपर्क किया गया है। सनी देओल भगवान हनुमान बने नजर आ सकते हैं। इसके अलावा रकुल प्रीत सिंह फिल्म में शूर्पणखा की भूमिका में दिखाई देंगी। 'रामायण' का पहला भाग दिवाली, 2026 में रिलीज किया जाएगा, वहीं फिल्म का दूसरा भाग ठीक एक बाद यानी 2027 में दिवाली के मौके पर ही दर्शकों के बीच आएगा।

हॉलीवुड मसाला

मिशन इम्पॉसिबल 27 को होगी रिलीज

लॉस एंजिलस। एक्टर टॉम क्रूज़ की नई फिल्म 'मिशन इम्पासिबल द फाइन रिसाकिंग 27 मई को भारत में रिलीज़ होने जा रही है। यह फिल्म ईथन हंट की कहानी पर आधारित है, जिसमें वह एक महत्वपूर्ण कुंजी के साथ एंटिटी को हराने की कोशिश कर रहा है। फिल्म में कई रोमांचक स्टंट और नए किरदार शामिल हैं, जो प्रशंसकों को उत्साहित कर रहे हैं। टॉम क्रूज़ अपनी फिल्म 2023 की फिल्म का सीधा सीक्वल है और इस श्रृंखला का अंतिम अध्याय भी है। दुनियाभर के प्रशंसक एक बार फिर टॉम क्रूज़ को उनके महाकाव्य किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं।

नाइट क्लब में हुआ हंगामा गायक क्रिस गिरफ्तार..

लंदन। ग्रैमी पुरस्कार विजेता गायक क्रिस ब्राउन को 2023 में लंदन के एक नाइट क्लब में एक संगीतकार की पिटाई करने के मामले में बृहस्पतिवार को इंग्लैंड में आरोपित किया गया। ब्राउन को मैनचेस्टर के एक होटल से गिरफ्तार किया गया और उन पर गंभीर शारीरिक चोट पहुंचाने का आरोप लगाया गया। खबर के मुताबिक, संगीतकार अबे डियाव के हवाले से बताया गया कि फरवरी 2023 में लंदन के शानदार मेफेयर इलाके में स्थित 'टेप' नाइट क्लब में ब्राउन ने बिना किसी वजह के उन पर हमला कर दिया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना के समय ब्राउन ब्रिटेन की यात्रा पर थे। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अधिकारी मैनचेस्टर पहुंचे और ब्राउन को गिरफ्तार कर लिया। ब्राउन के प्रतिनिधि ने 'एसोसिएटेड प्रेस' की टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत जवाब नहीं दिया।

अभिनेत्री बनने में नहीं थी दिलचस्पी

मुंबई। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री माधुरी दीक्षित 58 वर्ष की हो गईं। माधुरी दीक्षित का जन्म 15 मई 1967 को मुंबई में एक मध्यमवर्गीय मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई से हासिल की। इसके बाद उन्होंने मुंबई यूनिवर्सिटी में माइक्रोबॉयलोजिस्ट बनने के लिए दाखिला ले लिया। उन्होंने अपने सिने करियर की शुरूआत 1984 में राजश्री प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म अबोध से की थी, लेकिन वह उस समय तक अभिनेत्री बनने में कोई खास दिलचस्पी नहीं रखती थीं। फिल्म अबोध बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई, लेकिन माधुरी ने कई फिल्ममेकर्स का ध्यान खींच लिया। उन्हें लगातार फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। यह देख माधुरी ने भी कॉलेज की पढ़ाई अधूरी छोड़ दी और फिल्मी करियर को चुन लिया।

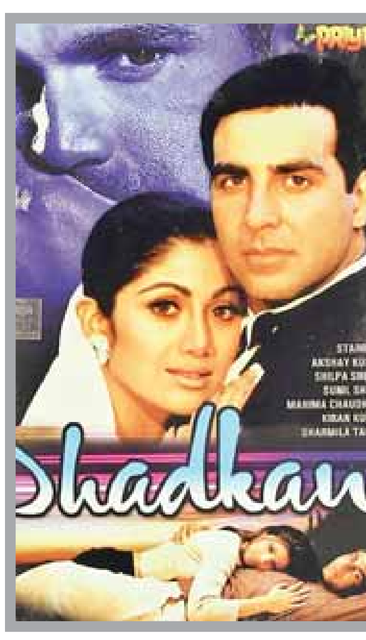

'धड़कन' फिर बड़े पर्दे पर लौट रही...

मुंबई। अक्षय कुमार, शिल्पा शेट्टी और सुनील शेट्टी जैसे दिग्गज सितारों की उम्दा अदाकारी से सजी फिल्म 'धड़कन' एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म 23 मई, 2025 को दोबारा दर्शकों के बीच आएगी और फिल्म का एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। सुनील ने पोस्टर साझा करते हुए इस खबर की पुष्टि की और लिखा, 'प्यार और भावनाओं की कालजयी कहानी 23 मई को बड़े पर्दे पर फिर से लौट रही है।' 'धड़कन' पहली बार 11 अगस्त, 2000 को रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन धर्मेश दर्शन ने किया था। 9 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने भारत में 14.01 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि दुनियाभर में यह 26.47 करोड़ रुपए कमाने में सफल रही। इसमें महिमा चौधरी ने भी अहम भूमिका निभाई थी।

टीवी मसाला

शादी के 6 महीने बाद पति से अलग हुई 'नागिन', खटपट या कुछ और

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति और सुमित सूरी के बीच सब कुछ ठीक है? सवाल इसलिए क्योंकि हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर शॉकिंग खुलासा किया है। सुरभि ने पिछले साल अक्टूबर में अपनी शादी से सुर्खियां बटोरी थीं। सुरभि ज्योति और सुमित सूरी ने जिम कॉर्बेट के आहाना रिसॉर्ट्स में सात फेरे लिए थे। सुरभि ने हाल ही में एक दिलचस्प खुलासा किया – उनके अलग-अलग कमरे हैं। आप भी शॉक्ड हो गए न। सुरभि ज्योति ने बताया कि शादी के बाद एक ही घर में रहते हुए भी वह अपने पति सुमित से अलग रहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई है।

सुरभि ज्योति ने बताई थी वजह : सुरभि ज्योति ने इंटरव्यू में सुमित सूरी के साथ अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अलग-अलग कमरे रखना हम दोनों का एक साथ लिया हुआ फैसला है। सुरभि ज्योति ने कहा, 'वह भी घर से काम करते हैं, मैं भी जब शूटिंग नहीं कर रही होती तो घर से काम करती हूं। हमें बाहर जाने की कोई खास जरूरत नहीं होती, हम घर पर ही बहुत खुश रहते हैं। हमारे घर में, हमने अपनी पसंद से अलग-अलग कमरे रखे हैं क्योंकि उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय अकेले बिताया है। मेरे साथ भी ऐसा ही है। यह रेयर है, लेकिन ऐसा होता है।

एकमात्र तरीका, जिससे दे सकते हैं एक-दूसरे को स्पेस

एक्ट्रेस ने बताया कि अलग-अलग कमरे रखने से उन्हें अपनी शादी में 'स्पेस' मिलता है। मेरी अपनी अलमारी, बाथरूम, वार्डरोब, अपना स्पेस है। कभी-कभी ऐसा होता है कि वो अपने कमरे में होता है और मैं अपने में। सुरभि आगे कहती हैं, 'फिर भी हम साथ हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हम एक जैसी सोच रखते हैं। मैं ये नहीं कह रही हूं कि ये एकमात्र तरीका है, जिससे आप एक-दूसरे को स्पेस दे सकते हैं।

टीवी और पंजाबी फिल्मों में सुरभि ज्योति ने किया काम

सुरभि ज्योति और सुमित सूरी ने म्यूजिक वीडियो 'हांजी – द मैरिज मंत्रा' पर काम करते हुए एक करीबी रिश्ता बनाया, जिसमें उन्होंने दूल्हा और दुल्हन का किरदार निभाया था। करियर की बात करें तो सुरभि ज्योति ने टेलीविजन पर 'कुबूल है', 'नागिन', 'इश्कबाज़', 'तन्हाइयां', 'कोई लौट के आया है', 'नागिन 3' जैसे लोकप्रिय शो के साथ एक मजबूत पहचान बनाई है। उन्होंने पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है, जैसे 'इक कुड़ी पंजाब दी', 'रौला पाई गया' और 'मुंडे पटियाला दे'

परेश ने छोड़ी 'हेरा फेरी 3', टूट गई राजू, श्याम और बाबू भैया की तिकड़ी

मुंबई। आने वाले दिनों में कई फिल्मों के सीक्वल दर्शकों के बीच होंगे। इन्हीं में से लोकप्रिय कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'हेरा फेरी' का तीसरा भाग 'हेरा फेरी 3', जिसकी राह दर्शक लंबे समय से देख रहे हैं। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की तिकड़ी ने दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया था, लेकिन अब इस फिल्म से जुड़ी एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जिससे प्रशंसकों का दिल यकीनन टूट जाएगा। दरअसल, परेश ने फिल्म छोड़ दी है।

अभिनेता ने खुद लगा दी मोहर : बॉलीवुड हंगामा से खुद परेश ने यह पुष्टि कर दी है कि वह 'हेरा फेरी 3' से बाहर हो गए हैं। बताया जा रहा है कि निर्माताओं के साथ के साथ हुए उनके रचनात्मक मतभेद उनके फिल्म से पीछे हटने का कारण बने हैं। बता दें कि फिल्म में परेश ने बाबूराव गणपत राव आप्टे उर्फ बाबू भैया बनकर इतना प्यार बटोरा है कि प्रशंसक उनकी जगह फिल्म में किसी दूसरे अभिनेता के बारे में सोच भी नहीं सकते।

पहले अक्षय ने भी छोड़ दी थी फिल्म : साल 2022 में स्क्रिप्ट से नाखुश अक्षय कुमार (राजू) भी इससे बाहर हो गए थे। उनके जाने पर प्रशंसकों ने कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। इसके बाद फिर जैसे-तैसे निर्माताओं ने अक्षय की फिल्म में वापसी कराई। अब परेश ने फिल्म से किनारा कर लिया है और वो भी 'हेरा फेरी' फ्रैंचाइजी की जान हैं। परेश ने फिल्म में अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग से इसका स्तर और बढ़ा दिया था। ऐसे में तीसरे भाग में उनकी कमी बहुत ज्यादा अखरेगी।

दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरीं पिछली दोनों फिल्में: 'हेरा फेरी' साल 2000 में आई थी, जो हिट साबित हुई थी, वहीं, दूसरा भाग 'फिर हेरा फेरी' भी सफल रहा, जो 2006 में दर्शकों के बीच आया था। पहली फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन थे। दूसरे भाग का निर्देशन दिवंगत निर्देशक नीरज वोरा ने किया था। दोनों ही फिल्मों में अक्षय, सुनील और परेश की जुगलबंदी दर्शकों को बेहद पसंद आई थी।

शाहरुख खान के साथ फिर धमाल मचाएंगी रानी मुखर्जी, 'किंग' में मिली ये खास भूमिका

मुंबई। शाहरुख खान इन दिनों फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म की स्टारकास्ट से आए दिन एक नया नाम जुड़ रहा है। पिछले दिनों इसमें अनिल कपूर की एंट्री हुई। उनके बाद जैकी श्रॉफ का नाम फिल्म से जुड़ा। फिर जयदीप अहलावत ने बतौर विलेन एंट्री ली और अब फिल्म का स्तर और बढ़ गया है। दरअसल, रानी मुखर्जी भी इसका हिस्सा बन गई हैं, जो शाहरुख के साथ पहले भी हिट फिल्में दे चुकी हैं।

सुहाना खान की मां बनीं रानी : रिपोर्ट के मुताबिक, रानी फिल्म से जुड़ गई हैं। उन्हें सुहाना खान की मां की भूमिका के लिए चुना गया है। उनका किरदार फिल्म की कहानी में जान डाल देगा। उनकी भूमिका बेहद भावुक होने वाली है। रानी 5 दिन में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी करेंगी। जैसे ही रानी के पास 'किंग' का प्रस्ताव आया, उन्होंने फौरन इसका हिस्सा बनने के लिए अपनी रजामंदी दे दी। वह इस फिल्म से जुड़कर बेहद उत्साहित हैं।

शाहरुख के साथ इन फिल्मों में काम कर चुकीं रानी : शाहरुख ने रानी के साथ एक या दो नहीं, बल्कि कई फिल्मों में काम किया है। इस सूची में 'कभी अलविदा ना कहना' से लेकर 'पहेली', 'वीर जारा', 'चलते चलते', 'साथिया', 'कभी खुशी कभी गम' और 'कुछ कुछ होता है' जैसी हिट फिल्में शामिल हैं। रानी और शाहरुख की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आई है और अब एक बार फिर शाहरुख-रानी मिलकर पर्दे पर धमाल मचाने की तैयारी में हैं।

शाहरुख की जबरदस्त फैन हैं रानी : *रानी कई मौकों पर शाहरुख की तारीफ में कसीदे पढ़ चुकी हैं। वह कहती हैं कि बॉलीवुड में शाहरुख और आमिर खान दो ऐसे सितारे हैं, जिनसे उन्हें एक्टिंग की दुनिया में खूब सीखने को मिला है। उनके मुताबिक इनके साथ काम करने पर उन्हें कभी भी छोटा महसूस नहीं हुआ। रानी कहती हैं कि अगर शाहरुख आधी रात को भी उन्हें काम के लिए बुलाएंगे तो वह कभी मना नहीं करेंगी।*

'किंग' के बारे में जानिए : *'किंग' की शूटिंग 20 मई, 2025 से शुरू होने वाली है। फिल्म का पहला शेड्यूल मुंबई में होगा और इसके बाद फिल्म की पूरी टीम यूरोप जाएगी और बाकी शूटिंग वहीं होगी। पहली बार पर्दे पर शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ नजर आएंगे। दीपिका पादुकोण भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। वह इसमें शाहरुख की पूर्व प्रेमिका की भूमिका में दिखेंगी। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी 'किंग' अगले साल ईद पर रिलीज हो सकती है।*

अपने नए टीवी शो 'प्रेम लीला' में निभाए निगेटिव रोल के बारे में बात की

'ग्लैमर, ड्रामा और तमाशा चाहती है ऑडियंस', टीवी इंडस्ट्री में हुए बदलाव पर अशिता धवन ने कही ये बात

नई दिल्ली। एक्ट्रेस अशिता धवन ने कहा, 'अब टीआरपी से शो की लंबाई तय होती है। अगर किसी शो को जल्दी अच्छे व्यूज नहीं मिलते, तो उसे जल्द ही बंद कर दिया जाता है, जिसके चलते अब ज्यादातर शोज छोटे होते हैं और जल्दी खत्म हो जाते हैं। वो वाकई सुनहरे दिन थे, जब एकता कपूर जैसे प्रोड्यूसर ऐसे आइकॉनिक शो बनाते थे जो 500, 1000, यहां तक कि 2000 एपिसोड्स तक चलते थे लेकिन अब समय बदल गया है और दर्शकों की पसंद भी।

सब कुछ टीआरपी पर है निर्भर

उन्होंने कहा, 'अब दर्शकों के पास देखने के लिए ढेर सारे चैनल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स मौजूद हैं। अब सब कुछ टीआरपी पर निर्भर करता है। अगर कोई शो जल्दी अच्छे नंबर नहीं लाता, तो उसे क्रिएटिव होने के बावजूद भी बंद कर दिया जाता है। मैं कृष्णमोहिनी शो में काम कर रही थी। सिर्फ तीन महीने हुए थे और हम तब कहानी का असली प्लॉट भी नहीं दिखा पाए थे, तभी चैनल ने शो बंद करने का फैसला ले लिया। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि अगर कोई शो 800 एपिसोड तक भी पहुंचता है, तो उसे उतना ही बड़ा माना जाता है जैसे पहले हजार एपिसोड को पूरा करने पर माना जाता था।

एक्ट्रेस अशिता धवन ने टीवी इंडस्ट्री में आ रहे बदलावों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि पहले टीवी शोज सालों-साल चलते थे और उनमें सैकड़ों या हजारों एपिसोड होते थे, जैसे एकता कपूर के लोकप्रिय शोज। उन्हें टीवी की क्वीन माना जाता है, क्योंकि उन्होंने ऐसे शोज बनाए, जो लंबे समय तक लोगों के दिलों में बसे रहे, लेकिन आज की टीवी दुनिया बदल चुकी है।

'प्रेम लीला' में निगेटिव रोल को लेकर कही ये बात

इसके अलावा अशिता ने अपने नए टीवी शो 'प्रेम लीला' में निभाए निगेटिव रोल के बारे में बात की। उन्होंने बताया, 'ऐसे किरदार ज्यादा गहराई वाले होते हैं। एक एक्टर के तौर पर मुझे यह ज्यादा चुनौतीपूर्ण और दिलचस्प लगता है। इसमें अलग-अलग पहलुओं को एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है। जब आप पॉजिटिव रोल निभाते हैं, तो ज्यादातर समय आपको सिर्फ रोते हुए ही दिखाया जाता है। बार-बार रोने वाले सीन करने पड़ते हैं, जो क्रिएटिव चैलेंज नहीं देते।

दर्शकों को पसंद नहीं आया था शो

अशिता से जब पूछा गया कि भारतीय टीवी शोज को अक्सर मेलोड्रामैटिक कहा जाता है और वहीं ओटीटी पर कंटेंट कभी-कभी भ्रमित करने वाला होता है, इस पर उनकी राय क्या है? इस पर उन्होंने कहा, 'हर देश का अपना अलग स्टाइल होता है। हमारी इंडस्ट्री में कहानी कहने का तरीका और भी बेहतर हो सकता है। मैंने एक शो किया था लेडीज स्पेशल, जो बहुत साधारण और जमीन से जुड़ा हुआ था। उसमें कम मेकअप, नेचुरल लाइटिंग और असल जिंदगी जैसी कहानियां दिखाई गईं लेकिन दर्शकों ने उस शो को पसंद नहीं किया। वे ग्लैमर, ड्रामा और तमाशा चाहते हैं इसलिए सिर्फ क्रिएटर्स के बदलाव चाहना काफी नहीं है, जब तक दर्शकों की पसंद नहीं बदलेगी, कंटेंट भी नहीं बदलेगा।

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत विदाई समारोह में हुए भावुक

जितना मान-सम्मान मप्र, शहर व उच्च न्यायालय के वकीलों में मिला, उतना कहीं नहीं मिला

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट के मुख्य चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत ने कहा कि जितना मान-सम्मान मुझे पदभार संभालने के दिन से आज तक इस प्रदेश, इस शहर व इस बार एसोसिएशन में मिला, उतना कहीं नहीं मिला। यह अविस्मरणीय है अतः इसे भुला पाना मेरे लिए असंभव है। वे अपने सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान उनकी धर्मपत्नी, प्रशासनिक न्यायाधीश संजीव सचदेवा, स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन आरके सिंह सैनी, डिप्टी सालिसिटर जनरल पुष्पेंद्र यादव, अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रूपराह, हाई कोर्ट एडवोकेट्स बार के सचिव अधिवक्ता निखिल तिवारी, जिला बार अध्यक्ष मनीष मिश्रा, हाई कोर्ट बार अध्यक्ष धन्य कुमार जैन व सचिव परितोष त्रिवेदी मंचासीन थे। संचालन सचिव परितोष त्रिवेदी व आभार अधिवक्ता

निर्मला नायक ने ज्ञापित किया।

सिल्वर जुबली आदर्श सभागार में अपने भाव व्यक्त करते हुए चीफ जस्टिस कैत ने कहा कि मैं जितना भावुक हूं, उतना ही कठोर, अपने व्यक्तिगत मान-सम्मान की मुझे परवाह नहीं पर इंस्टीट्यूशन के प्रति कोई गलत बात बर्दाश्त नहीं करता। जो कुछ कम समय में बार के लिए कर सकता था, मैंने किया। अधिवक्ताओं के लिए पार्किंग और बैठने के लिए आठ मंजिल बिल्डिंग प्रस्तावित कराई।

ओ फिरकी वाली गीत गाकर वकीलों का दिल जीता

चीफ जस्टिस कैत ने अधिवक्ता समुदाय की फरमाइश पर उनके बीच सुर साधकर ओ फिरकी वाली गीत गाकर समां बांध दिया। इसी के साथ सभागार तालियों की गड़बड़ाहट से गूंज उठा। अधिवक्ताओं ने भी गीत के बोलों को दोहराकर साथ दिया। इसके बाद सभी वकीलों ने स्टेंडिंग ओवेशन देकर सीजे कैत का मान बढ़ाया।

बार की ओ से आभार जताया

हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष धन्य कुमार जैन ने बार की ओर से सीजे कैत का आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि सीजे कैत ने असंभव को संभव कर दिखाया। उनकी वजह से बार के नवीन भवन का स्वप्न समय पर साकार होगा। मुख्यमंत्री व सुप्रीम कोर्ट के जजों की मौजूदगी में 117 करोड़ का बजट स्वीकृत कराया। यह कहते ही सभी वकील अपने स्थान पर खड़े हो गए और सीजे कैत के सम्मान में स्टेंडिंग ओवेशन दिया। काफी देर तक तालियां थमीं नहीं।

सीजे कैत को हाई कोर्ट भवन का स्मृति चिन्ह भेंट

हाईकोर्ट बार ने विदाई की भावुक बेला में सीजे कैत को हाई कोर्ट भवन का स्मृति चिन्ह व उनकी धर्मपत्नी को हथकरघा की साड़ी भेंट की। दो घंटे तक चले कार्यक्रम में सभी भाव विभोर हो गए। हाई कोर्ट बार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित जैन, उपाध्यक्ष प्रशांत अवस्थी, संयुक्त सचिव योगेश सोनी, कोषाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह, पुस्तकालय सचिव रजनीश उपाध्याय, कार्यकारिणी सदस्य सपना तिवारी सहित अन्य का सहयोग रहा।

भारतीय सेना के सम्मान में कांग्रेस ने निकाली पदयात्रा

उपमुख्यमंत्री व मंत्री के बयान के खिलाफ आरएसएस कार्यालय में सौंपा प्रार्थना पत्र

हरिभूमि जबलपुर।

भारतीय सेना और उसकी जांबाज़ महिला अधिकारियों के सम्मान में शनिवार को नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा एक विरोध मार्च आयोजित किया गया। यह मार्च गौ माता चौक, राइट टाउन से प्रारंभ होकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थानीय कार्यालय केशव कुटी पहुँचा. जहाँ कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने संघ पदाधिकारी प्रदीप दुबे, कैलाश गुप्ता, सुरेश अग्रवाल और विनोद कुमार से मुलाकात की और औपचारिक रूप से विरोध पत्र सौंपा।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा ने कहा हमारा विरोध किसी संगठन से नहीं, बल्कि उन लोगों से है जिन्होंने सेना और महिला अधिकारी का अपमान किया है। जो स्वयं को राष्ट्रवादी कहते हैं, वे आज राष्ट्रहित में चुप क्यों हैं. श्री शर्मा ने कहा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और वन मंत्री विजय शाह के बयानों ने न केवल भारतीय सेना की गरिमा को ठेस पहुँचाई, बल्कि कर्नल सोफिया कुरैशी जैसी वीर महिला अधिकारी के सम्मान को भी आहत किया है। कांग्रेस ने ऐलान किया है कि जब तक भारतीय सेना के अपमान के दोषियों को जवाबदेह नहीं बनाया जाता, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। इस दौरान दिनेश यादव, अमरीश मिश्रा, कमलेश यादव, इंदिरा तिवारी, अनुराग गड़वाल, अयोध्या तिवारी, अतुल बाजपेई, सतेंद्र चौबे ,प्रमोद पटेल, याकूब अंसारी, विजय जैन चुन्ना,वकील अंसारी, संतोष दुबे पड़ा, दिनेश तामसेतवार, अनुपम, जैन, अख्तर अंसारी,राजेश तिवारी ,आजम अली खान,कलीम खान, गुड्डू चौबे, रज्जू सराफ, प्रशांत मिश्रा, झल्ले लाल जैनराजा पाण्डेय अनुभव शर्मा, सहित सैकड़ो कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

निगम की अनदेखी से नागरिक परेशान

लेफ्ट टर्न में अतिक्रमण से बिगड़ रही शहर की ट्रैफिक व्यवस्था

हरिभूमि जबलपुर।

शहर में यातायात सुगम बनाने के लिए 10 चौराहों के लेफ्टटर्न खोले गए। नगर निगम प्रशासन ने किसी जंक्शन को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए बुलडोजर चलाया, तो कहीं जमीन अधिग्रहण करने के लिए बड़ी मुआवजा राशि दी। लेकिन, प्रमुख चौराहों में निगम प्रशासन अपने ही खोले लेफ्टटर्न भूल गया है। ज्यादातर चौराहों के लेटटर्न खाली नहीं मिलते। छोटी लाइन चौराहे के जंक्शन प्वाइंट पर वाहनों की पार्किंग की जा रही है। गोरखपुर बाजार छोर पर लेफ्टटर्न में ठेले-टपरे, गुमटियों का जमावड़ा है। इसके कारण लेफ्टटर्न से वाहनों से आवाजाही मुश्किल होती है। इस चौराहे पर आवाजाही सुगम बनाने निगम ने जमीन अधिग्रहण पर 55 लाख रुपए खर्च किए थे।

निगम मुख्यालय के सामने कब्जा

हद तो ये है कि नगर निगम मुयालय के सबसे करीब तीन पत्ती चौक के लेफ्टटर्न भी शहरवासियों को खाली नहीं मिल पा रहे हैं। यहां भी ठेले-टपरे वालों का जमावड़ा हो जा रहा है। जबकि इस चौराहा से होकर दिन भी नगर सरकार से लेकर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों की आवाजाही रहती है।

तहसीली चौक और ब्लूम चौक पर भी कब्जा

तहसीली चौक में मॉडल स्कूल परिसर से लगे लेफ्टटर्न व न्यायालय छोर के लेफ्टटर्न दोनों ही ओर वाहनों की पार्किंग की जा रही है। स्कूल छोर पर तो स्ट्रीट वेंडर ठेले-टपरे भी लगा ले रहे हैं। इसके कारण कार्यालयीन दिनों में इस चौराहे से होकर गुजरने में राहगीरों को हर हाल में जाम से जूझना पड़ता है। शहर के व्यस्त चौराहों में शुमार ब्लूम चौक पर होमसाइंस कॉलेज छोर के लेफ्टटर्न पर हर रोज वाहनों की पार्किंग कर दी जाती है। इसके कारण यहां से एबुलेंस का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। एक स्टोर के संचालक ने तो लेफ्टटर्न से सटकर ही ट्रांसफार्मर भी लगा दिया है।

जल्द कार्रवाई शुरू की जाएगी

चौराहों के लेफ्टटर्न अतिक्रमण मुक्त रखने पूर्व में अभियान चालाया गया था, फिर से कार्रवाई शुरू की जाएगी, जिससे की आवाजाही मार्ग सुगम रहे और राहगीरों को समस्या का सामना ना करना पड़े।

सागर बोरकर, प्रभारी अधिकारी अतिक्रमण निरोधी दस्ता, ननि

मसीहा बनकर सामने आए इनायत अली

नानी के अंतिम संस्कार के नहीं थे पैसे, हुईं बेसहारा

हरिभूमि जबलपुर।

गुरंदी बाजार में शनिवार को उस समय भावुक दृश्य देखने को मिला जब दो बहनों का जीवन एक और दुखद मोड़ से गुजर रहा था। 65 वर्षीय नानी साबित्री बाई विश्वकर्मा का निधन हो गया, और उनका अंतिम संस्कार करने तक की आर्थिक व्यवस्था बहनों के पास नहीं थी। ऐसे समय में गरीब नवाज कमेटी के इनायत अली मसीहा बनकर सामने आए।

24 वर्षीय शिवानी विश्वकर्मा और उनकी 19 वर्षीय बहन रागिनी, अपनी नानी के साथ चर्च के पीछे किराए के मकान में रहती थीं। दोनों बहनें पहले ही अपने माता-पिता को बीमारियों के चलते खो चुकी थीं मां की मृत्यु पीलिया से और पिता की हृदयाघात से हुई थी। अब नानी की मौत ने उन्हें पूरी तरह बेसहारा कर दिया।

नानी की अचानक मौत के बाद, दोनों बहनें बिलखती रहीं और अंतिम संस्कार के लिए मदद की गुहार लगाती रहीं। तभी इनायत अली को इस स्थिति की जानकारी मिली। उन्होंने अपने निजी कार्य छोड़कर तुरंत मौके पर पहुंचकर आर्थिक रूप से बहनों की मदद की। उन्होंने परिवार के सदस्य की तरह अंतिम संस्कार की पूरी व्यवस्था करियापाथर मुक्तिधाम में करवाई।

शिवानी, जो निजी काम करके जैसे-तैसे घर चलाती हैं, ने बताया कि नानी ही उनका आखिरी सहारा थीं। उन्होंने इनायत अली का आभार जताते हुए कहा कि अगर ऐसे लोग न होते तो वह इस कठिन समय से कैसे गुजरतीं।

हाईकोर्ट ने किया जवाब तलब

सरफेसी एक्ट की धारा 13 की वैधानिकता को चुनौती

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर सरफेसी एक्ट की धारा 13 की वैधानिकता को चुनौती दी गई है। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने वित्त मंत्रालय के सचिव, ईओडब्ल्यू डीजी व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। कोर्ट ने बैंक द्वारा सरफेसी एक्ट के तहत की गई कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी।

भोपाल के रघुनंदन सिंह चौहान की ओर से अधिवक्ता विवेक रंजन पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता की फर्नीचर बनाने की औद्योगिक इकाई है। बैंक का लोन नहीं चुकाने पर उनकी परिसंपत्तियां नीलाम कर दी गई। अब बैंक सरफेसी एक्ट के तहत उन्हें दिवालिया घोषित करना चाहती है, जिसके लिए उन्हें नोटिस भेजा गया है। दलील दी गई कि केन्द्र सरकार के गजट नोटीफिकेशन व रिजर्व बैंक निर्देशों के अनुसार किसी भी लघु व मध्यम श्रेणी की औद्योगिक इकाई के बैंकिंग लोन की किश्तों में अगर डिफॉल्ट होता है तो उसे बैंक द्वारा वित्तीय विनियोजन का मौका पहले दिया जाना जरूरी है। ऐसा इसलिए ताकि उसे दिवालिया होने से बचाया जा सके। यदि वित्तीय विनियोजन असफल होता है तभी नीलामी की कार्यवाही की जा सकेगी। तर्क दिया गया कि धारा 13 सरफेसी एक्ट के तहत बिना वित्तीय पुनःसरंचना का मौका दिए बिना परिसंपत्तियों की नीलामी करने का बैंक का अधिकार असंवैधानिक है। दलील दी गई कि बैंक ने याचिकाकर्ता की लगभग 70 करोड की संपत्ति को 6 करोड 42 लाख में नीलाम कर दी, जोकि वित्तीय धोखाधड़ी है। इसकी शिकायत ईओडब्ल्यू में भी की गई है।

साइलेंट किलर बनता जा रहा है हाई बीपी

विश्व हाइपरटेंशन दिवस पर जिले में जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि जबलपुर।

शनिवार को विश्व हाइपरटेंशन दिवस के अवसर पर जबलपुर शहर में विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप) को 'साइलेंट किलर' बताते हुए लोगों को समय रहते सतर्क होने की सलाह दी। चिकित्सकों ने कहा कि हाइपरटेंशन धीरे-धीरे शरीर को अंदर से खोखला कर देता है, और जब तक इसका पता चलता है, तब तक स्थिति गंभीर हो सकती है। शहर के अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है, जो नियमित ब्लड प्रेशर की जांच या लक्षणों की उपेक्षा के कारण गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचते हैं।

हर दिन पहुंचते हैं 90 से ज्यादा मरीज

हृदयरोग विशेषज्ञों के अनुसार, जबलपुर में सरकारी अस्पतालों में औसतन प्रतिदिन 90 से ज्यादा मरीज उच्च रक्तचाप से जुड़ी समस्याओं के साथ पहुंचते हैं। अगर इसमें निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में पहुंचने वाले मरीजों को भी जोड़ दिया जाए, तो यह आंकड़ा 150 से ऊपर पहुंच जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि बेहद चिंताजनक है और यह दर्शाती है कि जनमानस में इस बीमारी को लेकर जागरूकता अभी भी बहुत कम है।

हाइपरटेंशन को ऐसे समझें

एमएलबी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विशेषज्ञों के मुताबिक, सामान्य तौर पर 15 से 35 प्रतिशत जनसंख्या हाइपरटेंशन से प्रभावित होती है। इनमें से लगभग 20 प्रतिशत मौतें बढ़े हुए रक्तचाप के कारण होती हैं। उन्होंने बताया कि हाइपरटेंशन दो प्रकार का होता है , प्राइमरी (एसेंशियल) हाइपरटेंशनः जिसका सीधा कोई कारण स्पष्ट नहीं होता, पर यह जीवनशैली से जुड़ा होता है। जो डायबिटीज, किडनी की बीमारी, हार्मोनल असंतुलन या गर्भावस्था जैसे कारणों से होता है। अत्यधिक नमक, फैट युक्त भोजन, तनाव, धूम्रपान, शराब, और व्यायाम की कमी हाइपरटेंशन को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कारक हैं। इसके लक्षणों में सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, गुस्सा आना, चक्कर आना, थकान, सीने में दर्द और सांस फूलना शामिल हो सकते हैं।

निवारण ही बचाव है

विश्व हाइपरटेंशन दिवस के उपलक्ष्य में शहर भर के चिकित्सकों ने एक ही संदेश दिया — समय पर जांच कराएं, जीवनशैली सुधारें और हाइपरटेंशन को गंभीरता से लें। निगरानी, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाकर इस साइलेंट किलर से बचा जा सकता है।

मूक पशु-पक्षी की सेवा करना हमारा कर्तव्य : रोहाणी

जबलपुर। केंट विधायक अशोक रोहाणी ने रांझी में मूक पशु-पक्षी हेतु पीने के पानी हेतु नाद एवं पक्षी के पानी एवं अन्न के सकोरा एवं पक्षियों के भोजन के भोजन पात्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री रोहाणी ने कहा कि मूक पशु-पक्षियों की सेवा करना हमारा दायित्व है, मूक पशु-पक्षी जो बोल नहीं सकते, हमारा कर्तव्य है कि हम उनके भोजन एवं पानी की व्यवस्था करें। सकोरा भोजन पात्र एवं नाद उपलब्ध कराने हेतु परसराम मूलचंदानी एवं सचिन जैन सहारा की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस दौरान सचिन जैन, परसराम मूलचंदानी, श्रीमती संतोषी ठाकुर, पुष्पराज सिंह, कैलाश रजक हेमराज सराठे, सुधीर बेन, आलोक मित्रा, बबलू लालपुरी, श्रीमती निशा, राजेश श्रीवास्तव आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ब्राम्हण महासभा का विप्र चेतना समागम आज

जबलपुर। ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा के तत्वावधान में विप्र चेतना समागम का भव्य आयोजन आज 18 मई को सायं 5:00 बजे स्थानीय दत्त मंदिर गोलबाजार, जबलपुर में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगतगुरु राघवदेवाचार्य महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद महाराज तथा पूज्य साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी करेंगी। इस अवसर पर सारस्वत अतिथि के रूप में नगर पंडित सभा के पं. वासुदेव शास्त्री, डॉ. हरिशंकर दुबे के साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में सांसद आशीष दुबे, पनागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पं. सुशील तिवारी 'इंदू', उत्तर मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, नेता प्रतिपक्ष पं. अमरीश मिश्रा होंगे। ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा के संस्थापक पं. वीरेंद्र तिवारी, अध्यक्ष पं. मुन्नालाल दुबे, पंडित दिलीप दुबे, चन्द्रशेखर शर्मा, प्रदेश महासचिव डॉ. अरुण मिश्रा ने बताया कि विश्व चेतना समागम के अंतर्गत संगोष्ठी अलंकरण सम्मान के साथ ही विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

जहर खाने से मौत

जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अतंर्गत ग्राम तेवर कोरी मोहल्ला में अज्ञात जहरीली वस्तु का सेवन करने पर एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।भेड़ाघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात लगभग 11 बजे अज्ञात जहरीली वस्तु का सेवन करने के कारण ग्राम तेवर कोरी मोहल्ला निवासी 48 वर्षीय श्रीमति मिथला बाई मेहरा को उपचार के मेडीकल कॉलेज अस्पताल में बेटे नरेंद्र मेहरा द्वारा भर्ती कराया गया था। जहां देर रात उपचार दौरान लगभग 2.30 बजे श्रीमति मिथला बाई मेहरा की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

पुरानी रंजिश पर जानलेवा हमला

जबलपुर। मदनमहल थाना अतंर्गत चंद्रिका टावर के पास पुरानी रंजिश पर दो बदमाशों ने दो भाईयों पर चाकू से हमलाकर प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मदनमहल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार तलवार कम्पाउंड विजयनगर रामपुर छापर गोरखपुर निवासी 23 वर्षीय आयुष दुबे गत रात लगभग 10.25 बजे चंद्रिका टावर मदनमहल स्थित अपनी होटल में था, तभी उसके भाई आकाश दुबे ने उसे मोबाइल पर कॉल कर दो मिनिट के लिए नीचे आने को कहा, जब वह नीचे आया तो देखा एक स्कूटी में उसका भाई आकाश बैठा था, जिसके पीछे गौरव दाहिया और यश शुक्ला बैठे थे। पुरानी रंजिश पर यश शुक्ला और गौरव दाहिया ने आयुष को जाने से मारने का कहते हुए यश ने आकाश के जांघ पर और आयुष की पसली व कमर पर चाकू से प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया। आसपास के लोगों को आते देख गौरव दाहिया ब्लूम चौक तरफ तथा यश शुक्ला चाकू लेकर साईड शोरूम में घुस गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 109, 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

वीरों की शौर्यगाथा और पराक्रम के जीवंत चित्रण ने मन मोहा

ग्लोबल यूथ फेस्ट 2.0, धरती पर उतर आए चारों युग

- भगवान श्रीराम की स्तुति से हुई कार्यक्रम की शुरुआत
- यूथ फेस्ट के दूसरे दिन बना धार्मिक, आध्यात्मिक वातावरण

जबलपुर। बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कालेज के यूथ फेस्ट 2.0 के दूसरे दिन 17 मई को प्रतिभागियों ने गीत, संगीत, नृत्य के माध्यम से चारों युगों का जीवंत चित्रण कर दर्शकों का मन मोह लिया। इस दौरान ऐसा लग रहा था मानो चारों युग सतयुग (सत्ययुग), त्रेतायुग, द्वापरयुग, और कलियुग धरती पर उतर आए हों। मंचीय कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों ने त्रेतायुग में धर्म और सत्य की हानि को रेखांकित किया। द्वापरयुग में अधर्म और अन्याय बढ़ने तथा धर्म और नैतिकता के घटते प्रभाव तथा कलियुग में अधर्म, अन्याय और हिंसा का बोलबाला का मंचन किया। चारों युग का वर्णन कर यह संदेश दिया कि युग कोई भी हो, ईश्वर किसी न किसी रूप में हमारे साथ होते हैं। इस दौरान भारतवर्ष के वीर, वीरांगनाओं का रूप धारण कर उनकी शौर्यगाथा और पराक्रम के मंचन तथा देवी, देवताओं के रूप में प्रतिभागियों द्वारा नृत्य की प्रस्तुति ने भी दर्शकों को उत्साह से भर दिया। 24 घंटे के राष्ट्रीय स्तर के हैकथॉन का समापन हुआ, जिसमें ग्लोबल इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर के प्रतिभागी अव्वल रहे। प्रोजेक्ट एग्जीबिशन, फन गेम्स, तकनीकी गेम्स में भी कॉलेज के विद्यार्थियों ने हुनर दिखाया। अंत में धमाल पार्टी ने रंग जमाया, जिसमें प्रतिभागियों ने जमकर डांस किया। बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कालेज के चेयरमैन सौरभ बड़ेरिया ने प्रतिभागियों की मेहनत और उनके तकनीकी ज्ञान की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संस्था के निदेशक डॉ. राजीव खत्री, रजिस्ट्रार प्रो. पूर्णानंद दुबे, एचआर हेड डॉ. निहारिका यादव, प्रो. वंदना पाठक, डॉ. प्रतीक मिश्रा, डॉ. सुनील पटेल, प्रो. मनीष तिवारी आदि उपस्थित थे। शावा शावा बैंड और डीजे नाइट की प्रस्तुति से रविवार को यूथ फेस्ट का समापन होगा।

भक्ति में लीन हुए दर्शक

नृत्य के माध्यम से प्रतिभागियों ने विभिन्न देवी देवताओं की स्तुति की। विकराल रूप में मां काली का तांडव, रौद्र रूप में शिव तांडव को देख दर्शकों के रोंगटे खड़े हो गए। वहीं श्रीकृष्ण गोपियों संग अठखेलियां करते नजर आए, तो बुद्धि के देवता श्रीगणेश के दर्शन पाकर सभी धन्य हो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम की स्तुति से हुआ। दर्शक भगवान श्रीराम की भक्ति में लीन नजर आए। वहीं रैम्प वॉक के माध्यम से उन वीर, वीरांगनाओं का जीवंत चित्रण किया गया जिन्होंने देश की आन बान और शान के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। महाराणा प्रताप, झाँसी की रानी, रानी दुर्गावती, छत्रपति शिवाजी महाराज, सम्भाजी महाराज एवं बाजीराव की शौर्यगाथा और पराक्रम को बहुत ही सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

हैकथान में दिया गया टास्क किया पूरा

राष्ट्रीय स्तर के हैकथन में छात्रों ने टास्क पूरा किया। जिसमें विभिन्न राज्यों से आए 120 से अधिक छात्र शामिल हुए। प्रतिभागियों ने विभिन्न माडल्स प्रस्तुत किए। जिसमें एआई, स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी, शैक्षणिक प्रौद्योगिकी, ग्रीनटेक साइबर सुरक्षा, वेब3, ब्लाकचेन आदि चुनौतियों का सामना कर माडल्स के जरिए समाधान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में आईटी उद्योग के सदस्य अनूप राय, एलिशा फ्रांसिस, गौरव सोनी, आयुष जैन, सिद्धांत खरे, जसनीत सिंह सैनी और आयुष त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

पीएम की चाटुकारिता के लिए सेना का अपमान

डिप्टी सीएम देवड़ा एवं मंत्री विजय शाह का यूथ कांग्रेस ने किया पुतला दहन

हरिभूमि, जबलपुर। युवा कांग्रेस द्वारा मालवीय चौक जबलपुर में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं मंत्री विजय शाह के पुतले जलाए गए। हाल ही में दोनों मंत्रियों द्वारा दिए गए विवादित बयान जिसमें की भारतीय सेना एवं भारत की जनता का अपमान किया गया। युवा कांग्रेस नेता समर्थ अवस्थी ने बताया कि जिस तरह कल उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कल भारतीय सेना और भारतीय जनता को मोदी जी के चरण वंदन करने को कहा गया उससे सेना का अपमान हुआ है जिसे कांग्रेस और भारत देश कदापि सहन नहीं करेगा, वैसे ही घटिया शब्द भाजपा मंत्री विजय शाह ने देश की शान सेना की सम्मानित अधिकारी सोफिया कुरैशी को आतंकवादी की बहन कहा गया इससे यह जाहिर होता है कि भाजपा मंत्रियों में प्रतिस्पर्धा चल रही है कि कौन सेना को कितना अपमानित कर सकता हैं और कितना मोदी जी की चाटुकारिता करता है। ऐसे मंत्री के खिलाफ जबलपुर हाइकोर्ट ने खुद एफआईआर करवाई है।भारतीय युवा कांग्रेस ने आज मुख्यमंत्री से दोनों मंत्रियों के इस्तीफे की मांग की है।अगर जल्द ही इनसे इस्तीफा नहीं लिए गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। पुतला दहन में युवा कांग्रेस नेता समर्थ अवस्थी के नेतृत्व में मुख्य रूप से शिशिर ननहोरिया,अमित मिश्रा,नीलेश महार, सौरभ गौतम,सचिन रजक,राहुल बघेल,ऋषिकांत पटेल,आमिर पहलवान, अभ्युत बाजपेई,साहिल यादव,यश गुप्ता,यश दुबे,शिवम् सैनी,प्रतीक शुक्ला एवं अन्य युवा कांग्रेस कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में उपस्थित थे।

वैश्य समाज का युवक-युवती परिचय महासम्मेलन 1 जून को

जबलपुर। वैश्यों का सामाजिक संगठन वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के सभी जिलों की तहसीलों में कार्यरत है जिसमें संगठन की प्रत्येक तहसीलों में मुख्य इकाई महिला इकाई एवं युवा इकाई अपनी पूर्ण क्षमताओं से वैश्यों के संगठन एवं संवर्धन में लगी हुई है। संगठनात्मक रूप से 20 संभाग 65 जिले एवं 435 तहसीलों में इकाइयों के माध्यम से सामाजिक कार्य जारी हैं, वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के संरक्षक एवं प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री उमाशंकर गुप्ता के मार्गदर्शन एवं प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष संदेश जैन के आदेशानुसार सभी संभाग स्तर पर प्रेस वार्ता आयोजित कर संगठन के द्वारा विभिन्न वैश्य घटकों को संगठित कर रचनात्मक कार्यों की जानकारी दी जाना है। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश की इंदौर जिला इकाई के द्वारा दिनांक 01 जून 2025 को वैश्य तलाक शुदा, विधवा, विधुर, विकलांग एवं अधिक उम्र के अविवाहित युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में ज्योति जैन, अतुल चौरसिया, आभा साहू, जितेंद्र देव गुप्ता, साधना बड़कुल, आभा जैन, अंजू अग्रवाल, शिशिर अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

चलित प्रसादम सेवा के 5105 दिन पूरे

जबलपुर। 4 साल पहले 4 अप्रैल 2011 हिंदू नव वर्ष पर जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट की योजना से हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट के संस्थापक स्वामी रामचंद्रदास जी महाराज के सानिध्य में 200 से 300 लोगों का प्रतिदिन चलित प्रसादम सेवा के नाम से एक गाड़ी में भोजन वितरण का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था। 17 मई को बल्देवबाग चौक एवं मेडिकल कॉलेज के मरीज के परिजन एवं मरीजो को पूरी सब्जी कड़ी चावल हलवा आचार वितरित किया गया। पूज्य ज्ञानेश्वरी दीदी ने कहा भूखे को भोजन करना हजारों वर्ष पुरानी प्राचीन परंपरा है इस मानव सेवा से बड़ी कोई सेवा नही है। हर सेवा भगवान हर कोई से नहीं करता है इस सेवा के लिए अग्रवाल परिवार को चुना यह पूर्वजों के पुण्य प्रताप का फल है। ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल ने बताया करोना के समय प्रतिदिन 1000 लोगों को भोजन वितरित किया जाता था नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल ने बताया 5105 दिनों से प्रतिदिन लगातार जारी है अभी तक 19 लाख 14 हजार 375 लोगों ने प्रसाद पाया। इस अवसर पर बी डी पटेल लखन दुबे मनजीत सिंह टीटू सिंह मेघा प्लास्टिक आदि उपस्थित थे।

जितेन्द्र जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त

सिहोरा। ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ बृजेन्द्र यादव ने जितेन्द्र कुमार कुर्मी को महासभा का जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एड धमेंद्र कुशवाहा,डॉ पुष्पराज पटेल,इंजीनियर महेन्द्र सिंह लोधी की सहमति,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुनील पटेल,राकेश लोधी,संभागीय अध्यक्ष रामराज पटेल, जिलाध्यक्ष छोटे पटेल की अनुशंसा से की गई है।

श्रमजीवी पत्रकार परिषद ने की अतिरिक्त महाधिवक्ता से मुलाकात

जबलपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय प्रदेश पदाधिकारिओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त अतिरिक्त महाधिवक्ता नितेश यादव से सौजन्य मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान सभी पत्रकारों ने पत्रकार सुरक्षा कानून सहित मां नर्मदा में मिल रहे गंदे नाले को रोकने के लिए एवं पर्यावरण की सुरक्षा सहित अनेक मुद्दों पर उनसे चर्चा की। इस अवसर पर अतिरिक्त महाधिवक्ता श्री यादव ने श्रमजीवी पत्रकार परिषद के पत्रकारों का आभार व्यक्त करते हुए आशा जताई कि निश्चित रूप से आने वाले समय में हम और आप मिलकर जबलपुर को और ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत बाजपेई,प्रदेश के मुख्य महासचिव विलोक पाठक, प्रदेश संगठन महासचिव अनुरोध पटेरिया, जबलपुर संभाग के अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा, गृह निर्माण समिति के प्रमुख सुरेश कामले, पत्रकार फोटोग्राफर एसोसिएशन के सदस्य जितेंद्र वैष्णव ने पुष्प कुछ देकर अतिरिक्त महाधिवक्ता का अभिनंदन किया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न

जबलपुर । निरभव निरवैर सेवक जत्थे के दमनीत सिंह प्रिंस भसीन ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि भारत सरकार द्वारा चलाये गये ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता को शौर्य दिवस के रूप में मनाते हुये खालसा स्कूल रांझी में बच्चों एवं समूह सिक्ख संगत द्वारा अखंड भारत एवं राष्ट्र, सैनिकों, सुरक्षा संस्थानों एवं उनके परिवारों के चढ़दी कला के लिये गुरूवाणी एवं सर्वत्र भले की अरदास भाई सतनाम सिंह एवं साथियों द्वारा की गयी। कार्यक्रम समाज के छोटे-छोटे बच्चे की उपस्थिति में किया गया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में जबलपुर की निर्माणियों और उनके योगदान को देखते हुये इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जीसीएफ के महाप्रबंधक राजीव गुप्ता को इनको जत्थे एवं सिक्ख समाज की तरफ से सम्मान एवं राष्ट्र की तीनों सेनाओं एवं सुरक्षा संस्थानों के लिये प्रशस्ति पत्र देकर एवं शाल, सिरोपा, पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में निरभव निरवैर सेवक जत्थे के दमनीत सिंह प्रिंस भसीन, टीटू जग्गी, अमरजीत सिंह अलग, नंदा ब्रदर्स, हरदीप सिंह जगदेव, रिंकू आहूजा, किट्टू सचदेवा सहित सिक्ख समाज के साथ खालसा स्कूल के स्टॉफ प्रचार्या शशि रजक, स्त्री सत्संग की महिलाएं उपस्थित रहीं।

अटल बने कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष

सिहोरा। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अटल उपाध्याय के जिलाध्यक्ष बनने पर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ सिहोरा के तहसील अध्यक्ष के जी पाठक,ब्लॉक अध्यक्ष सुशील दाहिया,योगेंद्र मिश्रा,मनजीत सिंह,मनोज राय,प्रेम प्रकाश चतुर्वेदी, राजेश मिश्रा,संदीप तिवारी,गंगा राम गुप्ता,अनीता उपाध्याय, प्रदीप राय,बलराम उपाध्याय, सुषमा पांडे,ममता दुबे,जे एस राठौर आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

शासकीय महाविद्यालय में बैंकिंग फाइनेंस सर्विसेज एंड इन्सुरेंस के नवीन पाठ्यक्रम प्रारम्भ

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में नवीन सत्र 2025-26 की प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। इस सत्र में महाविद्यालय में दो नवीन रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम आरम्भ किये जा रहे हैं। बी.ए.एवं बी.कॉम.में बैंकिंग,फाइनेंस सर्विसेस एंड इन्सुरेंस के नए पाठ्यक्रम इस सत्र से प्रारम्भ होंगे। प्रवेश प्रभारी डॉ राजेश वाहने ने बताया कि इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को दो वर्ष विषय का अध्ययन करना होगा और तृतीय वर्ष में उन्हें बैंक, वित्तीय संस्थान और बीमा कंपनी में अप्रेंटिसशिप कराई जाएगी जिसमें उन्हें शिष्यवृत्ति(स्टाइपेंड) भी प्राप्त होगी। भारत सरकार की अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम(ए ई डी पी) योजना के तहत इन पाठ्यक्रमों के संचालन किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों के लिए विद्यार्थियों को कोई अतिरिक्त शुल्क देय नहीं होगा। इन दोनों पाठ्यक्रमों के लिए महाविद्यालय में 30-30 सीट निर्धारित हैं जिनमें मेरिट के आधार पर प्रवेश मिलेगा। इन पाठ्यक्रम में विद्यार्थी ई प्रवेश पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस सत्र से उच्चशिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों का पुनर्संयोजन किया है। अब प्रथम वर्ष में प्रवेश मुख्य विषय (मेजर) के आधार पर मिलेगा।

फर्जी रिपोर्ट लिखाने वालों के विरुद्ध उचित कार्यवाही किये जाने किन्नरों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। किन्नर रोशनी पटेल व उसके अन्य किन्नर साथियों द्वारा व्यक्तिगत स्वार्थ के चलते हिन्दू किन्नरों को क्षेत्र में न जाने देने की मंशा से लड़ाई-झगडा कर हिन्दू मुस्लिम का जामा पहनाकर धार्मिक उन्माद फैलाने पर उचित कार्यवाही करने की मांग की गई है। कलेक्टर कार्यालय में सौंपे ज्ञापन में निवेदन किया गया है कि मैं दिया मिश्रा (नायक) गुरू स्व. रागिनी नायक उम्र 30 वर्ष, निवासी गलगला टोरिया के पास, थाना बेलबाग, जबलपुर में रहती हूं तथा किन्नर समाज की निर्वाचित नायक हूं और सभी किन्नरों का दायित्व मुझ पर है कई किन्नर जो अतिवृद्ध हैं, बीमार हैं, असहाय हैं उनका भरण-पोषण करने का भी दायित्व मेरा है, इस नाते सभी किन्नर जो किन्नर नियमों का पालन करते हुये साथ में रहते हैं इस प्रकार सभी किन्नर मेरे अधीनस्थ हैं तथा मेरे ही निर्देशन में वे सभी क्षेत्र समाज में लोगों के यहां बधाई, शुभकामना, प्रार्थना करते हुये दो पैसा कमाते हैं और समाज से मिली राशि को सभी किन्नरों के भरण-पोषण एवं समाज में निर्धन लाचार लोगों के उत्थान में खर्च करते हैं। किन्नर रोशनी द्वारा मनीषा दास, स्वीटी चौधरी, पिंकी चौधरी, प्रीति, पूजा एवं मोहम्मद महफूज ताजी उर्फ गुड्डू के साथ मिलकर आये दिन हम लोगों के साथ क्षेत्र में गाली-गालौज, मारपीट करती है अतएव मेरे विरूद्ध की गई रिपोर्टों की जांच कर फर्जी रिपोर्ट लिखाने वालों के विरूद्ध उचित न्यायिक दंडात्मक कार्यवाही किये जाने की कृपा करें।

निधन

श्रीमती सावित्री विश्वकर्मा- भरतीपुर निवासी श्री रामचरन विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री विश्वकर्मा (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भगवान दास सराफ- सराफा खटीक मोहल्ला रोड निवासी श्री भगवान दास सराफ (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रमा बाथरे- गोपालबाग निवासी श्री महेश बाथरे की धर्मपत्नी श्रीमती रमा बाथरे (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सावित्री- हैड पोस्ट आफिस के पास साउथ सिविल लाइन निवासी श्री सुंदर लाल की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मानक राव- चौधरी मोहल्ला रामपुर निवासी श्री मानक राव (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती चंद्रवती विश्वकर्मा- बेलबाग निवासी श्री प्रकाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रवती विश्वकर्मा (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 5x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 5x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

देशभक्ति के रंग में रंगी तिरंगा यात्रा में लगे भारत माता की जय के नारे

समापन पर भूतपूर्व सैनिकों का किया सम्मान

सिहोरा। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पाकिस्तान के खिलाफ सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के नायक देश के वीर सैनिकों के अदम्य साहस और शौर्य को नमन करते हुए तथा देश की एकजुटता का संदेश देने के उद्देश्य से एक साथ दो तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें पहली राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक बैनर तले महाराजपुर से निकाली गई जिसका समापन सिहोरा में हुआ यहीं से क्षेत्र के भूतपूर्व सैनिकों की तिरंगा यात्रा को गिदुरहा के लिए रवाना किया।

सांसद ने हरि झंडी दिखाकर किया रवाना

भारतीय सैनिकों के सम्मान में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक बैनर तले निकली तिरंगा यात्रा को सांसद आशीष दुबे,जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोटिया,बरगी विधायक नीरज सिंह,पनागर विधायक सुशील इंदू तिवारी,भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल आदि ने महाराजपुर से हरि झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। जो करीब 25 किलोमीटर की दूरी तय करके यात्रा के बरनू तिराहा गोसलपुर पहुंचने पर विधायक संतोष बरकडे के नेतृत्व में अनेक लोगों ने स्वागत किया।

यात्रा मार्ग में भारत माता की जय के नारे गूंजते रहे अनेक दो पहिया और चार पहिया वाहनों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगाकर चल रहे युवाओं का उत्साह देखते ही बन था यात्रा के सिहोरा बस स्टेंड पहुंचने पर मातृशक्ति ने तिरंगा यात्रा में पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया सभी ने सिहोरा थाना प्रांगण स्थित विजय स्तंभ पर भारत माता की प्रतिमा का पूजन अर्चन करने के साथ पूर्व सैनिकों का पुष्पहार पहनाकर सम्मान भी किया गया।इस अवसर पर पूर्व विधायक नंदनी मरावी,नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे,जनपद अध्यक्ष रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, राजा मोर, राजेश दाहिया, संदीप शुक्ला, पुष्पराज सिंह बघेल, राजमणि सिंह बघेल, अंजना सराफ, कुमार नीरज, प्रवीण कुररिया सतीश पटेल, अनंत नौगरहिया, अनुपम सराफ, अंकित तिवारी, शिशिर पांडे, माधव मिश्रा, नीरज पांडे,नीलू बाजपेयी आदि उपस्थित थे। क्षेत्र के भूतपूर्व सैनिकों ने भी अपने हाथों में देश के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को लेकर विजय कुमार मिश्रा अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद इकाई सिहोरा अध्यक्ष के संयोजन में तिरंगा यात्रा निकाली जिसको सिहोरा से गिदुरहा के लिए रवाना किया गया। तिरंगा यात्रा सिहोरा खितौला के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए गिदुरहा में शहीद मुन्नालाल काछी के शहीद स्मारक में संपन्न हुई।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **HEENA MAKHIJA** I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **HEENA BHATIA** D/O DEEPAK KUMAR BHATIA RESIDENT OF- 19, KACHNAR KUNJ, GUPTESHWAR WARD, MADAN MAHAL, JABALPUR (M.P.) 482001

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **MOHAMMAD SAGHEER** I, HAVE CHANGED THE SPELLNIG OF MY MIDDLE NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **MOHAMMAD SAGEER** S/O ABDUL SALAM RESIDENT OF - BANGALA NO. 2, THEATRE ROAD, NEAR MALHOTARA COMPOUND, SADAR BAZAR, CANNT, JABALPUR (M.P.) 482001

किसी शेयर को लंबे वक्त तक होल्ड करना सबसे बड़ी भूल

- इससे आपने जो मुनाफा कमाया है वह सुरक्षित रहेगा
- भविष्य में होने वाले नुकसान से भी बचा जा सकेगा
- पोर्टफालियो संतुलित रहेगा, निवेश को परेशानी नहीं
- और बेहतर मौका मिले तो पैसा लगाने की स्वतंत्रता मिलेगी

किसी शेयर को लंबे वक्त तक होल्ड करना बड़ी भूल साबित हो सकती है, खासकर जब वह आपके लक्ष्यों से भटक गया हो या लंबी होल्डिंग के बाद भी अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल रहा है तो बाहर निकलना बेहतर रणनीति है। इसमें बने रहना उतना ही खतरनाक है, जितना किसी गलत शेयर में पैसा लगाना। एक सोची-समझी एग्जिट रणनीति भावनाओं को काबू रखती है। गलत फैसले लेने से बचते हैं।

लंबी-होल्डिंग के बाद भी मनचाहा रिटर्न नहीं तो बाहर निकलना सही

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेशक हैं और अच्छा खासा पैसा निवेश कर रखा है। इसके बाद भी मनचाह रिटर्न नहीं मिल रहा है तो आपका निवेश से बाहर निकल जाना ही बेहतर है। इससे आपने जो मुनाफा कमाया है वह सुरक्षित रहेगा और आपको भविष्य में मौका मिले तो निवेश करने के लिए आपके पास लिक्विडिटी बनी रहेगी। हालांकि यह निर्णय कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे कि आपके निवेश लक्ष्य, जोखिम सहनशीलता, और बाजार की स्थिति। यदि आपने लंबी अवधि के लिए निवेश किया है और आपको लगता है कि आपका निवेश आपके लक्ष्यों को पूरा नहीं कर रहा है, तो आप कुछ विकल्पों पर विचार कर सकते हैं। आपको अपने निवेश का पुनः मूल्यांकन करना चाहिए और और देखें कि क्या आपको अपने निवेश को समायोजित करने की आवश्यकता है। अपने निवेश को विविध बनाने पर विचार करें ताकि आप अपने जोखिम को कम कर सकें। शेयर बाजार में सही एंट्री जितनी मायने रखती है, उतनी ही सही एग्जिट भी। रिटेल निवेशकों के लिए यह तय करना मुश्किल होता है कि शेयर से कब निकलें। इसका नतीजा यह होता है कि वे कई बार अच्छा मुनाफा नहीं कमा पाते या नुकसान उठा लेते हैं। इसलिए, जब भी किसी स्टॉक में निवेश करें, तो निकलने की रणनीति जरूर बनाएं। यह आपको सही समय पर प्रॉफिट बुक करने, नुकसान को कम करने या किसी अन्य बेहतर अवसर पर ध्यान देने में मदद करेगा।

जरूरत से ज्यादा होल्ड अच्छी रणनीति नहीं

किसी शेयर को लंबे वक्त तक होल्ड करना बड़ी भूल साबित हो सकती है, खासकर जब वह आपके लक्ष्यों से भटक गया हो। या लंबी होल्डिंग के बाद भी अपेक्षित रिटर्न नहीं मिल रहा है तो बाहर निकलना बेहतर रणनीति है। इसमें बने रहना उतना ही खतरनाक है, जितना किसी गलत शेयर में पैसा लगाना। एक सोची-समझी एग्जिट रणनीति भावनाओं को काबू रखती है।

तय लक्ष्य हासिल करने पर

अगर आपने किसी शेयर को खरीदते समय टारगेट तय किया है। वह पूरा हो गया है तो प्रॉफिट बुक करना अच्छा फैसला है। बिना किसी रणनीति के किसी शेयर में लंबे समय तक बने रहना सही नहीं है।

फंडामेंटल्स या वित्तीय सेहत में गड़बड़ी

कंपनी की वित्तीय सेहत पर नजर रखें। कई तिमाहियों में आय या मुनाफे में गिरावट है, कर्ज बढ़ रहा है, मैनेजमेंट में ऐसा बदलाव जो कंपनी के हित में नहीं है, कंपनी कानूनी या नियामकीय कार्रवाई के घेरे में आती है तो ऐसे निवेश से निकलने पर विचार करें।

सेक्टर का खराब प्रदर्शन

कभी-कभी, किसी शेयर के प्रदर्शन पर बाहरी फैक्टर हावी होते हैं। नीतियों में बदलाव, किसी खास सेक्टर का खराब प्रदर्शन और आर्थिक मंदी जैसे कारणों से शेयर पर असर पड़ सकता है। ऐसे में निकलने पर विचार करें।

बिना वजह ओवरवैल्युएशन

यदि कोई स्टॉक किसी वजह के अपने ऐतिहासिक औसत या समान कंपनियों से काफी ऊपर ट्रेड करता है तो भविष्य में करेक्शन आ सकता है। ऐसे में उससे बाहर निकलने या होल्डिंग कम करने पर विचार करना चाहिए।

डर या लालच में फैसला न करें

किसी शेयर में इसीलिए न बने रहें क्योंकि किसी परिचित या अन्य ने उसे होल्ड किया है। किसी शेयर को घाटे में भी इस उम्मीद में होल्ड करना कि कभी तो वह वापस उछलेगा, सही रणनीति नहीं है। किसी लालच या डर के बजाय फंडामेंटल पर ध्यान देना जरूरी है।

पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करें

किसी शेयर से कब बाहर निकलना है, यह जानना आपके लॉन्ग टर्म के निवेश परिणामों में सुधार कर सकता है। अपने पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करें। वास्तविक लक्ष्य तय करें। कंपनी और बाजार के घटनाक्रमों पर नजर रखें। ऐसा करके आप तर्कसंगत तरीके से किसी शेयर से बाहर निकलने का फैसला कर सकते हैं।

यह भी रखें ध्यान

निवेश लक्ष्य

यदि आपके निवेश लक्ष्य बदल गए हैं या आपको लगता है कि आपका वर्तमान निवेश उन लक्ष्यों को पूरा नहीं कर रहा है, तो आपको अपने निवेश को पुनः मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है।

जोखिम सहनशीलता

यदि आप अपने निवेश में अधिक जोखिम नहीं उठा सकते हैं या आपको लगता है कि आपका वर्तमान निवेश आपके जोखिम सहनशीलता से अधिक जोखिम भरा है, तो आपको अपने निवेश को समायोजित करने की आवश्यकता हो सकती है।

सहनशीलता

बाजार की स्थिति भी एक महत्वपूर्ण कारक है। यदि बाजार में बदलाव आया है और आपको लगता है कि आपका निवेश अब उतना आकर्षक नहीं है, तो आपको अपने निवेश को पुनः मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है।

निवेश की गुणवत्ता

यदि आपको लगता है कि आपका निवेश अब उतना मजबूत नहीं है जितना पहले था, तो आपको अपने निवेश को पुनः मूल्यांकन करने की आवश्यकता हो सकती है। तभी आप अपने निवेश का ध्यान रख पाएंगे।

बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच ब्लूचिप फंड में निवेश करना सबसे कम रिस्की

- एक साल में दिया 16% तक रिटर्न और जोखिम भी न के बराबर
- लंबे समय तक एसआईपी के जरिए निवेश करना सबसे बेहतर
- ब्लूचिप फंड्स या लार्ज कैप फंड्स ने बेहतर रिटर्न दिया

बिजनेस डेस्क

अगर आप शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहते, तो ब्लूचिप फंड्स एक बेहतर विकल्प हो सकते हैं। एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में निवेश करके आप सुरक्षित और अच्छा रिटर्न पा सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिला है। इस वजह से कई निवेशकों का पोर्टफोलियो नुकसान में चला गया। हालांकि इसी बीच म्यूचुअल फंड की ब्लूचिप फंड्स या लार्ज कैप फंड्स ने बेहतर रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में लार्ज कैप ने 16% तक का रिटर्न दिया है। लंबे समय तक सिस्टमैटिक इन्वेस्प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करके आप इस फंड में आप अच्छा रिटर्न बना सकते हैं। अंततः, ब्लूचिप फंड एक अच्छा निवेश विकल्प हो सकता है यदि आप लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और कम जोखिम वाले निवेश विकल्प की तलाश में हैं। ब्लूचिप फंड्स को लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स भी कहा जाता है। ये ऐसे फंड होते हैं जो देश की टॉप 100 बड़ी कंपनियों में निवेश करते हैं। उदाहरण के तौर पर- एसबीआई ब्लूचिप फंड, आईसीआईसीआई प्रू ब्लूचिप फंड, एक्सिस ब्लूचिप फंड, कोटक ब्लूचिप फंड आदि। इन फंड्स को नियम के अनुसार अपनी 80% से ज्यादा राशि टॉप 100 कंपनियों में निवेश करनी होती है। बड़ी कंपनियों में निवेश होने के कारण इनमें रिस्क कम होता है और लॉन्ग टर्म में अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना ज्यादा होती है।

क्यों करें ब्लूचिप फंड में निवेश

- कम रिस्कः बड़ी और मजबूत कंपनियों में निवेश होता है, इसलिए बाजार की गिरावट का असर कम होता है।
- अच्छा रिटर्नः लंबे समय तक निवेश करने पर 12% से 16% तक सालाना रिटर्न मिल सकता है।-एसआईपी से निवेश आसानः हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा लगाकर लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।
- लिक्विडिटीः इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं होता, जरूरत पड़ने पर पैसा निकाला जा सकता है।

किसके लिए सही है ये निवेश

- जो लोग कम रिस्क के साथ शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं।
- जो 3 से 5 साल या उससे ज्यादा समय तक निवेश कर सकते हैं।
- नौकरीपेशा लोग, नए निवेशक और रिटायरमेंट प्लानिंग करने वाले लोग इसमें निवेश कर सकते हैं।

निवेश से पहले ध्यान दें

1. फंड का पिछला प्रदर्शन देखें।
2. फंड मैनेजर का अनुभव और रिकॉर्ड देखें।
3. एक्सपेंस रेशियो (फीस) ज्यादा न हो।

ब्लूचिप फंड के फायदे

1. स्थिरता और कम जोखिमः ब्लूचिप फंड आमतौर पर कम जोखिम वाले निवेश विकल्प माने जाते हैं।
2. लंबी अवधि में अच्छा रिटर्नः ब्लूचिप फंड लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।
3. पेशेवर प्रबंधनः ब्लूचिप फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।
4. बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेशः ब्लूचिप फंड बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं जो अपने उद्योग में अग्रणी होती हैं।
5. स्थिरता और कम जोखिमः ब्लूचिप फंड आमतौर पर कम जोखिम वाले निवेश विकल्प माने जाते हैं क्योंकि वे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं।
6. लंबी अवधि के लिए उपयुक्तः ब्लूचिप फंड लंबी अवधि के लिए उपयुक्त होते हैं क्योंकि वे बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं।

उपयुक्त निवेशक

- लंबी अवधि के निवेशकः ब्लूचिप फंड लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त होते हैं।
- कम जोखिम सहनशीलता वाले निवेशकः ब्लूचिप फंड कम जोखिम सहनशीलता वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त होते हैं।
- नियमित आय की तलाश में निवेशकः ब्लूचिप फंड नियमित आय की तलाश में निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकते हैं।

डिस्क्लेमर : यहां मुख्य तौर पर शेयर बाजार की जानकारी दी गई है, निवेश की सलाह नहीं। इक्विटी मार्केट में जोखिम होता है, इसलिए निवेश अपने जोखिम पर करें। निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूर लें।

शेयर बाजार से कमाया है मुनाफा 1.२5 लाख तक के एलटीसीजी पर आईटीआर फाइल करना आसान

अगर आप वेतनभोगी हैं, तो आपको आईटीआर फाइल करने से पहले फॉर्म 16 का इंतजार करना होगा। यह फॉर्म आपके एम्पालयर द्वारा जारी किया जाता है, जिसमें आपकी सैलरी और उस पर काटे गए टैक्स (टीडीएस) की जानकारी होती है।

कर की बात

बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की प्रक्रिया में सरकार ने कुछ बड़े बदलाव किए हैं। खास तौर पर, अगर आपने शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड से 1.25 लाख रुपये तक का लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) कमाया है, तो आपके लिए रिटर्न फाइल करना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। यह बदलाव छोटे निवेशकों और वेतनभोगी लोगों को ध्यान में रखकर किया गया है, ताकि उनकी टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया सरल और कम जटिल हो। यहां हम समझेंगे कि ये नए नियम क्या हैं, ये कैसे काम करेंगे, और आपके लिए क्या फायदा होगा।

एलटीसीजी-आईटीआर : पहले क्या थी दिक्कत

पहले अगर किसी व्यक्ति को शेयर या इक्विटी म्यूचुअल फंड की बिक्री से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन मिलता था, तो उसे आईटीआर-2 या आईटीआर-3 जैसे जटिल फॉर्म भरने पड़ते थे। ये फॉर्म छोटे निवेशकों या वेतनभोगी लोगों के लिए मुश्किल हो सकते थे, क्योंकि इनमें कई तरह की वित्तीय जानकारी देनी होती थी। उदाहरण के लिए, अगर आपने शेयर बेचकर 50,000 रुपये का एलटीसीजी कमाया, तब भी आपको आईटीआर-1 जैसे सरल फॉर्म का इस्तेमाल नहीं करना पड़ता था। इससे टैक्स फाइलिंग में समय और मेहनत दोनों ज्यादा लगती थी। लेकिन अब इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इस समस्या को समझते हुए नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत, अगर आपका एलटीसीजी 1.25 लाख रुपये तक है, तो आप आईटीआर -1 (सहज) या आईटीआर -4 (सुगम) जैसे आसान फॉर्म का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईटीआर-1 और आईटीआर-4 में क्या बदला

- इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म को अपडेट किया है। इन फॉर्म्स को 29 अप्रैल 2025 को नोटिफाई किया गया था। अब इन फॉर्म्स में 1.25 लाख रुपये तक के एलटीसीजी को शामिल करने का विकल्प जोड़ा गया है। इसका मतलब है कि अगर आपने लिस्टेड शेयर या इक्विटी म्यूचुअल फंड बेचकर 1.25 लाख रुपये तक का मुनाफा कमाया है, तो आपको अब आईटीआर -2 जैसे जटिल फॉर्म की जरूरत नहीं होगी।
- आईटीआर-1, जिसे 'सहज' फॉर्म भी कहते हैं, उन लोगों के लिए है जिनकी कुल आय 50 लाख रुपये तक है और आय का स्रोत वेतन, एक मकान की संपत्ति, ब्याज, या 5,000 रुपये तक की कृषि आय है। अब इसमें एलटीसीजी को भी जोड़ा गया है, बशर्ते यह 1.25 लाख रुपये से ज्यादा न हो। इसी तरह, आईटीआर-4, जिसे 'सुगम' फॉर्म कहते हैं, छोटे व्यापारियों और प्रोफेशनल्स के लिए है जो अनुमानित कर व्यवस्था का इस्तेमाल करते हैं। इस फॉर्म में भी अब एलटीसीजी को शामिल करने की सुविधा दी गई है।

छोटे निवेशकों को कैसे मिलेगी राहत?

ये बदलाव छोटे निवेशकों और वेतनभोगी लोगों के लिए बहुत फायदेमंद हैं। मान लीजिए, आप एक वेतनभोगी कर्मचारी हैं और आपने कुछ शेयर या म्यूचुअल फंड में निवेश किया था। अगर आपने इन्हें बेचकर 80,000 रुपये का एलटीसीजी कमाया, तो पहले आपको आईटीआर-2 भरना पड़ता था, जिसमें कई तरह की वित्तीय जानकारी देनी होती थी। लेकिन अब आप आईटीआर-1 का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो बहुत सरल है और कम समय लेता है। यह बदलाव टैक्स फाइलिंग को छोटे निवेशकों के लिए कम बोझिल बनाता है। इससे लोग समय पर और सटीक तरीके से अपना रिटर्न दाखिल कर पाएंगे। खास बात यह है कि अगर आपका एलटीसीजी 1.25 लाख रुपये से कम है और आपके पास कोई कैपिटल लॉस सेट-ऑफ या कैरी फॉरवर्ड करने के लिए नहीं है, तो ये सरल फॉर्म आपके लिए पूरी तरह उपयुक्त हैं।

किन लोगों को मिलेगा इस नियम का फायदा?

■ आपकी कुल सालाना आय 50 लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ■ आपका एलटीसीजी लिस्टेड शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, या बिजनेस ट्रस्ट की बिक्री से हुआ हो और यह 1.25 लाख रुपये तक हो। ■ आपके पास कोई कैपिटल लॉस नहीं हो, जिसे सेट-ऑफ या कैरी फॉरवर्ड करना हो। ■ हालांकि, कुछ लोग अब भी आईटीआर -1 या आईटीआर -4 का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। उदाहरण के लिए, अगर आप किसी कंपनी के डायरेक्टर हैं, अनलिस्टेड शेयरों में निवेश करते हैं, या आपके पास विदेश में संपत्ति है, तो आपको आईटीआर -2 या अन्य फॉर्म भरने होंगे।

टैक्स की दर और छूट : क्या है नियम?

लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर टैक्स की दर 12.5% है, लेकिन 1.25 लाख रुपये तक के एलटीसीजी पर कोई टैक्स नहीं लगता। इसका मतलब है कि अगर आपका एलटीसीजी इस सीमा के अंदर है, तो आपको इस पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। यह छूट इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 112A के तहत दी जाती है। अगर आपका एलटीसीजी 1.25 लाख रुपये से ज्यादा है, तो अतिरिक्त राशि पर 12.5% टैक्स देना होगा।

सैलरीड क्लास के लिए फॉर्म 16 का इंतजार

अगर आप वेतनभोगी हैं, तो आपको आईटीआर फाइल करने से पहले फॉर्म 16 का इंतजार करना होगा। यह फॉर्म आपके एम्पालयर द्वारा जारी किया जाता है, जिसमें आपकी सैलरी और उस पर काटे गए टैक्स (टीडीएस) की जानकारी होती है। इनकम टैक्स नियमों के मुताबिक, एम्पलायर्स को 15 जून 2025 तक फॉर्म 16 जारी करना जरूरी है। इसके बाद ही आप अपना रिटर्न फाइल कर सकते हैं।

बचत

बिजनेस डेस्क

- बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच लोग बचत योजनाओं की ओर कर रहे रुख
- ये सुरक्षित व स्थिर रिटर्न देने में पूरी तरह से सक्षम
- डाक विभाग की छोटी बचत योजनाएं सुरक्षा
- स्थिर रिटर्न व देश के दूरदराज इलाकों तक आसान पहुंच के कारण लोकप्रिय हुई
- योजनाएं डाक विभाग द्वारा संचालित हैं जो संचार मंत्रालय के अधीन
- इनमें सुरक्षा, टैक्स लाभ और अच्छे ब्याज दरों का मिश्रण

पोस्ट ऑफिस की कुछ योजनाएं दे रही हैं तगड़ा रिटर्न, वो भी गारंटी के साथ

लगातार बढ़ती आर्थिक अस्थिरता और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव में बीच भारत के लोग एक बार फिर पुराने और भरोसेमंद निवेश के तरीके की ओर रुख कर रहे हैं। यह पुराना और भरोसेमंद तरीका है पोस्ट ऑफिस में निवेश। भारत सरकार के डाक विभाग की छोटी बचत योजनाएं अपनी सुरक्षा, स्थिर रिटर्न और देश के दूरदराज इलाकों तक आसान पहुंच के कारण फिर से लोकप्रिय हो रही हैं। ये योजनाएं डाक विभाग द्वारा संचालित की जाती हैं, जो संचार मंत्रालय के अधीन है। इनमें सुरक्षा, टैक्स लाभ और अच्छे ब्याज दरों का शानदार मिश्रण है। आइए, जानते हैं पोस्ट ऑफिस की कुछ सबसे लोकप्रिय बचत और निवेश योजनाओं के बारे में।

पोस्ट ऑफिस बचत खाता : आसान और सुरक्षित शुरुआत

पोस्ट ऑफिस का बचत खाता बैंकों की तरह ही एक कम जोखिम वाला और ब्याज देने वाला विकल्प है। इसमें सालाना 4 फीसदी ब्याज मिलता है। खाता खोलने के लिए कम से कम 500 रुपये की जरूरत होती है, और अधिकतम जमा की कोई सीमा नहीं है। यह खाता कोई भी व्यक्ति, दो लोग मिलकर (जॉइंट) या 10 साल से ज्यादा उम्र के नाबालिग भी खोल सकते हैं। इस खाते की ब्याज से होने वाली आय पर 10,000 रुपये तक की छूट टैक्स में मिलती है (सेक्शन 80टीए के तहत)। अगर खाता तीन साल तक इस्तेमाल न हो तो यह निष्क्रिय हो जाता है, लेकिन इसे फिर से चालू किया जा सकता है। एक जरूरी बात—हर व्यक्ति केवल एक ही बचत खाता खोल सकता है।

आरडी : हर महीने बचत बड़ा फायदा

5 साल की रेकरिंग डिपॉजिट (आरडी) योजना मध्यम वर्ग के परिवारों में खूब पसंद की जाती है। यह उन लोगों के लिए है जो हर महीने थोड़ा-थोड़ा बचाकर बड़ा फंड बनाना चाहते हैं। इसमें 6.7 फीसदी सालाना ब्याज मिलता है, जो हर तीन महीने में चक्रवृद्धि (कंपाउंड) होता है। आप हर महीने सिर्फ 100 रुपये से भी शुरुआत कर सकते हैं। अगर आप कोई किस्त चूक जाते हैं, तो मामूली जुर्माना देना पड़ता है। 12 महीने की जमा और एक साल पूरा होने के बाद आप खाते में जमा राशि का 50 फीसदी तक लोन भी ले सकते हैं। अगर आपको समय से पहले खाता बंद करना हो, तो तीन साल बाद यह मुमकिन है, लेकिन ब्याज में कुछ कटौती होगी।

टीडी : गारंटीड रिटर्न का भरोसा

पोस्ट ऑफिस का टाइम डिपॉजिट (टीडी) उन लोगों के लिए है, जो निश्चित रिटर्न चाहते हैं। यह बैंकों के फिक्स्ड डिपॉजिट की तरह ही है। जनवरी-मार्च 2024 की तिमाही में इसके ब्याज दर 6.9 फीसदी से 7.5 फीसदी के बीच हैं, जो 1, 2, 3 या 5 साल की अवधि पर निर्भर करता है। 5 साल का टाइम डिपॉजिट सबसे ज्यादा 7.5 फीसदी ब्याज देता है और इसमें टैक्स छूट भी मिलती है (सेक्शन 80C के तहत)। अगर आपको समय से पहले पैसे निकालने हों, तो छह महीने बाद यह संभव है, लेकिन ब्याज में कुछ कटौती होगी।

एमआईएस : हर महीने निश्चित आय

रिटायरमेंट के बाद नियमित आय या कम जोखिम वाला निवेश चाहने वालों के लिए मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस) बेहतरीन है। इसमें 7.4 फीसदी सालाना ब्याज मिलता है, जो हर महीने आपके खाते में आता है। इसमें अकेले व्यक्ति 9 लाख रुपये तक और जॉइंट खाते में 15 लाख रुपये तक जमा कर सकते हैं। इसकी अवधि 5 साल की है। अगर आप समय से पहले पैसे निकालना चाहें, तो एक साल बाद 2 फीसदी और तीन साल बाद 1 फीसदी की कटौती के साथ ऐसा कर सकते हैं। ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन हर महीने निश्चित आय इसे आकर्षक बनाती है।

एसएसवाईः बेटियों का सुनहरा भविष्य

बेटियों की पढ़ाई और शादी के लिए बचत को प्रोत्साहन देने वाली सुकन्या समृद्धि योजना सबसे ज्यादा 8.2 फीसदी ब्याज देती है। 10 साल से कम उम्र की बेटी के लिए माता-पिता या अभिभावक यह खाता खोल सकते हैं। इसमें हर साल कम से कम 250 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। 15 साल तक जमा कर सकते हैं और खाता 21 साल बाद या बेटी की शादी (18 साल की उम्र के बाद) पर मैच्योर होता है। इस योजना में तीन तरह के टैक्स लाभ हैं—जमा राशि, ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली राशि, तीनों पर टैक्स छूट मिलती है (सेक्शन 80सी के तहत)।

पीपीएफ : लंबे समय के लिए बेहतर

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) लंबे समय के निवेशकों की पहली पसंद है। इसमें 7.1 फीसदी ब्याज मिलता है और यह पूरी तरह सरकार द्वारा समर्थित है। हर साल कम से कम 500 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। इसकी अवधि 15 साल की है, जिसे 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। इस दौरान लोन और आंशिक निकासी की सुविधा भी है। पीपीएफ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली पूरी राशि टैक्स-फ्री है। यह रिटायरमेंट और टैक्स प्लानिंग के लिए शानदार विकल्प है।

सुरक्षा की बढ़ रही है चाहत

जहां म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार जैसे निवेश युवा और जोखिम लेने वालों को आकर्षित करते हैं, वहीं पोस्ट ऑफिस की बचत योजनाएं बुजुर्गों, ग्रामीण क्षेत्रों और रूढ़िगत निवेशकों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच हैं। जैसे-जैसे वित्तीय जागरूकता बढ़ रही है और डाक बैंकिंग की डिजिटल पहुंच सुधर रही है, ये योजनाएं अपनी पुरानी छवि को पीछे छोड़ रही हैं।

हर देश के लिए उसकी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में राष्ट्रहित सर्वोपरि होता है। जब कोई भी देश सैन्य तौर पर संघर्षरत होता है, तभी उसकी विदेश नीति की और उसके दोस्त देशों की वास्तविक कसौटी पर परख होती है। सैन्य युद्ध का विकराल और विकट दौर ही वस्तुतः इस तथ्य को सुनिश्चित कर देता है कि कौन सा देश किसके साथ खड़ा है। पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान आठ मई को उसने बड़ी तादाद में ड्रोन विमानों से भारत पर हमला किया, जो तुर्किये में निर्मित सोनगार ड्रोन थे। उसने भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर के विरुद्ध पाकिस्तान को गोला-बारुद, समुद्री जहाज, ड्रोन और हरक्यूलिस विमान उपलब्ध कराकर रेखांकित कर दिया है कि वह दुनिया का सबसे अहसान फरामोश और कृतघ्न देश है। उसके लिए दोस्ती बेमानी है। तुर्किये वस्तुतः पश्चिम एशिया का अकेला मुल्क रहा जो कि पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़ा हुआ। हालांकि वह भूल गया कि मुसीबत के समय में ऑपरेशन दोस्त के तहत भारत द्वारा विमानों के जरिए तुर्किये को राहत सामग्री बड़े पैमाने पर भेजी गई थी। तब तुर्किये के तत्कालीन राजदूत फिरात सुनेल ने फरमाया था कि 'ऑपरेशन दोस्त' भारत और तुर्किये के मध्य गहन और संजीदा दोस्ती का इजहार करता है और सच्चे दोस्त हमेशा एक दूसरे की इमदाद किया करते हैं। आजकल के ताजा अंक में पेश है विश्लेषण...

कूटनीति में राष्ट्रहित सर्वोपरि

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

ऐसा पहली दफा घटित नहीं हुआ है कि जब तुर्किये हुकूमत भारत बनाम पाकिस्तान के मध्य किसी मसले पर पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़ी हुई है। संयुक्त राष्ट्र सरीखे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनेक दफा पाकिस्तान को तुर्किये की हुकूमत स्पष्ट समर्थन प्रदान कर चुकी है। विगत बीस वर्षों से भारत से दोस्ती का दम भरता हुआ और पाक परस्त मुजाहिदों के हाथों भयंकर जिहादी जख्म खाया हुआ अमेरिका, सैन्य संघर्ष के दौर में भारत और पाक को एक पलड़े में तोलता नजर आया। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन द्वारा तुर्किये को पाकिस्तान का सगा भाई करार दिया गया। भारत ने राहत और बचाव कार्य के लिए तुर्किये और सिरिया में 'ऑपरेशन दोस्त' चलाया था।

एक देखा परखा सिद्धांत है कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में राष्ट्रहित सर्वोपरि होता है। जब कोई भी देश सैन्य तौर पर संघर्षरत होता है, तभी उसकी विदेश नीति की और उसके दोस्त देशों की वास्तविक कसौटी पर देख परख हो जाती है। सारे विश्व में भारत का डंका बज रहा है। इस महान उक्ति में निहित है, आत्ममुग्धता जोकि तल्ख वास्तविकता से कहीं दूर एक गलतफहमी है। सैन्य युद्ध के विकराल और विकट दौर ही वस्तुतः इस तथ्य को सुनिश्चित कर देता है कि कौन सा देश किसके साथ खड़ा है। भारत और पाकिस्तान के मध्य जब सैन्य संघर्ष जारी था, उस वक्त तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन 'पाकिस्तान तुर्किये दोस्ती जिंदाबाद' का नारा बुलंद कर रहे थे। तुर्किये की हुकूमत खुलकर पाकिस्तान की हिमायत कर रही थी और पाकिस्तान को आधुनिकतम हथियार उपलब्ध करा रही थी। ऐसा पहली दफा घटित नहीं हुआ है कि जब तुर्किये हुकूमत भारत बनाम पाकिस्तान के मध्य किसी मसले पर पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़ी हुई है। संयुक्त राष्ट्र सरीखे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनेक दफा पाकिस्तान को तुर्किये की हुकूमत स्पष्ट समर्थन प्रदान कर चुकी है। विगत बीस वर्षों से भारत से दोस्ती का दम भरता हुआ और पाक परस्त मुजाहिदों के हाथों भयंकर जिहादी जख्म खाया हुआ अमेरिका, सैन्य संघर्ष के दौर में भारत और पाक को एक पलड़े में तोलता नजर आया।

तुर्किये पाकिस्तान का सगा भाई

तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन द्वारा तुर्किये को पाकिस्तान का सगा भाई करार दिया गया। पहलगाम के बर्बर और नृशंस हमले को लेकर तुर्किये के राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के प्रस्ताव को भी अपनी हिमायत प्रदान की थी, जिस प्रस्ताव के तहत पेशकश की गई थी कि पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच करा ली जाए। पहलगाम हमले के कुछ वक्त बाद ही ड्रोन हथियारों से भरा हुआ है एक टर्किश एयर फोर्स का सी-130 फाइटर जेट पाकिस्तान में लैंड हुआ था। सैन्य संघर्ष शुरू होने से पहले हथियारों से लबरेज तुर्किये का एक युद्ध पोत भी कराची बंदरगाह पर पहुंचा। सैन्य संघर्ष के दौरान भारत ने दावा पेश किया कि आठ मई को पाकिस्तान ने बड़ी तादाद में ड्रोन विमानों से भारत पर हमला किया, जो तुर्किये में निर्मित सोनगार ड्रोन थे, हालांकि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने ड्रोन आक्रमणों के ज्वलंत तथ्यों से स्पष्ट इंकार किया। सोनगार ड्रोन अर्थात मानव रहित हवाई वाहन हैं, जिन्हें तुर्किये की डिफेंस फर्म और आसिस गार्ड ने डिजाइन किया और विकसित किया है। तुर्किये वस्तुतः पश्चिम एशिया का अकेला मुल्क रहा जो कि पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़ा हुआ। गल्फ के दूसरे अरब मुल्कों ने पाकिस्तान के प्रति अपनी हिमायत व्यक्त करने से सख्त परहेज किया किया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 के फरवरी महीने में जब तुर्किये और सीरिया में विनाशकारी भूकंप प्रकट हुआ था और उस वक्त हजारों लोगों की मौतें हुई और लाखों लोग बेघर हो गए।

भारत ने की थी तुर्किये की मदद

हुकूमत ए हिंदुस्तान ने राहत और बचाव कार्य के लिए तुर्किये और सिरिया में 'ऑपरेशन दोस्त' का आगाज किया था। ऑपरेशन दोस्त के तहत भारत द्वारा विमानों के जरिए तुर्किये को राहत सामग्री बड़े पैमाने पर भेजी गई। तब तुर्किये के तत्कालीन राजदूत फिरात सुनेल ने फरमाया था कि 'ऑपरेशन दोस्त' भारत और तुर्किये के मध्य गहन और संजीदा दोस्ती का इजहार करता है और सच्चे दोस्त हमेशा एक दूसरे की इमदाद किया करते हैं। भारत द्वारा तुर्किये को उपलब्ध कराया गया इमदादी सामान वस्तुतः मानवीय मदद थी और इससे उम्मीद की जा रही थी कि ऑपरेशन दोस्त से दोनों देशों के परस्पर संबंध बेहतर हो जाएंगे। कूटनीतिक विडंबना देखिए कि तुर्किये द्वारा भारत को दोस्त करार दिया जाता है और पाकिस्तान को सगा भाई। परंपरागत तौर पर सऊदी अरब और यूएई पाकिस्तान के अत्यंत करीबी मुल्क रहे हैं, किंतु आजकल भारत के ताल्लुक़ात सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के साथ बहुत मजबूत बन गए हैं। एक यक्ष प्रश्न है कि आखिरकार तुर्किये के साथ भारत के ताल्लुक़ात दोस्ताना क्यों नहीं बन पाए? तुर्किये और भारत के मध्य कूटनीतिक संबंधों की शुरुआत सन् 1948 में हो गई थी, लेकिन अनेक दशक व्यतीत हो जाने के पश्चात भी दोनों मुल्क करीबी दोस्त नहीं बन पाए। तुर्किये और भारत के मध्य कूटनीतिक के तनाव कायम बने रहने के मुख्य तौर पर दो स्पष्ट कारण रहे हैं।

तनाव के पीछे मुख्य दो कारण

पहला कारण कश्मीर के जटिल विवाद पर तुर्किये का पाकिस्तान की तरफ सदैव से ही झुकाव बने रहना और दूसरा कारण रहा कि शीत युद्ध के दौर में तुर्किये का अमेरिकन सैन्य गुट नाटो में शामिल हो जाना। जबकि शीत युद्ध के दौर में भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन का नेतृत्व कर रहा था। शीत युद्ध में अमेरिका और सोवियत संघ के मध्य सन् 1947 से लेकर सन् 1991 तक एक दीर्घकालीन राजनीतिक और सैन्य दुश्मनी कायम बनी रही थी। जब शीत युद्ध का दौर समापन की ओर था तो उस दौर ए वक्त में तुर्किये के उदार राष्ट्रपति करार दिए जाने वाले तुरगुत ओजाल ने भारत के साथ कूटनीतिक ताल्लुक़ात को निकट बनाने की कोशिश भी अंजाम दी थी। सन् 1986 में तुरगुत ओजाल ने भारत का राजकीय दौरा किया। 1988 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी तुर्किये का शासकीय दौरा किया। राजीव गांधी के दौरे के पश्चात दोनों मुल्कों के कूटनीतिक रिश्तों में अनेक पहलुओं पर सुधार आया। सन् 2014 में नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए और सन् 2014 में आर्दोआन तुर्किये के प्रधानमंत्री पद से तुर्किये के राष्ट्रपति पद पर विराजमान हुए। सन् 2017 में राष्ट्रपति आर्दोआन भारत में राजकीय दौरे पर पधारे, किंतु प्रायः विदेशी दौरा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तुर्किये के आधिकारिक दौरे पर कभी नहीं जा सके। सन् 2019 में नरेंद्र मोदी को तुर्किये के शासकीय दौरे पर जाना निश्चित था, किंतु संयुक्त राष्ट्र महासभा में राष्ट्रपति आर्दोआन द्वारा कश्मीर पर दिए गए बयान के बाद, जिसमें उन्होंने कश्मीर में धारा 370 को निरस्त किए जाने का बाकायदा विरोध किया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तुर्किये दौरा अनिश्चित कॉल के लिए स्थगित कर दिया गया। हुकूमत ए तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का अंध समर्थन किए जाने के कारणवश भारत और तुर्किये के मध्य तल्ख हो चुके कूटनीतिक ताल्लुक़ात में फिलहाल सुधार आने की कोई उम्मीद दिखाई नहीं देती। भारत द्वारा कश्मीर के जटिल विवाद पर किसी अन्य राष्ट्र की मध्यस्थता को कदाचित स्वीकार नहीं किया गया है लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उनके द्वारा पाकिस्तान और भारत के मध्य युद्ध विराम कराया गया है।

युद्ध विराम मुद्दे पर ट्रंप की भूमिका संदिग्ध

पाकिस्तान ने भी युद्ध विराम कराने में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की भूमिका को बाकायदा स्वीकार किया है। हालांकि भारत सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया में युद्ध विराम को द्विपक्षीय करार दिया है और युद्ध विराम में अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप के नाम का उल्लेख तक नहीं किया है। अपनी सऊदी अरब की यात्रा के दौरान प्रेसिडेंट ट्रंप ने तकरीर में फरमाया कि भारत और पाकिस्तान के मध्य युद्ध विराम अंजाम दिलाने के लिए मैंने काफी हद तक व्यापार (ट्रेड) का बखूबी इस्तेमाल किया। प्रेसिडेंट ने दावा पेश किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान पर यह कहते हुए सीज फायर अंजाम देने के लिए जबरदस्त दबाव डाला था कि अगर दोनों मुल्कों द्वारा सीज फायर नहीं अंजाम दिया गया तो वह दोनों के साथ अमेरिका के ट्रेड को खत्म कर देंगे। भारतीय विदेश विभाग के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने फरमाया कि 7 मई से 10 मई के मध्य भारत और अमेरिका के शीर्ष लीडर्स के मध्य बातचीत हुई थी, लेकिन ट्रेड को लेकर कोई भी बातचीत नहीं की गई थी। अब सीज फायर के यक्ष प्रश्न पर किसके दावे को सत्य करार दिया जाए? विश्व भर में निरंतर जारी सैन्य संघर्षों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख का ठीक-ठाक अंदाजा लगाना बेहद मुश्किल रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर भारत-पाकिस्तान के मध्य सैन्य संघर्ष तक राष्ट्रपति ट्रंप वक्त बेवक्त अपने बयान परिवर्तित करते रहते हैं। इतना ही नहीं, वह डेनमार्क से ग्रीनलैंड खरीदने का दावा पेश करते हैं। पनामा नहर पर जबरन आधिपत्य स्थापित करने की बात करते हैं। कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का दावा पेश करते हैं। साथ ही गाजा पट्टी पर भी आधिपत्य स्थापित करने का दावा करते हैं। इस तरह अनेक विवादित बयान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप निरंतर दुनिया की सरगर्म फिजाओं में फेंकते रहते हैं। भारत और पाकिस्तान के मध्य जारी सैन्य संघर्ष में युद्ध विराम कराने का राष्ट्रपति ट्रंप का दावा कितना सत्य है और कितना असत्य है?

इस तथ्य की सच्चाई को तो वक्त ही बताएगा? ऑपरेशन सिंदूर के ठीक एक दिन बाद अर्थात 8 मई को अमेरिका के वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस ने फॉक्स न्यूज को एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने फरमाया कि भारत और पाकिस्तान के मध्य जारी सैन्य तनाव के प्रश्न पर अमेरिका दूरी बनाए रखेगा और सिर्फ कूटनीतिक रास्ते ही अख्तियार करेगा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सोशल मीडिया पर अपनी एक पोस्ट में लिखा कि भारत और पाकिस्तान आखिरकार युद्ध विराम करने पर और व्यापक मुद्दों पर बातचीत के लिए राजी हो गए हैं। अमेरिकन वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस और मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पाकिस्तान फौज के कमांडर इन चीफ असीम मुनीर और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ बातचीत की है। आखिरकार दोनों मुल्क तत्काल युद्ध विराम करने और व्यापक मुद्दों पर बातचीत के लिए राजी हो गए हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी सोशल पोस्ट में कहीं भी अमेरिका के नाम का उल्लेख तक नहीं किया है कि अमेरिका द्वारा युद्ध विराम अंजाम देने के लिए दोनों देशों के मध्य मध्यस्थता की गई है। एक बात स्पष्ट तौर पर कही जा सकती है कि भारत को पाक अधिकृत कश्मीर को मुक्त करने का इतना शानदार अवसर पहले कभी उपलब्ध नहीं हुआ। तुर्किये को छोड़कर कोई भी अन्य देश पाकिस्तान के साथ खड़ा नहीं हुआ। यहां तक कि चीन भी पाकिस्तान के पक्ष में खुलकर खड़ा नहीं हुआ। क्योंकि चीन अमेरिका के विरुद्ध निरंतर जारी ट्रेड वॉर में भारत को कदाचित नहीं खोना चाहता। दुर्भाग्यवश भारत के निकट दोस्त समझे जाने वाले अमेरिका ने पाकिस्तान को और हिंदुस्तान को एक ही तराजू में तोला। दुनिया के तमाम देश तुर्किये को छोड़कर पाकिस्तान द्वारा प्रेरित और परिपोषित जिहादी आतंकवाद से अत्यंत त्रस्त हो चुके हैं।

तुर्किये को साइप्रस के मसले पर घेरे भारत

कूटनीति
अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ स्तंभकार

संस्कृत की एक प्रसिद्ध कहावत है 'शठे शाठयम समाचरेत'। यानि दुष्ट के साथ दुष्टता का ही व्यवहार होना चाहिए। यूरेशिया में स्थित तुर्किये ऐसा ही एक दगाबाज देश है जिसके साथ इसी तरह का व्यवहार होना चाहिए। इसलिए कि उसने भारत के विरुद्ध आतंकियों के प्रश्रयदाता देश पाकिस्तान के साथ कंधा जोड़ने की हिमाकत की है। उसने भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर के विरुद्ध पाकिस्तान को गोला-बारुद, समुद्री जहाज, ड्रोन और हरक्यूलिस विमान उपलब्ध कराकर रेखांकित कर दिया है कि वह दुनिया का सबसे अहसान फरामोश और कृतघ्न देश है। उसके लिए दोस्ती बेमानी है। यह अलग बात है कि पाकिस्तान को दिए उसके सभी हथियार फुस्स साबित हुए हैं। भारत ने उसके सभी ड्रोन एवं उसके सैन्य ऑपरेटिव्स मार गिराए। इससे दुनिया भर में उसकी भद्द पीट रही है।

भारत ने तुर्किये को दी थी मदद

तुर्किये कितना अहसान फरामोश है इसी से समझा जा सकता है कि वर्ष 2023 में वहां आए भीषण भूकंप में भारत ने 'ऑपरेशन दोस्त' के जरिए उसे राहत सामग्री भेजकर भरपूर मदद की थी। लेकिन उसने इस अहसान को दरिया में डालकर जेहादियों से गलबहियां कर बैठा। उसके इस कृत्य से भारत में आक्रोश और गुस्सा होना लाजिमी है। भारत के नागरिकों द्वारा उसके वस्तुओं के आयात को बंद किए जाने और उसके सामानों के बहिष्कार की मांग तेज हो गई है। भारतीय व्यापारी टर्किश सेब के बहिष्कार का ऐलान कर रहे हैं। पर्यटन पर निर्भर तुर्किये के लिए ट्रैवल एजेंसियों ने भी ट्रैवल पैकेज रद करने का ऐलान कर दिया हैं। मेक माई ट्रिप के मुताबिक तुर्किये की बुकिंग में तकरीबन 60 फीसदी की गिरावट आई है। जामिया और जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय समेत कई अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों ने तुर्किये के विश्वविद्यालयों से अपना समझौता रद कर दिया है। मतलब साफ है कि अब तुर्किये को पाकिस्तान से कंधा जोड़ने की कीमत चुकानी ही होगी। उचित होगा कि भारत तुर्किये को सबक सिखाने के लिए उसकी दुखती रग साइप्रस का मसला उठाकर उसकी अंतरराष्ट्रीय घेराबंदी तेज करे। गौरतलब है कि तुर्किये ने साइप्रस के 36 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से पर कब्जा जमा रखा है। साइप्रस के भौगोलिक परिदृश्य पर नजर डालें तो यहां मुख्य रूप से ग्रीस और तुर्किये समुदाय के लोग रहते हैं। इनके बीच दशकों पहले से नस्लीय विवाद चला आ रहा है। इतिहास में जाएं तो साइप्रस कभी अंग्रेजों की कॉलोनी हुआ करता था। 1878 से चले आ रहे ब्रिटिश उपनिवेश का अंत 1960 में हुआ और साइप्रस को एक नए देश के रूप में पहचान मिली।

तुर्किये का साइप्रस पर कब्जा

चूंकि साइप्रस एक नया देश था लिहाजा वहां सत्ता-संघर्ष की स्थिति तेज हो गयी। 15 जुलाई, 1974 को तुर्किये की सेना ने साइप्रियट नेशनल गार्ड की अगुवाई में साइप्रस के अंदरुनी हालातों का फायदा उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून को ठेंगा दिखाकर उत्तरी हिस्से पर आक्रमण कर उसके महत्वपूर्ण शहर वरोशा पर कब्जा कर लिया। उस समय साइप्रस में सैन्य विद्रोह चल रहा था। इस

विद्रोह को ग्रीस का समर्थन प्राप्त था। तुर्किये कतई नहीं चाहता था कि साइप्रस में ग्रीस का हस्तक्षेप हो। वैसे भी ग्रीस और तुर्किये के बीच पहले से ही समुद्री क्षेत्र को लेकर तनाव चल रहा था। साइप्रस को हथियाने के खेल में तुर्किये भारी पड़ा और उसने उत्तरी हिस्से पर कब्जा कर उसे टर्किश रिपब्लिक ऑफ नॉदर्न साइप्रस नाम दे दिया। तब सुरक्षा परिषद के सभी देशों ने तुर्किये के इस कदम की निंदा की। 2 अगस्त, 1975 को तुर्किये और साइप्रस के बीच वियना में समझौता हुआ। तय हुआ कि तुर्किये अपने बलात् किए गए कब्जे वाले इलाके में लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अपने मजहब को मानने की आजादी समेत सामान्य जीवन जीने में मददगार हर बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराएगा। लेकिन तुर्किये ने इस समझौते को ठेंगे पर रख अपना अत्याचार जारी रखा। तुर्किये के आक्रमण के कारण 162000 ग्रीक-साइप्रियोट अपने ही देश में शरणार्थी बनकर रह गए। जो लोग अपना घर छोड़ने के लिए तैयार नहीं हुए उन पर तुर्किये ने इस कदर कहर बरपाया कि वे अपनी संपत्ति छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। आज इस इलाके में ग्रीक-साइप्रियोट की आबादी महज तीन सैकड़ा ही बची है। जिन लोगों ने तुर्किये के कब्जे का विरोध किया, उन्हें जेलों में ठूंस दिया गया। तुर्किये ने इस इलाके में अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए हजारों तुर्क परिवारों को बसा रखा है। इस कारण दक्षिण और उत्तर साइप्रस के बीच यदा-कदा तनाव की स्थिति उत्पन होती रहती है। तुर्किये के कब्जे के बाद से ही यह द्वीप दो हिस्सों में बंट गया है। तुर्क साइप्रसवासियों ने अपने इलाके को टर्किश रिपब्लिक ऑफ नॉदर्न साइप्रस नाम दिया है। तुर्किये द्वारा जबरन कब्जाया गया साइप्रस का यह उत्तरी इलाका लोगों की जीविका और आमदनी का बड़ा स्रोत हुआ करता था। यह इलाका वर्ष भर पर्यटकों से भरा गुलजार रहता था। आर्थिक रूप से समृद्ध यह इलाका बहुमंजिली इमारतों के लिए भी जाना जाता था। लेकिन तुर्किये के अत्याचार ने इसे वीरान बना दिया है। किसी तरह का विरोध न हो, इसके लिए यहां उसने 40 हजार से अधिक सैनिकों का जमावड़ा कर रखा है। अब वक्त आ गया है कि भारत इस मसले को हवा देकर वैश्विक स्तर पर तुर्किये की फजीहत बढ़ाए। याद होगा वर्ष 2022 में भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में साइप्रस का मुद्दा उठाकर तुर्किये की चौधराहट की हवा निकाल दी थी। तब भारतीय विदेशमंत्री ने तुर्किये के विदेशमंत्री मेवलुत कावुसोग्लू से मुलाकात कर साइप्रस की स्वतंत्रता, संप्रभुता और स्वायत्तता की बात उठाई थी। उन्होंने ट्वीट कर यह भी कहा था कि वह संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के हिसाब से साइप्रस मुद्दे का शांतिपूर्ण हल निकाले। गौर करें तो तुर्किये ने न सिर्फ पाकिस्तान के साथ कंधा जोड़ा है बल्कि वह बार-बार कश्मीर का मुद्दा उठाकर भारत को असहज करने की चेष्टा करता है। वह अन्य मसलों पर भी भारत के खिलाफ जाकर पाकिस्तान का साथ देता है।

ग्रीस व आर्मिनिया होंगे सहायक

गत वर्ष उसने पाकिस्तान की शह पर भारत के 56,877 मिलियन टन अनाज से लदे जहाज को वापस भेज दिया था। उसने ऐसा कर वैश्विक बाजार में भारतीय अनाज निर्यात की साख खराब करने की कोशिश की थी। यही नहीं, वह इंटरनेट मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के जरिए भी भारत विरोधी केंद्र के रूप में इस्तेमाल हो रहा है। तुर्किये के आक्रामक व्यवहार को देखते हुए समय आ गया है कि भारत भी उसके विरुद्ध खुलकर पत्ते खेले।

भारत को न सिर्फ साइप्रस के मसले को उठाना चाहिए बल्कि ग्रीस और आर्मिनिया के साथ कंधा जोड़कर तुर्किये की तेज घेराबंदी करनी चाहिए। इसलिए कि ग्रीस और आर्मिनिया दोनों ही तुर्किये के शत्रु हैं और नीति भी कहती है कि 'शत्रु का शत्रु मित्र' होता है।

देश में तैयार हो रही है रोबोट सेना

प्रौद्योगिकी
प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार

मनुष्य की सोच असीम संभावनाओं से जुड़ी है। कल्पना से शुरू होने वाले विचार सच्चाई के धरातल पर आकार लेते हैं, तो आंखें हैरान रह जाती हैं। भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमोनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में न केवल मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे, बल्कि स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट के निर्माण का उद्देश्य दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के लिए तैयार किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को रक्त बहाने की जरूरत न पड़े। डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमोनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया है। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद तेजी

पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों के विरुद्ध चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है। इजरायल पहले ही एक ऐसी 'रोक रोबोट' सेना तैयार कर चुका है, जो केवल युद्ध लड़ेगी, बल्कि सीमा पर इंसानी सैनिकों की जगह भी ले लेगी। इजरायल की विख्यात रक्षा कंपनी इल्बिट रोबो टीम ने इस सेना को तैयार किया है। रोबो टीम के सीईओ इलाजलेवी के मुताबिक आकाश में ड्रोन और हवाई रोबोट के जरिए होने वाले सभी काम अब धरती पर भी हो सकेंगे। मानव रहित रोक रोबोट के अंदर स्वयं ही खतरों को भांपकर फैसला लेने की क्षमता विकसित कर दी गई है। कृत्रिम बौद्धिक क्षमता से परिपूर्ण ये रोबोट जंग के मैदान में खराब होने पर इसके पुर्जे साथ चलने वाले रोबोट सैनिक बदल देंगे। इसकी इस विशेषता से रोबोट सैनिक एकाएक निष्क्रिय नहीं होंगे। 200 किलोग्राम वजन वाले इस रोक रोबोट की दौड़ने की क्षमता 30 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यह 1200 किलोमीटर मारक क्षमता वाले हथियार लेकर चलने में सक्षम हैं। इसकी कीमत डेढ़ लाख डॉलर से लेकर तीन लाख डॉलर तक है। मसलन भविष्य के युद्ध रोबोट थल सेना लड़ेगी।

एआई बनी चर्चा का विषय

कृत्रिम बौद्धिकता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पिछले एक दशक से अपनी हैरतअंगेज उपलब्धियों व भविष्य की संभावनाओं के चलते दुनिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। एलन मस्क, बिल गेट्स और स्टीफन हॉकिंग ने इसकी अतिरिक्त बुद्धि एवं शक्ति से आशंकित होकर कई बार चेताया भी है। बावजूद अनेक ऐसे पूंजी-निवेशक और वैज्ञानिक हैं, जो एआई को एक बेहतर भविष्य के सपने के रूप में देखते रहे हैं। क्योंकि आज रोबोट कारखानों में मजदूरी के काम से लेकर शिक्षक, टीवी एंकर, नर्स और अब

सैनिक की भूमिका में अवतरित होने जा रहा है। मानव और मशीन के बीच पैदा होने वाले ये द्वंद्व हकीकत में किस सच्चाई के रूप में सामने आएंगे, यह तो फिलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन जब-जब कोई नया आविष्कार हुआ है तो वह शंका का कारण तो बना ही है। भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में कृत्रिम बुद्धि (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी) से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ा दी जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी तक खड़ी की जाने की तैयारी है। हवाईयानों को भी रोबोटिक हथियारों से सक्षम बनाया जाएगा। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है। इसमें भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) भी सहयोग कर रहा है। दरअसल भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ही ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही हैं। साफ है, इनसे निपटना आसान नहीं है। क्योंकि ये सामने तो दिखाई नहीं देते हैं, मगर इनका धोखे से किया गया हमला बड़ा खतरनाक होता है। ऐसे ही हमलों के चलते हम कश्मीर घाटी और पाक सीमा पर 42000 से भी ज्यादा नागरिक और सैनिक गवां चुके हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए इन आतंकियों ने 26 पर्यटकों के प्राण ले लिए थे। इसी की प्रतिक्रिया में ऑपरेशन सिंदूर जारी है। साफ है, इन धोखेबाज ताकतों से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से जुड़े उपकरणों से ही निपटना बेहतर है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य व अदृश्य शक्ति के रूप में उतरकर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट घाटी एवं नियंत्रण रेखा पर जो आतंक प्रभावित क्षेत्र हैं, उनमें सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा के लौह कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। यही नहीं दुश्मन की घुसपैठ को नाकाम बनाने और पाकिस्तानी सेना के हमलों से मुकाबले में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी। कृत्रिम बुद्धि (एआई) वाले ये रोबोट सेना के रूप में सीमा पर शक्ति का पर्याय बनके दुश्मन पर कहर बनकर टूटेंगे।इसी मंषा के अनुरूप रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्वेलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है।

मानव सैनिकों के लिए थर्मल जैकेट

भारतीय युद्ध और रक्षा प्रणालियों में आमूल-चूल परिवर्तन किया जा रहा है। सेना को रोबोटिक तकनीक से जोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी संस्थान के विज्ञानियों ने सेना के लिए आधुनिकतम रक्षा उपकरण विकसित करके नए कीर्तिमान बनाए हैं। इन्होंने सैनिकों के भरोसेमंद साथी के रूप में इंटेलीजेंट रोबोट निर्मित किया है। दूसरा नवाचार थर्मल जैकेट का किया है, यह जानलेवा गर्मी से सैनिकों की सुरक्षा करेगी।

श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ाएं किसान, सरकार खरीदेगी

तुअर उत्पादक किसानों को अच्छे बीज, खाद और उत्पादन वृद्धि के लिए शासन देगा प्रोत्साहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में रागी, कोदो-कुटकी, ज्वार-बाजरा, मक्का जैसे श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ाया जाए और किसानों को श्रीअन्न उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। किसानों की ओर से उत्पादित श्रीअन्न अब सरकार खरीदेगी। उन्होंने कहा कि तुअर उत्पादक किसानों को अच्छे किस्म के खाद, बीज और उत्पादन वृद्धि के लिए प्रोत्साहन भी दिया जाए। इसके लिए किसानों को फसल अनुदान देने और उनकी फसल का बीमा कराने जैसे नवाचार भी किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव सहकारिता अशोक बर्णवाल, सचिव कृषि एम. सेल्वेन्द्रम सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

खास बातें

- सभी मंडियों का विभागीय अधिकारियों से विजिट कराएं, प्रबंधन पर दें विशेष ध्यान
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की किसान-कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की समीक्षा

फल व सब्जी मंडी, मसाला मंडी बनाने के लिए भी करें प्रयासः मुख्यमंत्री

मंडियों का फसलवार मॉडल तैयार किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी मंडियों का विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों से आकस्मिक निरीक्षण कराएं। मंडियों की व्यवस्थाओं को और भी बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई जरूरतों के मुताबिक अब अलग-अलग मंडियों की स्थापना पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मंडियों का फसलवार मॉडल तैयार करें। कृषि उपज मंडी के अलावा अब फल व सब्जी मंडी, मसाला मंडी या अन्य विशेष पैदावार की मंडी स्थापना के लिए भी प्रयास किए जाएं। इसके लिए रोडमैप तैयार किया जाए और यदि आवश्यकता है तो इसमें प्रायवेट सेक्टर को भी सम्मिलित किया जाए।

आदर्श बनें मध्य प्रदेश की कृषि उपज मंडियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की कृषि उपज मंडियों को आदर्श बनाया जाए। मंडियों में कृषि आधारित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। मंडियों में किसानों को फसल बेचने में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मंडी में अपनी फसल बेचने आने वाले हर किसान को उसकी उपज का सही दाम मिले, किसी का भी नुकसान न होने पाए। मंडियों को और अधिक आधुनिक बनाया जाए यहां किसानों को उनके उपज में गुणवत्ता संवर्धन के बारे में भी बताया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियां अपने विकास कार्यों के लिए आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्थानीय निकायों से नई मंडियों की स्थापना, फसल भण्डारण क्षमता बढ़ाने के लिए समन्वय करें, जिससे किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए अधिक सुविधाएं मिल सकें।

ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवारनाशकों के उपयोग को करें हतोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवारनाशकों के उपयोग से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए खरपतवारनाशकों को हतोत्साहित करने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा मिले।

26,27 एवं 28 मई को नरसिंहपुर में कृषि आधारित उद्योगों का किया जाएगा सम्मेलन

सचिव कृषि ने जानकारी दी कि आगामी 26, 27 एवं 28 मई को जिला मुख्यालय नरसिंहपुर में कृषि आधारित उद्योगों का सम्मेलन सह विशाल कृषि मेला लगेगा। आयोजन में कृषि आधारित उद्योगों के बारे में जानकारी के अलावा दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, शाक-सब्जी उत्पादन, श्रीअन्न उत्पादन, उद्यानिकी, बागवानी, उन्नति किस्म के बीज, खाद, उर्वरक की जानकारी सहित उन्नत कृषि उपकरणों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नरसिंहपुर के बाद 8 से 10 जून तक सतना में विशाल कृषि मेले सह कृषक सम्मेलन का आयोजन प्रस्तावित है।

तीन फसलों को जल्द ही मिलेगा जीआई टैग

राज्य शासन की प्रगतिशीलता से प्रदेश में उत्पादित होने वाली 3 फसलों को बहुत जल्द जीआई-टैग मिल जाएगा। सचिव कृषि ने बताया कि डिंडोरी जिले की नागदमन कुटकी, सिताही कुटकी और बैंगनी अरहर की फसल को जीआई टैग परीक्षण के लिए भेजा गया है, उम्मीद है कि जल्द ही इन फसलों को जीआई टैग प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि ई-अनुज्ञा प्रणाली लागू करने के बाद प्रदेश में बीते एक अप्रैल 2025 से प्रदेश की सभी 259 मंडियों में ई-मंडी योजना भी लागू कर दी गई है। सभी मंडियों में अब डिजिटल तरीके से रिकार्ड कीपिंग की जा रही है।

खबर संक्षेप

डेंगू दिवस पर बताए लक्षण, बचाव के तरीके

भोपाल। राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू और अन्य मच्छर जनित बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। रैलियां निकाल कर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए। कार्यशालाओं में डेंगू के लक्षण और बचाव के तरीके बताए गए। डेंगू दिवस 'देखें, साफ करें, ढकें: डेंगू को हराने के उपाय करें' की थीम पर मनाया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने डेंगू जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

स्वैच्छिक स्थानांतरण आवेदन की तिथि बढ़ी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानांतरण नीति के क्रियान्वयन की समय-सारणी जारी की है। विभाग ने समय-सारणी तालिका में आंशिक संशोधन किया है। स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की नियत सीमा 16 मई से बढ़ाकर अब 21 मई की गई है। ऑनलाइन स्थानांतरण आदेश जारी करने की तिथि 20 मई से बढ़ाकर 25 मई नियत की गई है।

प्रदेशवासी लें जल जमाव रोकने का संकल्प

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' पर कहा कि स्वस्थ मप्र के संकल्प को साकार करने के लिए स्वच्छता, जागरूकता और समय पर उपचार ही हमारा सबसे कारगर हथियार है। मुख्यमंत्री प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे डेंगू का मुकाबला करने के लिए स्वच्छता को अपनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिक यह प्रण लें कि अपने आस-पास कहीं पर भी जल जमाव नहीं होने देंगे। मच्छरों से बचाव और डेंगू के लक्षण व इलाज के प्रति समाज को जागरूक करेंगे।

पन्ना टाइगर रिजर्व में तेंदुआ शावक की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व में परिक्षेत्र पन्ना बफर की झिन्ना बीट के कक्ष क्रमांक पी 282-283 की सीमा पर मादा तेंदुआ शावक का शव मिला है। मादा तेंदुआ शावक की आयु लगभग 4 माह बताई जा रही है। चिकित्सकों द्वारा ऐसी आशंका जताई गई है कि मादा तेंदुआ शावक की मौत किसी अज्ञात बीमारी के कारण हुई है। हालांकि मौत के स्पष्ट कारणों का खुलासा नहीं हुआ है।

दो पड़ोसी परिवार आपस में लड़े, मामला दर्ज

दुर्ग। कैलाश नगर में रहने वाले दो परिवार के बीच कचरा फेंकने को लेकर पहले कहासुनी से शुरू हुई। कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। इस मारपीट में एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए हैं। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। घटना का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। जामुल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

इंदौर में आयोजित टैक्सटाइल एक्सपो में सीएम डॉ. यादव ने किया संवाद

श्रमिक, आवागमन, प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलता के कारण निवेश के लिए मध्य प्रदेश सबसे अनुकूल

▶ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने कहा, कारखाने हमारे लिए मंदिर की तरह, इससे मिलता है रोजगार, नागरिक होते हैं लाभान्वित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश के बीच में होने, श्रमिकों, सड़क और अन्य आवागमन सुविधाओं, प्रशासनिक प्रक्रियाओं की सरलता के कारण औद्योगिक निवेश के लिए सबसे अनुकूल प्रदेश है। गुजरात राज्य हमारे लिए आदर्श है। गुजरात की तर्ज पर मप्र भी उद्योगों के विकास का काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि बीते दिनों बेंगलुरू में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) द्वारा प्रदेश के रायसेन जिले में मेट्रो और रेल कोच निर्माण इकाई की स्थापना के लिए की गई पहल पर त्वरित कार्रवाई कर कुल 60.063 हेक्टेयर भूमि आवंटन का निर्णय लिया गया। यह प्रदेश की उद्योग संवर्धन और निवेश वृद्धि की पारदर्शी नीति का नवीनतम उदाहरण है। मध्यप्रदेश उद्योगों के अनुकूल नीतियों को लागू कर उस स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में शामिल है, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार की शाम इंदौर में टेक्सटाइल एक्सपो को संबोधित कर रहे थे।

पीएम मोदी की नीतियों से आया परिवर्तन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से देश का समूचा परिदृश्य बदल गया है। उद्योगों के विकास के साथ धन के अर्जन के साथ मानवीय पक्ष को महत्व देने की भारतीय संस्कृति रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारखाने हमारे लिए मंदिर की तरह हैं। देवालय और मंदिर जिस तरह श्रद्धा का केंद्र होते हैं, उसी तरह कारखाने बड़े वर्ग को लाभान्वित करने के पवित्र भाव के साथ संचालित होते हैं। शासन द्वारा लागू अनुकूल नीतियों और सुशासन का लाभ उद्योगों को दिलाने के लिए मध्यप्रदेश में विशेष अभियान चल रहा है। मध्यप्रदेश में जो उद्योगपति आते हैं वे यहीं के होकर रह जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत वर्ष मध्यप्रदेश के सभी संभागों में रीजनल इन्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गईं। इसके बाद इस वर्ष फरवरी में भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन हुआ। इन प्रयासों से 30 लाख हजार करोड़ से अधिक का निवेश लाने में सफलता मिली। अब विभिन्न सेक्टर को ध्यान में रखकर उद्योग संवर्धन कार्यक्रम हो रहे हैं। यह क्रम निरंतर चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में टैक्सटाइल क्षेत्र में नया इतिहास लिखा जाएगा। इंदौर इसका प्रमुख केंद्र होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि इंदौर, उज्जैन ,देवास, मक्सी आदि क्षेत्रों को मिलाकर इंदौर मेट्रोपोलिटिन एरिया विकसित किया जाएगा।

मध्य प्रदेश निवेश के लिए उभरता हुआ केंद्र

प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश का बेहतर वातावरण है। यहां कहीं भी किसी बात के लिए उद्योगपतियों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। यहां पर सभी अनुमतियों को लेख सेवा केंद्र के माध्यम से नियत समय सीमा में दिए जाने का प्रावधान किया गया है। यहां 30 दिन में उद्योग को प्रारंभ कर सकते हैं साथ ही टैक्सटाइल एंड गारमेंट्स सेक्टर में विशेष अतिरिक्त इंसेंटिव्स दिए जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के औद्योगिक योगदान और पर्यावरणीय दृष्टिकोण को सम्मानित करते हुए मेटेक्सिल के चेयरमैन शालीन तोशनीवाल ने स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट किए। एक्सपोर्ट पोटेंशियल मैन मेड फाइबर टैक्सटाइल्स, होम टक्सटाईल्स एण्ड टेक्निकल टैक्सटाइल मध्यप्रदेश सेमिनार मैटेक्सिल के एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर ए. रवि कुमार ने मैटेक्सिल की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की यात्रा पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही भारत टैक्स-2026 की रूपरेखा बताई। मैटेक्सिल के पूर्व चेयरमैन संजीव सरन ने मेटेक्सिल की भूमिका और भारत टेक्स जैसे आयोजनों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। वर्तमान चेयरमैन शालीन तोषनीवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मैटेक्सिल की आगामी योजनाओं की जानकारी दी। सेमिनार में देश के विभिन्न हिस्सों से आए टैक्सटाइल उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश को निवेश की दृष्टि से एक उभरते केंद्र के रूप में देखा। तकनीकी-सत्रों में टैक्सटाइल क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा मध्यप्रदेश से मैनमेड फाइबर टैक्सटाइल, होम टैक्सटाइल और टेक्निकल टैक्सटाइल के निर्यात की संभावनाओं प्रशांत अग्रवाल (प्रबंध निदेशक, वज़ीर एडवाइजर्स) और धीरज शाह पूर्व चेयरमैन मेटेक्सिल व चेयरमैन, फेयरडील टैक्सटाइल पार्क, सूरत ने अपने व्यावसायिक अनुभव साझा किए।

80 प्रतिशत काम पूरा, शेष कार्य तेजी से हो रहे

राजधानी में जल्द तैयार होगा अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

▶ मंत्री सारंग ने लिया निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने भोपाल स्थित बरखेड़ा नाथू में शुक्रवार को निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और बाकी कामों को तेजी व गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स प्रदेश के युवाओं को खेल के क्षेत्र में वैश्विक मंच तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही उन्होंने निर्माण एजेंसियों को जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने एथलेटिक्स स्टेडियम, लाइटिंग सिस्टम, प्रैक्टिस हॉकी फील्ड, वार्म-अप ट्रैक, मल्टीलेवल पार्किंग, फुटबॉल फील्ड, वाटर एवं सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अन्य निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने प्रोजेक्ट की कंस्ट्रक्शन डिटेल्स का प्रस्तुतिकरण भी देखा और तकनीकी पहलुओं पर अधिकारियों से चर्चा की।

खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

मंत्री सारंग ने कहा कि इस सर्वसुविधायुक्त अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के तैयार होने से प्रदेश में खेलों के लिए एक नया आयाम स्थापित होगा। यहां के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण से लेकर प्रतियोगिताओं तक की सभी सुविधाएं एक ही परिसर में मिलेंगी, जिससे उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मजबूती मिलेगी।

कसडोल घटोरिया मंदिर के पास की घटना

ट्रैक्टर पलटने से मासूम की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

रायगढ़ में शनिवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियत्रित होकर पलटने की घटना में एक मासूम बच्चे की मौत हो गई वहीं उसके माता-पिता घायल हो गए हैं। उक्त मामला तमनाऱ थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक तमनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कसडोल निवासी बसंत धनवार 26 साल अपने पत्नी आहिल्या धनवार 24 साल और अपने दो साल के बच्चे तरुण धनवार के साथ मिट्टी कटिंग काम के लिए निकले थे। इस दौरान सुबह 8 बजे जब वे कसडोल घटोरिया मंदिर के समीप पुल के पास पहुंचे ही थे कि ट्रेक्टर चालक अपने वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और वे चलती ट्रेक्टर से कूद गए। इस घटना में अधिक चोट लगने की वजह से मासूम बच्चे तरुण धनवार की मौके पर ही मौत हो गई वहीं उसके माता-पिता घायल हो गए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही तमनार पुलिस मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

व्यवसायी, ज्वेलरी शॉप मालिक, सिविल ठेकेदार, मेडिकल स्टोर संचालक, शासकीय कर्मचारियों को बनाया शिकार

खुद को पूर्व अफसर बताकर करोड़ों ठगने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गौरेला पेंड्रा मरवाही

ठगी के मामले में आरोपी द्वारा खुद को पूर्व सैनिक व खाद्य अधिकारी बतलाकर एक फाइनेंशियल धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें आरोपी ने स्थानीय लोगों को विदेशी मुद्रा (डॉलर) में इन्वेस्टमेंट कर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर उनसे करोड़ों रुपए की ठगी कर ली। ठगी का यह मामला गौरेला थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने मामले में पीड़ितों से मिली शिकायत के आधार पर ठगी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। शिकायतकर्ताओं में किराना व्यवसायी, ज्वेलरी शॉप मालिक, सिविल ठेकेदार, मेडिकल स्टोर संचालक, यहां तक कि सरकारी सेवक भी शामिल हैं, जो प्रह्लाद राठौर की चिकनी-चुपड़ी बातों में आकर अपनी खून-पसीने की कमाई गंवा बैठे प्रहलाद राठौर ने लोगों को यह विश्वास दिलाया कि

वह एक विदेशी फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनी में उनके पैसे डॉलर में इन्वेस्ट कर रहा है और हर महीने 5% से 10% का निश्चित मुनाफा मिलेगा। उसने यहां तक कहा कि 6 महीने में पैसा डबल हो जाएगा और वह खुद इस इन्वेस्टमेंट की गारंटी लेगा। शुरुआत में कुछ लोगों को 2000-4000 रुपए महीना रिटर्न मिला भी, जिससे उनका विश्वास और इन्वेस्टमेंट दोनों बढ़ता गया। परंतु कुछ महीनों बाद रिटर्न आना बंद हो गया और प्रहलाद ने लोगों के फोन उठाना बंद कर दिया।

करोड़ों की संपत्ति खड़ी की

लोगों के पैसे से प्रहलाद राठौर ने करोड़ों रुपए की संपत्ति अपने और अपने परिवार के नाम पर खरीद ली। वह अब 60 लाख की लग्जरी कार में घूमता था और उसने बैको लोडर जैसी महंगी मशीनें भी खरीदी है। पहले जो दूसरों की गाड़ियों में घूमता था, अब खुद मालिक बन बैठा। जब वह पेंड्रारोड रजिस्ट्री ऑफिस में एक जमीन की रजिस्ट्री कराने पहुंचा, तब कुछ ठगी के शिकार लोगों ने उसे पहचान लिया और वहीं से पकड़कर सीधे गौरेला थाना लेकर पहुंच गए। जैसे ही खबर फैली, ठगी के और भी शिकार लोग थाने पहुंचने लगे गौरेला पुलिस ने ठगी करने वाले प्रहलाद राठौर के खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है।

अवैध ढंग से रह रहे बांग्लादेशी पति-पत्नी पुलिस गिरफ्त में

फर्जी दस्तावेज बनाकर बैंक खाता भी खुलवाया, बांग्लादेशी रिश्तेदारों के संपर्क में भी थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

भिलाई के सुपेला थाना क्षेत्र में अवैध रूप से निवासरत बांग्लादेशी पति पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह दंपति वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से भारत बांग्लादेश सीमा से प्रवेश कर अपनी पहचान छिपाते हुए सुपेला में नाम बदल कर निवासरत थे। दोनों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर आधार और पैन कार्ड सहित वोटर आईडी बनाकर बैंक का खाता भी खुलवा लिया था। कुछ दिनों पूर्व भी भिलाई से पन्ना बीवी नाम की बांग्लादेशी महिला की भी गिरफ्तारी हुई है। दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि अवैध रूप से भिलाई में रह रहे शाहीदा खातून उर्फ ज्योति एवं मो. रासेल शेख इंटरनेट कॉल एवं व्हाट्सएप के माध्यम से बांग्लादेश स्थित परिजनों से सतत संपर्क बनाए हुए थे। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 विदेशी नागरिक विषयक अधिनियम 1946 एवं भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 एवं पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 के तहत कार्रवाई की गई है।

रोहिंग्याओं के लिए एसटीएफ का गठन

उन्होंने बताया कि अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर कार्रवाई के लिए एसटीएफ का गठन किया गया है। एसटीएफ को 16 मई को जानकारी प्राप्त हुई कि पांच रास्ता कांट्रेक्टर कालोनी सुपेला में स्थित एक मकान में एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला एवं उसके पति अपना मूल पहचान छुपाते हुए ज्योति एवं रासेल शेख के नाम से रह रहे हैं। एसटीएफ टीम के द्वारा दुर्गा बाई के मकान में रह रही महिला एवं उसके पति से पूछताछ करने पर उनके द्वारा अपना नाम ज्योति एवं रासेल शेख मूल निवासी ग्राम मोमिनपुर थाना स्वरूपनगर जिला उत्तर-24 परगना पश्चिम बंगाल का होना बताया।

संदेहास्पद पाया गया आधार कार्ड

उनके द्वारा यह बताया गया है वे वर्ष 2009 से 2017 तक नवी मुंबई ठाणे में रहे। फिर शादी पार्टी में कार्य करने हेतु वर्ष 2017 से लगातार भिलाई में रह रहे थे। पुलिस ने दोनों का आधार कार्ड की जांच की गई जिसमे संदेहास्पद पाया। पुलिस के सख्ती बरतने पर महिला ने अपना मूल नाम शाहीदा खातून एवं उसके पति द्वारा स्वयं का नाम मो. रासेल शेख निवासी ग्राम बाला पोस्ट रघुनाथनगर थाना झीकारगाछा जिला जेस्सोर बांग्लादेश बताया गया। पुलिस जांच के दौरान पाया गया कि बांग्लादेशी महिला शाहीदा खातून वर्ष 2009 से भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय बोंगा बार्डर से अवैध तरीके से नार्थ 24 परगना पश्चिम बंगाल मे प्रवेश कर हावड़ा होते हुए मुंबई जाकर मजदूरी कार्य के दौरान उसका परिचय बांग्लादेश निवासी मो. रासेल से हुई दोनों मुंबई से वापसी बांग्लादेश चले गये।

बांग्लादेश में रचा षडयंत्र

वहीं पर योजनाबद्ध तरीके से महिला शाहीदा खातून ने अपना नाम बदलकर ज्योति रख लिया तथा मो. रासेल से शादी कर ली। शादी के पश्चात दोनों वर्ष 2017 में पासपोर्ट एवं भारतीय वीजा पर भारत मे प्रवेश किये। महिला ज्योति रासेल शेख का वीजा अवधि दिनांक 13 सितंबर 2018 एवं मो. रासेल शेख का वीजा अवधि 12 अप्रैल 2020 का था। पुलिस ने पति पत्नी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

भारत की सबसे रहस्यमयी जगहें, जहां पर विज्ञान भी हो चुका है फेल

लेह की चुंबकीय हिल

लद्दाख के लेह में एनएच-1 पर स्थित चुंबकीय हिल पर गाड़ियां बिना इंजन के ऊपर की तरफ खिंचती हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह चुंबकीय शक्ति है, लेकिन वैज्ञानिकों की तरफ से इसे ऑप्टिकल इल्यूजन कहा जाता है। ढलान ऐसा दिखता है कि गाड़ी ऊपर जा रही है, जबकि वह नीचे की तरफ जाती है। हालांकि, यह थ्योरी भी पूरी तरह से स्वीकार नहीं की गई। यह स्थान सैलानियों के लिए बड़ा आकर्षण है। वैज्ञानिकों ने इस हिल के चुंबकीय क्षेत्र की जांच की, लेकिन कोई असामान्य शक्ति नहीं मिली। यह जगह भारत के रहस्यमयी स्थानों में शामिल है।

नई दिल्ली। भारत में कई अजीबोगरीब, तो कुछ रहस्यमयी जगहें। इस जगहों के रहस्य को आज तक कोई नहीं सुलझा पाया है। आज हम आपको इस अपने लेख में भारत की कुछ रहस्यमयी जगहों के बारे में बताएंगे। इन जगहों के रहस्यों को जानकर आपको यकीन नहीं होगा। इसके साथ ही हैरानी भी होगी।

राजस्थान का कुलधरा गांव

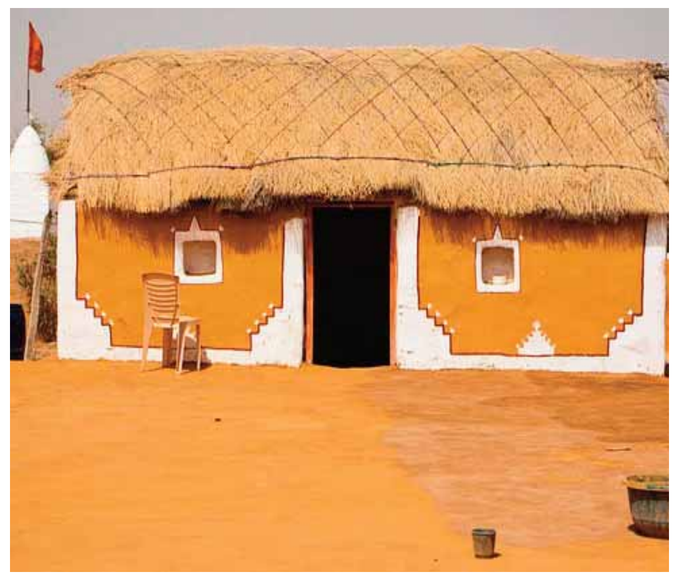

कुलधरा गांव जैसलमेर से 18 किलोमीटर दूर स्थित है। इस गांव के रहस्य को जानकर आपकी रूह कांप जाएंगी। 19वीं सदी में गांव में पालीवाल ब्राह्मण रहते थे, जो बेहद खुशहाल थे, लेकिन एक रात अचानक पूरा गांव खाली हो गया। 800 से अधिक परिवार कहां लापता हो गया, किसी को नहीं पता। स्थानीय लोगों का मानना है कि एक दीवान था, जो लोगों पर जुल्म करता था। इसके कारण गांव वालों ने श्राप देकर इसे छोड़ दिया। यह गांव आज भी वीरान पड़ा है और रात में अजीब आवाजें सुनाई देती हैं। कुलधरा के रहस्य को सुलझाने की कई बार कोशिश की गई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

तुलसीश्याम की रहस्यमयी पहाड़ी

गुजरात के खेड़ा जिले में तुलसीश्याम की पहाड़ियां स्थित हैं। यह प्रकृति के नियमों को चुनौती देती हैं। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि अगर आप यहां पर गाड़ी को न्यूट्रल में छोड़ दें, तो गाड़ी नीचे जाने की बजाय ऊपर की ओर जाने लगती है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह भगवान का चमत्कार है, लेकिन वैज्ञानिक इसे चुंबकीय क्षेत्र या ऑप्टिकल इल्यूजन कहते हैं। फिर आज तक इसका कोई सही जवाब नहीं मिल पाया है।

केरल में जुड़वा लोगों का गांव

केरल के मलप्पुरम जिले में स्थित कोडिन्ही गांव को जुड़वा लोगों का गांव कहा जाता है। यहां पर 2,000 परिवार रहता है, जिसमें 400 से ज्यादा जुड़वां बच्चे हैं। यह विश्व औसत से कई गुना अधिक है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि 2000 के बाद जुड़वां बच्चों की संख्या और बढ़ गई। वैज्ञानिकों ने जेनेटिक्स, खान-पान और पर्यावरण की जांच की, लेकिन कोई ठोस वजह नहीं मिली। यह गांव रहस्य और आश्चर्य का मिश्रण है। कुछ वैज्ञानिक इसे जेनेटिक म्यूटेशन मानते हैं।

तुर्की में हैं दुनिया के सबसे अनोखे झरने, स्वर्ग जैसा दिखता है नजारा

नई दिल्ली। तुर्की (अब तुर्किए) के डेनिजली प्रांत में स्थित पामुक्काले नाम के गांव में दुनिया के सबसे अनोखे गर्म पानी के झरने पाए जाते हैं। यह दिखने में बिल्कुल रूई के महल जैसा लगता है, इसलिए इसे 'कॉटन कैसल' भी कहा जाता है। तुर्किए के पामुक्काले गांव में दुनिया के सबसे अनोखे गर्म पानी के झरने पाए जाते हैं, जो एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भी है। यहां का दृश्य स्वर्ग जैसा प्रतीत होता है। दरअसल, यहां सफेद चूना पत्थरों के जो गर्म झरने हैं वो रूई के महल की तरह प्रतीत होते हैं, इस कारण तुर्की के पामुक्काले को 'कॉटन कैसल' भी कहा जाता है। पामुक्काले गांव नाम तुर्की के पामुक शब्द यानि कॉटन, और क्काले शब्द यानि महल से मिलकर बना है, जो अपनी आश्चर्यजनक ट्रैवर्टीन संरचनाओं के लिए जाना जाता है। ये गर्म झरने कैल्शियम कार्बोनेट से भरपूर हैं, जिसके बारे में ऐसा कहा जाता है कि इसमें त्वचा की स्थिति और गठिया सहित विभिन्न बीमारियों के लिए उपचारात्मक गुण होते हैं। वहीं, खनिज-समृद्ध जल से बनी ट्रैवर्टीन संरचनाएं, सफेद चूना पत्थर की छतों और झरने वाले तालाबों की एक श्रृंखला की तरह दिखती हैं, जो किसी को भी मंत्रमुग्ध कर दे।

यूरोप का मरीज है तुर्की, जहां कॉफी न मिलने पर पतियों से तलाक ले लेती थीं महिलाएं

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में तुर्की ने पाकिस्तान का साथ दिया, जिसके बाद हर भारतीय इस देश को बॉयकॉट करने की बात कह रहा है। वैसे क्या आप जानते हैं कि इस देश को यूरोप का 'मरीज' भी कहा जाता है और यहां चाय की जगह हर कॉफी मांगने वाले मर्दों को उनकी पत्नियों ने तलाक तक दे दिया। सुनने में आपको ये बात भले ही अजीब लग रही हो, लेकिन ये पूरी तरीके से एकदम सच है। दुनिया के अगर सबसे खूबसूरत देशों की अगर बात की जाए तो उसमें तुर्की का नाम सबसे ऊपर आता है। ये यूरेशिया एक भौगोलिक भूखंड है, जो यूरोप और एशिया महाद्वीप को मिलाकर बना है। इसे आप एशिया और यूरोप का पुल भी कह कह सकते हैं, क्योंकि इस देश का कुछ भाग यूरोप में और अधिकांश भाग एशिया में पड़ता है। इसके अलावा दुनिया इस देश को 'यूरोप का रोगी' यानी 'यूरोप का मरीज' भी कहती है। अगर इस देश के इतिहास की बात की जाए तो ये कई साम्राज्यों के आधीन रहा है। ये देश 530 ईसा पूर्व में ईरान के फारसी साम्राज्य का हिस्सा बना था और कई सालों तक यह यूनानियों द्वारा संघर्ष के कारण ग्रीक और ईरानी साम्राज्यों में बंटा रहा. इतना सबकुछ होने के बाद तुर्की को महान सिंकदर के यूनानी (मेसीडोनी) साम्राज्य में आ गया और फिर (635 ईस्वी) में यहां इस्लाम को खूब फला-फूला और औगुज, सल्जूक और उस्मानी लोग सुन्नी मुस्लमान बन गए।

मिला 60 करोड़ साल पुराना 'खजाना' खुलेगा पहाड़ों में समंदर का गहरा राज

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश के सोलन में दुनिया के सबसे प्राचीन पृथ्वी के स्ट्रोमैटोलाइट्स जीवाश्म मिलने का दावा किया गया है। ये जीवाश्म गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हैं। इन्हें टेथिस जीवाश्म संग्रहालय के संस्थापक डॉ. रितेश आर्य ने खोजा है। उन्होंने दावा किया है कि ये जीवाश्म 60 करोड़ साल से भी अधिक पुराने हैं, जो पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत की कहानी बताते हैं। ये जीवाश्म चंबाघाट के पास जोलाजोरां गांव में मिले हैं। डॉ. आर्य ने कहा कि स्ट्रोमैटोलाइट्स समुद्र की उथली सतहों पर माइक्रोबियल चादरों से बने परतदार पत्थर होते हैं। ये दर्शाते हैं कि सोलन क्षेत्र कभी टेथिस सागर का समुद्री तल हुआ करता था। यह सागर कभी गोंडवाना (जिसमें भारत, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अमेरिका और अंटार्कटिका शामिल थे) और एशिया के बीच था। डॉ. आर्य ने कहा कि जब पृथ्वी की हवा में ऑक्सीजन नहीं थी और ग्रीनहाउस गैसें छाई थीं, तब इन्हीं सूक्ष्म जीवों ने करीब 2 अरब साल में धीरे-धीरे ऑक्सीजन बनाना शुरू किया, इससे आगे जाकर जीवन संभव हुआ। अगर स्ट्रोमैटोलाइट्स नहीं होते तो आज ऑक्सीजन भी नहीं होती। डॉ. आर्य इससे पहले सोलन के धर्मपुर के कोटी में, चित्रकूट और हरियाणा के मोरनी हिल्स से भी इन्हें खोज चुके हैं। उनका कहना है कि चंबाघाट के जीवाश्म अलग प्रकार की परतदार संरचना दर्शाते हैं, जो एक भिन्न प्राचीन पर्यावरणीय दशा की जानकारी देते हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल की धरती में करोड़ों साल पुराना समुद्री इतिहास छिपा है। इसे संरक्षित कर हमें अगली पीढ़ियों को सौंपना होगा।

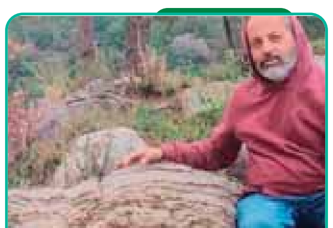

गजब परंपरा! झारखंड के इस मंदिर में भगवान नहीं, घोड़े की होती है पूजा

जमशेदपुर। झारखंड की सांस्कृतिक विरासत में कई रहस्य और आस्थाओं की झलक मिलती है, पर सरायकेला जिले के गम्हरिया प्रखंड में स्थित घोड़ा बाबा मंदिर एक ऐसी अनोखी परंपरा का प्रतीक है, जिसे सुनकर कोई भी हैरान रह जाए। यहां भक्त भगवान की मूर्ति को नहीं, बल्कि एक पौराणिक प्रतीक 'घोड़ा बाबा' की आराधना करते हैं। मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु इस मंदिर में प्रसाद स्वरूप असली घोड़ा नहीं, बल्कि मिट्टी के घोड़े और हाथी चढ़ाते हैं, जो श्रद्धा और आस्था का प्रतीक माना जाता है।

मंदिर का प्रसाद नहीं ले जा सकते हैं घर

जमशेदपुर से मात्र 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस मंदिर में साल में एक बार,

विशेषकर मकर संक्रांति के अगले दिन विशाल जनसमूह एकत्र होता है। उस दिन भक्तजन दूर-दराज से आकर घोड़ा बाबा की पूजा करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। यहां की सबसे रोचक परंपरा यह है कि मंदिर से मिलने वाला प्रसाद जैसे केला और नारियल, भक्त अपने घर नहीं ले जा सकते हैं। उन्हें या तो मंदिर परिसर में ही ग्रहण करना होता है, या सावधानीपूर्वक किनारे रख देना होता है, ताकि कोई अपवित्रता न हो। यह परंपरा भक्तों के भीतर आस्था के साथ-साथ अनुशासन और श्रद्धा का भाव भी भर देती है।

मन्नत पूरी होने पर चढ़ाया जाता खास चीज

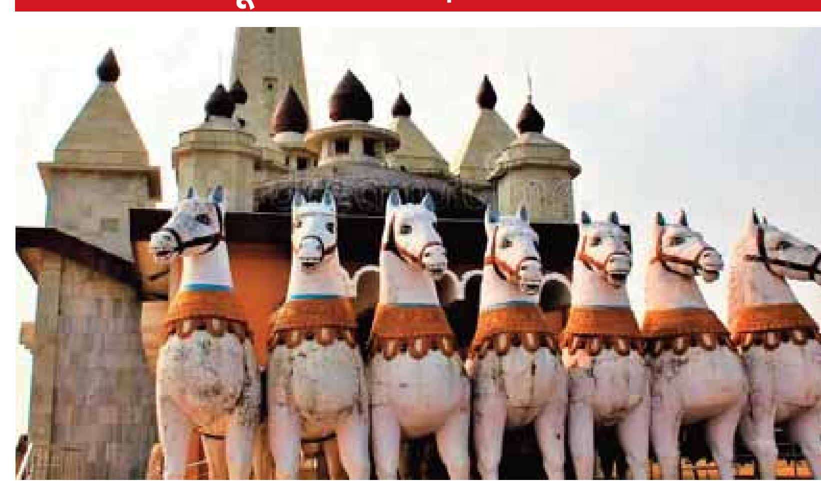

कुम्भकार जाति की महिलाएं नहीं जातीं मंदिर

पूर्व में इस मंदिर में महिलाओं का प्रवेश वर्जित था। विशेषकर कुम्भकार जाति, जो इस मंदिर का संचालन करती है, उनकी महिलाएं आज भी मंदिर नहीं जातीं। हालांकि, समय के साथ यह परंपरा काफी हद तक समाप्त हो चुकी है और अब 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति है।

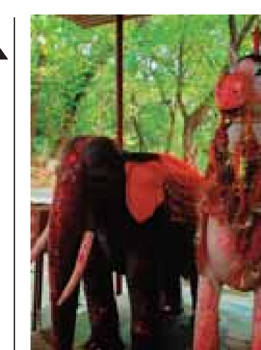

घोड़े पर सवार होकर आए थे भगवान कृष्ण और बलराम

माना जाता है कि लगभग 300 वर्ष पूर्व भगवान कृष्ण और बलराम यहां घोड़े पर सवार होकर आए थे। उन्होंने इस क्षेत्र की उर्वरता देखकर बलराम द्वारा हल चलवाकर खेती की शुरुआत करवाई। मान्यता है कि उनके जाने के बाद उनके साथ आए घोड़े यहीं रह गए और स्थानीय लोगों ने उन घोड़ों को दिव्य रूप में पूजना प्रारंभ किया। धीरे-धीरे यह परंपरा एक आस्था में परिवर्तित हो गई और घोड़ा बाबा की पूजा शुरू हुई। आज भी मंदिर के बाहर सैकड़ों मिट्टी के घोड़े कतार में देखे जा सकते हैं। हर एक मन्नत, हर एक श्रद्धा की कहानी अपने भीतर समेटे हुए। यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का जीता-जागता उदाहरण भी है।

वैज्ञानिकों ने की 3 आंखों वाले 'राक्षस' की खोज, कहलाता था समंदर का शिकारी

लंदन। समंदर की गहराई में कई ऐसे रहस्य आज भी छुपे हुए हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते। अक्सर वैज्ञानिक समुद्री रहस्यों से जुड़े खोज करते रहते हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसे ही जीव के बारे में पता लगाया है, जिससे जुड़ी स्टडी हाल ही में रॉयल सोसाइटी ओपन साइंस में पब्लिश हुई। शोध के अनुसार, जीवाश्म वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि 50 करोड़ साल पहले धरती पर समुद्र के अंदर तीन आंखों वाला एक ऐसा शिकारी जीव रहता था, जिसके कांटेदार पंजे होते थे और मुंह दांतों से भरा था।

एक उंगली जितनी थी लंबाई

मोसुरा फेंटोनी की शक्ल किसी साइंस-फिक्शन फिल्म के प्राणी जैसी है। इसकी लंबाई बस एक उंगली जितनी थी, लेकिन ये छोटा शिकारी बड़ा खतरनाक था। इसकी तीन आंखों में नसों के गुच्छे मिले, जो आज के आर्थ्रोपॉड्स की तरह देखने और समझने में माहिर थे। रॉयल ओंटारियो म्यूजियम के जीन-बर्नार्ड कैरॉन ने कहा, 'इन नसों से पता चलता है कि इतने पुराने जीव की आंखें कितनी उन्नत थीं।' इसके कांटेदार पंजे छोटे-छोटे शिकार को जकड़ने के लिए थे और नीचे की तरफ दांतों से भरा गोल मुंह भोजन को चबाने में मदद करता था। इसकी बॉडी में बड़े-बड़े फ्लैप थे, जो पंखों की तरह तैरने में मदद करते थे। इसीलिए इसे 'सी

प्राचीन समुद्री जीव की अजीब शक्ल देखकर लोग हैं हैरान

सोशल मीडिया पर ये खोज लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। लोग इसे 'एलियन' या 'काइजु' बुला रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, 'ये तो समुद्र का मॉथा है!' कुछ ने मजाक किया, 'तीन आंखों वाला शिकारी? ये तो किसी साइ-फाई फिल्म का हीरो है!' कई लोगों ने इसकी तुलना सिम्पसन्स की तीन आंखों वाली मछली ब्लिंकी से की और कहा, 'क्या ये ब्लिंकी का दादा-परदादा है?' ये खोज न सिर्फ वैज्ञानिकों, बल्कि आम लोगों को भी रोमांचित कर रही है, जो इस प्राचीन समुद्री जीव की अजीब शक्ल देखकर हैरान हैं। बर्गेस शेल की ये खोज हमें उस दौर की झलक देती है, जब धरती पर जीवन अपने सबसे अनोखे और रहस्यमयी रूपों में उभर रहा था।

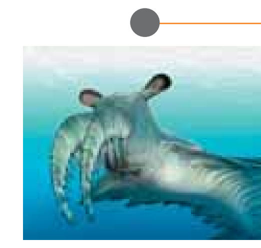

16 गलफड़ों वाले हिस्से थे पेट में

सबसे बड़ी हैरानी इसका पेट था, जिसमें 16 गलफड़ों वाले हिस्से थे, जो किसी और रेडियोडॉन्ट में नहीं देखा गया। मैनिटोबा म्यूजियम के जो मोइसियुक ने कहा, 'ये हिस्सा आज के हॉर्सशू क्रैब, वुडलाइस और कीड़ों से मिलता-जुलता है। ये खोज बताती है कि कैम्ब्रियन काल में समुद्री जीव कितने अलग थे।' इसे 'इवॉल्यूशनरी कन्वर्जेंस' कहते हैं, जहां अलग-अलग जीव एक जैसे लक्षण विकसित कर लेते हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि ये गलफड़े शायद कम ऑक्सीजन वाले पानी में सांस लेने या तेज तैरने के लिए थे। बता दें कि रॉयल ओंटारियो म्यूजियम ने 1975 से 2022 के बीच मोसुरा के 61 जीवाश्म इकट्ठे किए। कुछ जीवाश्म इतने साफ हैं कि इनमें पाचन तंत्र, खून की नसें और सर्कुलेटरी सिस्टम दिखता है।

'सब साथ लेंगी छुट्टी!' एक साथ प्रेग्नेंट हुईं 14 नर्स, एक ही अस्पताल में करती हैं काम

न्यूयार्क। एक ही अस्पताल में एक से ज्यादा प्रेग्नेंट महिलाओं की डिलीवरी होना आम बात है। पर क्या आपने कभी एक ही अस्पताल में एक से ज्यादा नर्सों को एक साथ प्रेग्नेंट देखा है? इन दिनों अमेरिका एक अस्पताल के खूब चर्चे हैं, जहां एक साथ 14 नर्स प्रेग्नेंट हैं और उनकी डिलीवरी चंद महीनों में है। ये अजीबोगरीब खबर सुनकर सोशल मीडिया पर लोग काफी हैरान हुए और कहने लगे कि अब वो सारी नर्सें एक साथ छुट्टी पर जाएंगी और अस्पताल का स्टाफ एक झटके में कम हो जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के विस्कॉन्सिन में एक शहर है, जिसका नाम है ग्रीन बे. यहां के सेंट विंसेंट हॉस्पिटल में एक अजब-गजब मामला सामने आया है। हुआ यूं कि अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में काम करने वाली 14 नर्सें एक साथ प्रेग्नेंट हैं। जब इसकी खबर बाहर आई तो सभी लोग हैरान हो गए। अस्पताल ने खुद एक प्रेस रिलीज जारी कर इसके बारे में बताया। मेडिकल सेंटर ने ये खास खबर मदर्स डे के मौके पर दी, जिस वक्त अमेरिका में नेशनल नर्स वीक (6 मई से 12 मई) चल रहा था। अस्पताल के निदेशक की ओर से कहा गया कि अस्पताल की कुछ नर्सें पहली बार मां बनने जा रही हैं। ये सारी महिलाएं पहले से ही बच्चा संभालने में एक्सपर्ट हो चुकी हैं। अब इस क्षेत्र में उनकी नॉलेज बढ़ जाएगी। प्रेस रिलीज में बताया गया कि उसी अस्पताल में नर्सों का हेल्थ चेकअप भी लगातार हो रहा है। कई नर्सों की डिलीवरी अलग-अलग महीनों में शेड्यूल है।

बिहार का एक ऐसा परिवार, जहां पैदा होते हैं सिर्फ अंग्रेज! हर सदस्य दूध-सा गोरा

एजेंसी ▶▶| पटना

आज के समय में मेडिकल साइंस ने काफी तरक्की कर ली है। कई ऐसी बीमारियां, जिसका एक समय पर इलाज नहीं था, आज उसकी दवाइयां आ चुकी है। जिन बिमारियों से पहले लोग घबरा जाते थे, अब उसका इलाज कर छुटकारा पा लेते हैं। लेकिन, ऐसी कई बीमारियां अभी भी मौजूद हैं जो जेनेटिक होती हैं। जेनेटिक बीमारियां वो होती हैं, जो एक पीढ़ी से दूसरी में ट्रांसफर होती है। जेनेटिक बिमारियों का इलाज करना थोड़ा मुश्किल होता है। बिहार के गोपालगंज में एक परिवार ऐसी ही जेनेटिक बीमारी को कई पीढ़ियों से ढो रहा है। इस परिवार में कई पीढ़ियों से ऐल्बिनिज़म नाम की जेनेटिक बीमारी ट्रेवल कर रही है। इसकी वजह से परिवार का हर सदस्य बेहद गोरा दिखता है। अपने रंग की वजह से इस परिवार को सभी अंग्रेज की फैमिली बोलते हैं। लेकिन, असल में ये एक बीमारी की वजह से है। इसका अंग्रेजों से कोई लेना देना नहीं है।

पति-पत्नी और बच्चे सभी इतने गोरे

सोशल मीडिया पर इस परिवार को अंग्रजों का परिवार बताया जा रहा है। अपने रंग की वजह से फैमिली काफी चर्चा में रहती है। कई गांवों से लोग इस फैमिली को देखने के लिए आते हैं। लेकिन, असल में इस परिवार का कोई भी सदस्य कभी विदेश गया ही नहीं है। इस फैमिली में जेनेटिक बीमारी ऐल्बिनिज़म मौजूद है। इसमें इंसान की स्किन का कलर पेल यानी रंगहीन हो जाता है। इस बीमारी का इलाज काफी मुश्किल है, क्योंकि ये जेनेटिक रोग है और मां-बाप से बच्चे को आसानी से पास ऑन हो जाता है।

क्या है ऐल्बिनिज़म?

ऐल्बिनिज़म एक जेनेटिक बीमारी है। इसमें बॉडी मेलेनिन का सिक्रीशन काफी कम करता है। जिसकी बॉडी में जितना अधिक मेलेनिन पैदा होता है, उसका रंग उतना ही डार्क होता है। ऐल्बिनिज़म में बॉडी के अंदर मेलेनिन बनता ही नहीं है। इस वजह से इससे ग्रस्त शख्स बेहद गोरा नजर आता है। आपको बता दें कि ऐल्बिनिज़म और वर्टिगो में अक्सर लोग कन्फ्यूज हो जाते हैं। लेकिन, ये दोनों ही अलग स्थितियां हैं। वर्टिगो जेनेटिक बीमारी नहीं है। ये जन्म के बाद होती है। जबकि ऐल्बिनिज़म पैदा होने के साथ इंसान को अपनी चपेट में ले लेता है।

चांद पर बनेगा न्यूक्लियर पावर प्लांट, दो महाशक्तियों ने मिला लिया हाथ, फूले अमेरिका के हाथ-पैर

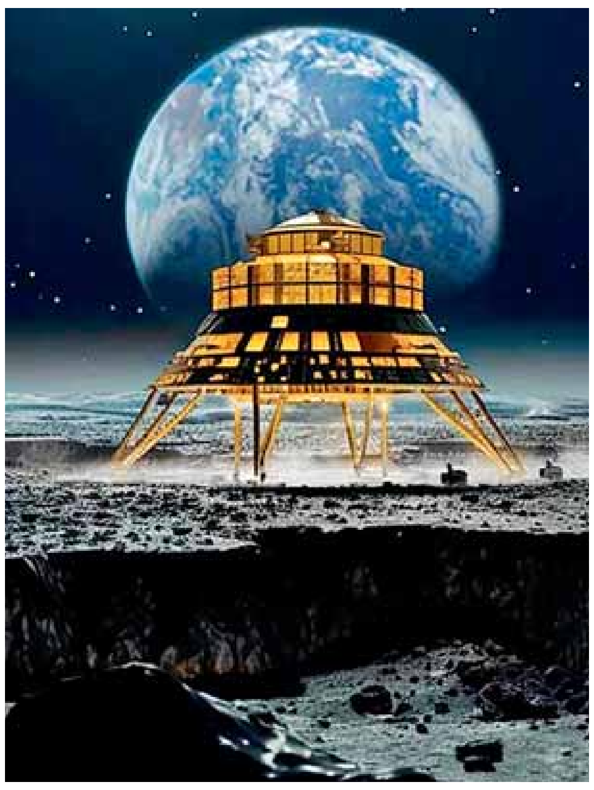

मास्को। चीन और रूस ने चांद पर न्यूक्लियर पावर प्लांट्स बनाने के लिए एक प्रोजेक्ट की शुरुआत की है, जो ग्लोबल लेवल पर स्पेस रेस को एक नई दिशा दे सकती है। यह प्लांट 2036 तक पूरा होने की उम्मीद है और इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन को ताकत देगा। यह प्रोजेक्ट दोनों देशों के बढ़ते अंतरिक्ष सहयोग और टेक्नोलॉजी डोमिनेंस की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है, जो फ्यूचर की स्पेस खोजों के लिए बेस तैयार करेगी।

फ्यूचर की स्पेस खोजों के लिए तैयार करेगी बेस

रिपोर्टों के मुताबिक, चीन और रूस ने हाल ही में चंद्रमा के साउथ पोल पर इंसानों के लिए एक स्थायी बेस बनाने और एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर साइन किए हैं, जो बेस और **ILRS** को ताकत देगा. यह एक क्रांतिकारी परियोजना है, जिसे वैज्ञानिकों ने लॉन्ग टर्म के लिए डिजाइन किया है, इसमें चंद्रमा पर फ्यूचर में इंसानों की मौजूदगी की संभावना भी शामिल है।

कब से शुरू होगा निर्माण का काम?

रूसी स्पेस एजेंसी रोस्कोस्मोस के डाइरेक्टर यूरी बोरिसोव ने कहा कि न्यूक्लियर प्लांट का निर्माण 'इंसान के मौजूदगी के बिना' किया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि उन्नत रोबोट चंद्र सतह पर निर्माण का काम करेंगे। हालांकि, बोरिसोव ने इस तरह की कोशिश के लिए जरूरी तकनीक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन, उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां पहले से लगभग तैयार है। रिपोर्ट के मुताबिक, चंद्र परमाणु संयंत्र का निर्माण 2030 और 2035 के बीच शुरू होने वाला है और 2036 तक पूरा होने की उम्मीद है।

आईएलआरएस मिशन क्या है और यह गेमचेंजर क्यों है?

इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन चीन और रूस द्वारा संयुक्त रूप से संचालित एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका मकसद वैज्ञानिक रिसर्च करने के लिए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर इंसानों के लिए एक आधार स्थापित करना है। जून 2021 में पहली बार मास्को और बीजिंग ने इसका ऐलान किया था, इसमें अब पाकिस्तान, मिस्र, वेनेजुएला, थाईलैंड और दक्षिण अफ्रीका समेत 17 अन्य देश शामिल हैं। आईएलआरएस का निर्माण 2030 से 2035 तक पांच सुपर हेवी-लिफ्ट रॉकेट प्रोजेक्शन्स के जरिए से भेजी गई मैटेरियल्स का इस्तेमाल करके किया जाएगा।

शिक्षा संबल योजना के आवेदन शुरू

एलन कोटा में सरकारी स्कूलों के छात्रों को मिलेगी नीट की निःशुल्क कोचिंग

कोटा। एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास एवं एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा संबल योजना की वर्ष 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। योजना के दूसरे वर्ष नीट-2026 के लिए पोस्टर का विमोचन एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के संकल्प कैम्पस में किया गया। इस अवसर पर एलन के निदेशक डॉ.गोविन्द माहेश्वरी, डॉ.नवीन माहेश्वरी व डॉ.बृजेश माहेश्वरी मौजूद रहे।योजना के बारे में जानकारी देते हुए न्यास के ट्रस्टी डॉ.नवीन माहेश्वरी ने बताया कि देश के 7 हिन्दी भाषी राज्यों के सरकारी स्कूलों के हिन्दी माध्यम के चयनित विद्यार्थियों को नीट-2026 की तैयारी के लिए निशुल्क शिक्षा, आवास और भोजन सुविधा के लिए यह योजना का दूसरे वर्ष है। परीक्षा में सत्र 2024-25 में जीव विज्ञान विषय से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। परीक्षा के आवेदन की अंतिम तिथि 7 जून है तथा 22 जून को देश के 7 राज्यों में 63 परीक्षा केन्द्रों पर होगी।

जुलाई में जारी होने वाले परीक्षा के परिणाम के आधार पर चयनित 126 विद्यार्थियों को एलन कोटा में एलन की ओर से एक साल के लिए निशुल्क कोचिंग और परमार्थ न्यास की ओर से निशुल्क आवास व भोजन की व्यवस्था दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में निर्धन व प्रतिभावान विद्यार्थियों के सपने पूरे करने के लिए गठित एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास की ओर से शिक्षा संबल योजना शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि इसके पीछे प्रेरणास्त्रोत वैकुंठवासी श्री लक्ष्मीनारायण माहेश्वरी हैं, जिन्होंने हमें शिक्षा का महत्व समझाते हुए, परमार्थ की सीख दी। इसीलिए ट्रस्ट का नाम एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास रखते हुए कार्य शुरू किया गया है। योजना में 12वीं पास 126 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। 81 छात्राएं एवं 45 छात्रों का चयन किया जाएगा। चयन के लिए उन्हीं परिवारों के विद्यार्थी पात्र होंगे जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय 3 लाख से कम है।

न्यास के ट्रस्टी डॉ.बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि इसके लिए बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में स्थित एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टडी सेंटर्स पर ऑफलाइन निशुल्क आवेदन किए जा सकते हैं। यह परीक्षा इन सात प्रदेशों के 63 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। आवश्यक पात्रता के तहत विद्यार्थी को 12वीं विज्ञान में औसत 50 प्रतिशत तथा फिजिक्स, कैमेस्ट्री व बॉयलोजी में भी 50 प्रतिशत प्राप्तांक होना जरूरी है। प्रश्नपत्र का प्रारूप बहुविकल्पी प्रश्न का होगा, कुल 120 प्रश्न दिए जाएंगे, जो कि 12वीं विज्ञान परीक्षा पर ही आधारित होंगे। इनमें से 100 प्रश्न करने होंगे। भौतिक विज्ञान में 30 में से 25, केमिस्ट्री में 30 में से 25 तथा जीव विज्ञान में 60 में से कोई 50 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। पोस्टर विमोचन के साथ ही सभी सातों राज्यों में परीक्षा केन्द्रों की संख्या और आवेदन भरने की प्रक्रिया की भी जानकारी दे दी गई। बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में एलन कॅरियर इंस्टीट्युट के स्टडी सेंटर्स पर आवेदन फार्म उपलब्ध होंगे तथा वहां पूर्ण आवेदन भरकर परीक्षा के लिए आवेदन किए जा सकते हैं।

गीतम डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी ने किया पेन स्टेट यूनिवर्सिटी के साथ अकादमिक और शोध सहयोग के लिए समझौता

विशाखापत्तनम। गीतम डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ने शोध, शिक्षण और शिक्षा में सहयोगात्मक अवसरों का पता लगाने के लिए प्रतिष्ठित पेन स्टेट यूनिवर्सिटी (पीएसयू), पेंसिल्वेनिया, यूएसए के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। शनिवार को गीतम परिसर में पीएसयू प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। चांसलर प्रो. डेविड एम. कैलेजो पेरेज़ और अकादमिक मामलों के अंतरिम कुलपति प्रो. वाहिद मोटेवल्ली के नेतृत्व में पीएसयू टीम ने गीतम के नेतृत्व दल के साथ उत्पादक चर्चा की, जिसमें प्रो वाइस चांसलर प्रो. वाई. गौतम राव, जीआईएमएसआर प्रो वाइस चांसलर डॉ. बी. गीतांजलि, रजिस्ट्रार प्रो. डी. गुनाशेखरन और अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्य शामिल थे। दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल ने जीआईटीएएम में प्रमुख अनुसंधान और नवाचार सुविधाओं का भी दौरा किया, जिनमें मूर्ति (अनुवादात्मक पहल पर अनुसंधान की बहुविषयक इकाई), सीएटीएस (उन्नत प्रौद्योगिकी समाधान केंद्र) और विभिन्न शैक्षणिक विभाग शामिल थे।

प्रो. वाई. गौतम राव ने शिक्षण के साथ-साथ शोध पर गीतम के बढ़ते फोकस पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने 16 शोध केंद्र स्थापित किए हैं और 300 से अधिक शोध परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि गीतम शैक्षणिक वर्ष 2026-27 तक एक स्कूल ऑफ एजुकेशन शुरू करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा, 'गीतम तेजी से एक वैश्विक शैक्षणिक केंद्र बन रहा है, जिसमें 40 से अधिक देशों के छात्र यूजी और पीजी कार्यक्रमों में नामांकित हैं, और हम ज्ञान के आधार को बढ़ाने के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहयोग बनाना जारी रखते हैं।' प्रो. डेविड एम. कैलेजो पेरेज़ ने गीतम की शैक्षणिक दृष्टि और बुनियादी ढांचे की सराहना की, साझेदारी को गहरा करने में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने पेन स्टेट यूनिवर्सिटी का एक संक्षिप्त प्रोफ़ाइल साझा किया और आश्वासन दिया कि पीएसयू भारतीय छात्रों के लिए एक स्वागत योग्य और उत्पादक शैक्षणिक वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सहयोग से संकाय और विद्वानों के आदान-प्रदान, संयुक्त शोध पहल, पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रम, विदेश में अध्ययन के अवसरों और सह-मेजबानी सेमिनार और शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। जीआईटीएएम स्कूल ऑफ बिजनेस के डीन प्रोफेसर राजा पी. पप्पू, जीआईएमएसआर के डीन डॉ. एस. पी. राव, स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर नागेंद्र प्रसाद, जीसीजीसी के उप निदेशक डॉ. रविकांत, अकादमिक मामलों की एसोसिएट डीन प्रोफेसर राधिका और सीएसई की एसोसिएट डीन प्रोफेसर शांति सहित जीआईटीएएम के प्रमुख अकादमिक नेताओं ने चर्चा में भाग लिया।

ये चिड़िया रातोंरात बना देगी करोड़पति इसके अंडों पर लोग गड़ाए रखते हैं नजर

सागर। अमीर बनने के लिए कई लोग मेहनत करने से ज्यादा टोने-टोटके या खजाने की तलाश में रहते हैं। आपने पारस पत्थर के बारे में तो सुना ही होगा. माना जाता है कि यह पत्थर लोहे को सोना बना देता है। कहते हैं एक चिड़यिा पारस पत्थर को हिमालय से ढूंढ कर लाती है। इसी पत्थर से वह अपने अंडों को तोड़कर बच्चों को बाहर निकालती है। बुंदेलखंड में ऐसी मान्यता टिटहरी पक्षी को लेकर है। यहीं वजह है कि यहां लोग गर्मी के मौसम में टिटहरी के अंडों की तलाश करते मिल जाएंगे। टिटहरी पक्षी के अंडों से बारिश के सीजन का भी अनुमान लगाया जाता है। यह पक्षी दो से पांच अंडे देती है और जिस साल गर्मी में ये जितने अंडे दे देती है, उतने ही महीने बारिश होती है। टिटहरी पक्षी कभी पेड़ों पर अंडे नहीं देती. ये हमेशा जमीन पर ही सुरक्षित जगह देखकर अंडे देती है।

आज भी लोग कर रहे प्रयास

सागर के स्थानीय निवासी लखन लाल चौरसिया बताते हैं, वह अपने बुजुर्गों से सुनते आ रहे हैं कि जहां कहीं भी टिटहरी अंडे देती है और किसी को पता चल जाए तो उस जगह पर वह नजर रखता है। इतना ही नहीं, जब अंडे से बच्चे हो जाते हैं, तब लोग वहां जितने भी कंकड़ पत्थर उस जमीन में होते हैं सारे उठाकर अपने घर ले आते थे या फिर अपने साथ लोहा ले जाकर उस जगह के आसपास जितने भी कंकड़-पत्थर होते सभी में उसको छूकर देखते।

इंटर सैटेलाइट कम्युनिकेशन लिंक से लैस 12 सैटेलाइट्स को ऑर्बिट में भेजा गया

बीजिंग। चीन ने अपने स्पेस कंप्यूटिंग सिस्टम के लिए सैटेलाइट का पहला बैच लॉन्च्ड किया है। यह एक ऐसी प्रणाली है जो पूरी तरह से तैनात होने पर सबसे ज्यादा ताकतवर ग्राउंड बेस्ड सुपरकम्प्यूटरों को टक्कर दे सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार को दोपहर के वक्त जिउक्वान उपग्रह लॉन्च सेंटर से लॉन्ग मार्च 2डी रॉकेट के जरिए इंटेलिजेंट कम्प्यूटिंग सिस्टम्स और इंटर सैटेलाइट कम्युनिकेशन लिंक से लैस 12 सैटेलाइट्स को ऑर्बिट में भेजा गया। वे थ्री-बॉडी कंप्यूटिंग कांस्टेलेशन का हिस्सा हैं, जो झेजियांग लैब में डेवलप्ड किया जा रहा स्पेस बेस्ड बुनियादी ढांचा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक बार पूरा हो जाने पर यह कांस्टेलेशन 1,000 पेटा ऑपरेशन प्रति सेकंड (पीओपीएस) - या एक क्विंटिलियन ऑपरेशन प्रति सेकंड की कुल कंप्यूटिंग कैपेसिटी के साथ एक्चुअल टाइम, इन-ऑर्बिट डेटा प्रोसेसिंग का सपोर्ट करेगा। अगर तुलना करें तो कैलिफोर्निया स्थित लॉरेंस लिवरमोर नेशनल लेबोरेटरी का नया एल कैपिटन सिस्टम, जो पिछले साल दुनिया का सबसे ताकतवर सुपरकंप्यूटर था, वो 1.72 पेटा ऑपरेशन - या प्रति सेकंड 1.72 क्विंटिलियन ऑपरेशन करता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के अंतरिक्ष इतिहासकार और एस्ट्रोनॉमर जोनाथन मैकडॉवेल ने कहा कि स्पेस में क्लाउड कंप्यूटिंग का विचार अभी 'बहुत फैशनेबल' है।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नही होगी।

वैवाहिकी

वधू चाहिए

वधु चाहिए
बंगाली 47 वर्ष स्वयं का व्यापार वर हेतु सुन्दर, सुशिक्षित वधु चाहिए। जाति बंधन नहीं। सन्तान सहित भी स्वीकार।
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें
-सम्पर्क करें-
6268373521

वधु चाहिए- पंजाबी 30 वर्षीय युवक 5 फुट 8 इंच (B.Sc.Ag.) Sales Officer एवं व्यवसायी परिवार के इकलौते बेटे हेतु वधु चाहिए। दहेज बंधन नहीं। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। छत्तीसगढ़ को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7509396155 (7331)

वधु चाहिए- रंग गोरा स्मार्ट 36 वर्षीय, हाईट 5 फुट 6 इंच व्यावसायिक लड़का (अनाथ एवं विकलांग) के लिए वधु चाहिए तलाकशुदा भी स्वीकार्य है। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- 8435278895 (7330)

वर चाहिए

GROOM WANTED
29Yr Muslim Doctor (Pursuing Post Graduation) from a respected family, Seeks alliance with a Well educated Muslim P.G. Doctor (any Specialization) Professionally Well settled from a deeny good family background
8435639998

आवश्यकता है
तत्काल भर्ती सुरक्षा गार्ड- 50, फिल्ड आफिसर 5 (कार चलाना जानता हो), कम्प्यूटर आपरेटर (पूर्ण अनुभवी) चाहिए वेतन 9500 से 20000 पता- बालाजी प्लाजा हेमू नगर बिलासपुर छत्तीसगढ़ 8461881111, 8299144824

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

1000 साल पुराने 'समाधि वाले बाबा' के कंकाल को मिला अब नया घर, क्यों है ये इतना खास?

अहमदाबाद। गुजरात में 15 मई को पांच घंटे की कवायद और 15 विशेषज्ञों की निगरानी के बाद 1000 साल पुराने कंकाल को वडनगर पुरातत्व अनुभव संग्रहालय में स्थानांतरित कर दिया गया। इस संग्रहालय का उद्घाटन इस साल जनवरी में किया गया था। 1000 साल पुराने कंकाल को 'समाधि वाले बाबाजी' कहा जाता है।

इस कंकाल को मेहसाणा जिले से साल 2019 में खुदाई करके निकाला गया था। तब से इसे अस्थायी तंबू के अंदर रखा गया था। अब कंकाल को नया घर मिल गया है। वडनगर पुरातत्व अनुभव संग्रहालय के क्यूरेटर महिंदर सिंह सुरेला ने बताया- कंकाल को गुरुवार शाम 6 बजे के आसपास संग्रहालय में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसे एहतियाती बैरिकेड के साथ रिसेप्शन क्षेत्र के पास ग्राउंड फ्लोर पर रखा गया है। वर्तमान में, यह प्रदर्शन के लिए नहीं है।

जैसे ही निर्देश प्राप्त होंगे, संरक्षण के दृष्टिकोण से कंकाल की जांच के बाद, इसे संग्रहालय की गैलरी में स्थानांतरित करने की योजना बनाई जाएगी।

साल 2023 से ही कंकाल को वडनगर के पुराने शहर के बाहरी इलाके में सरकारी आवास के खुले मैदान में 12×15 फीट के तिरपाल और कपड़े के तंबू के अंदर रखा गया था।

राशिफल

मेष – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष – आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न

मिथुन – किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क – जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह – जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक – मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

धनु – आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर – क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ – मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन – पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

शब्द पहेली - 5870

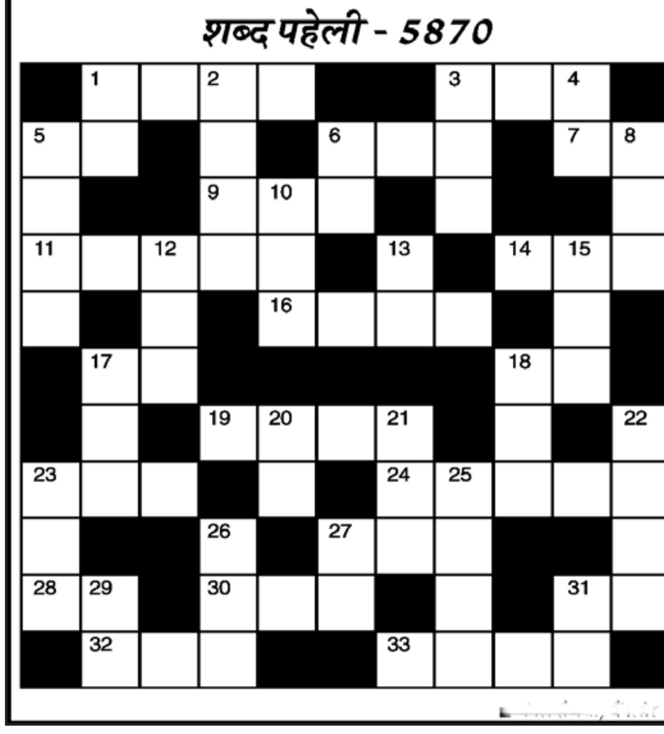

बाएँ से दाएँ
1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे
1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली- 5869 का हल

	स	ह	का	रि	ता		अ	चा	न	क
हा	र		य		ना	वि	क		त	र
थ		त	र	जु	मा		ल	ता		दा
मा	कू	ल			र	थ		क	वि	ता
र		घ		फ	ना		खा		र	
ना	म	र	ख	ना		रा	ज	म	ह	ल
	थ		त		मो	ह		ह		प
क	ना	त		रा	ह			क	पा	ल
र		ना	प		त	म	क	ना		पा
ता	ना		ली	ड	र		थ		का	ना
र	च	यि	ता		मा	ख	न	चो	र	

सूडोकु नवताल- 5880

* * * * * मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5879 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

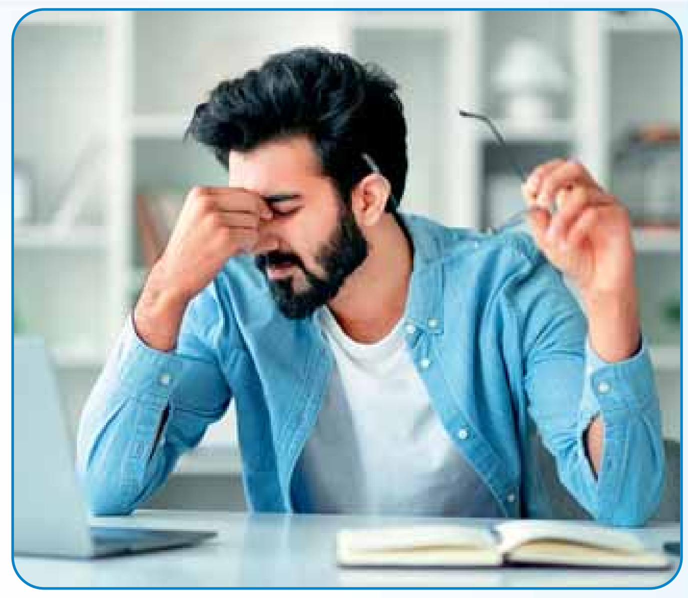

कुछ समय पहले वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने डिजिटल डिवाइसेस की लत को दुनिया भर में एक चिंताजनक समस्या बताया है। हर उम्र के लोग इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं। इससे न केवल उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, लोग अनिद्रा के भी शिकार हो रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम इस लत की गंभीरता को समझें और इससे बचने के लिए हर संभव प्रयास करें।

डिजिटल डिवाइसेस की लत

उड़ रही नींद-बिगड़ रही सेहत

हाल में फ्रंटियर्स इन साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बिस्तर पर जाने के बाद एक घंटे तक स्क्रीन देखते हुए बिताने से अनिद्रा के लक्षण 59 प्रतिशत तक बढ़ जाने की संभावना होती है। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट के साथ समय बिताने से नींद का टाइम पीरियड भी 24 मिनट कम हो सकता है। अध्ययन में यह भी सामने आया है कि चाहे सोशल मीडिया पर समय बिताएं, रील्स देखें या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर किसी तरह का कंटेंट देखा जाए, सोने से पहले स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी में बिताया जाने वाला समय ही मायने रखता है। माध्यम कोई भी हो, स्क्रीन टाइम अब लोगों की नींद को डिस्टर्ब करने वाली बड़ी वजह बन रहा है।

नींद पर पड़ रहा बुरा असर

रात के समय लोगों का स्क्रीन टाइम बढ़ने की कई वजहे हैं। इनमें से एक वजह यह है कि दिन भर घर-दफ्तर की भाग-दौड़ के बाद रात को आराम का समय मिलने पर अधिकतर लोग स्क्रीन में ही झांकते रहते हैं। मेल, मैसेज या दूसरी जानकारियां देखने के साथ ही रात को सोने से पहले बहुत सा समय सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग, रील्स और अलग-अलग तरह का कंटेंट देखने में भी लोग यूज करते हैं। स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे डिजिटल डिवाइस अब बेडरूम में भी यूज किए जाते हैं। जिसके चलते कमोबेश हर उम्र के लोगों के सोने के समय का कुछ हिस्सा स्मार्ट डिवाइसेस के नाम हो गया है। हालिया अध्ययन कहता है कि स्क्रीन टाइम जितना ज्यादा होता है, नींद उतनी ही ज्यादा प्रभावित होती है।

दूरी बनाना है जरूरी

उक्त शोध के अध्ययनकर्ताओं और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सोने से कम से कम एक घंटे पहले मोबाइल या अन्य किसी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। असल में अच्छी नींद के लिए मन-मस्तिष्क का शांत रहना आवश्यक है। सोने से पहले देखा गया कंटेंट कई बार मानसिक उद्वेलन का भी कारण बनता है। इतना ही नहीं स्क्रीन स्क्रॉलिंग के कारण हुई आंखों और दिमाग की थकान भी ठीक से नींद आने में बाधा बनती है। समझना जरूरी है कि नींद चुराने वाली यह जीवनशैली सोने-जागने का पूरा पैटर्न ही बिगाड़ रही है। यही वजह है कि नॉर्वे के वैज्ञानिकों द्वारा 45,202 वयस्कों पर किए गए सर्वे के नतीजों को गंभीरता से लेना जरूरी है। बिस्तर पर जाने के बाद मोबाइल के यूज से अनिद्रा के जोखिम यानी इनसोमनिया से बचने के लिए स्क्रीन से दूरी बनाने के नियम बनाना और गंभीरता से उनका पालन करना बेहद जरूरी है।

हेल्थ भी होती है प्रभावित

स्मार्ट स्क्रीन की ब्लू लाइट से नींद की गुणवत्ता तो खराब होती ही है, दिनचर्या भी बिगड़ जाती है। ठीक से आराम न मिल पाने के कारण डेली रूटीन ही नहीं, दिलो-दिमाग भी अस्त-व्यस्त रहते हैं। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के हर पहलू पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। हर दिन सोने के समय में होने वाली यह अनचाही कटौती बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन जाती है। ये कंडीशंस हार्ट प्रॉब्लम्स, डायबिटीज, मोटापा, डिप्रेशन और उच्च रक्तचाप जैसी कई परेशानियों को बढ़ाती हैं। थका हुआ शरीर और उलझा सा मन जीवन से जुड़ी दूसरी जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी बाधा बनता है। गैजेट्स की लत लग जाने के बाद स्क्रीन से दूरी मन में हताशा, असमंजस और बेचैनी भर देती है। वहीं नींद की कमी से बनी इस मनःस्थिति से या तो बार-बार कुछ खाते रहने की आदत लग जाती है या भूख कम हो जाती है।

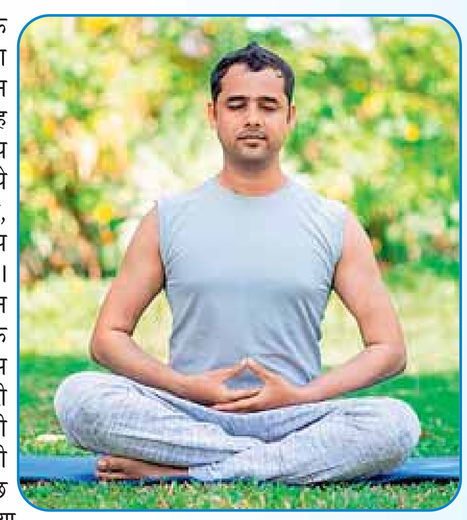

किशोरों और युवाओं में तो नींद की कमी हार्मोन असंतुलन की बड़ी वजह बनती है, जिससे कम उम्र में ही ओबेसिटी की संभावना बढ़ जाती है। सही ढंग से आराम न मिलने और सुकून की नींद लेने के समय भी स्क्रीन पर कंटेंट देखते रहने से याददाश्त भी कमजोर होती है। किसी भी काम में फोकस करने की क्षमता घटती है। उलझे-बिखरे से रूटीन में क्रोध, स्ट्रेस और अजीबो-गरीब ढंग से मूड का बदलना परेशानियों को बढ़ाता जाता है। ध्यान रहे कि सोने के समय की अवधि और गहरी नींद शरीर के लिए स्वयं अपनी संभाल-देखभाल करने का समय होता है। हमारी बॉडी खुद को रिपेयर करती है। अगले दिन की भाग-दौड़ के लिए मन-मस्तिष्क और शरीर तैयार होते हैं। सुकून से और सही समय तक सोना हमारी इम्यूनिटी को बढ़ाता है। ऐसे में अपनी सेहत बचाने और दिनचर्या साधने के लिए सोते समय स्मार्ट गैजेट्स से दूरी बना लेना ही सही है। अगले दिन की स्फूर्ति भरी शुरुआत के लिए सोने के पहले का टाइम अपनों से संवाद, किताब पढ़ने या मेडिटेशन में लगाएं। दिन में भी जब समय मिले स्मार्टफोन और लैपटॉप में बिजी रहने के बजाय योगाभ्यास करना फायदेमंद होता है।

डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

डब्ल्यूएचओ ने भी डिजिटल एडिक्शन से पूरी दुनिया के लोगों को आगाह किया है, क्योंकि हद से ज्यादा ऑनलाइन एक्टिविटीज और इंटरनेट का उपयोग दिन में टाइम मैनेजमेंट, ऊर्जा को सही दिशा देने और फोकस्ड रहने में असमर्थता और रात में नींद का पैटर्न बिगाड़ने या इनसोमनिया पैदा करने का कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि डिजिटल होती जीवनशैली में तकनीक से मिली सुविधाएं अनुशासित होकर इस्तेमाल की जाएं। मनोरंजन, सूचनाएं, शिक्षा, काम-काज या सोशल मीडिया मंचों पर मौजूदगी, हर मामले में स्क्रीन की दुनिया से जुड़ते हुए संतुलन साधा जाए। तकनीक से घिरी आज की जिंदगी में कम से कम अपने बेडरूम को स्क्रीन-फ्री जोन जरूर बनाएं। याद रहे कि अपने लिए यह सीमा हमें खुद ही तय करनी है। *

खुद करें हैबिट कंट्रोल

आवश्यकता से अधिक इस्तेमाल की गई कोई भी चीज नुकसानदेह ही होती है। तकनीक के मामले में भी यह बात लागू होती है। वर्चुअल व्यस्तता के इस दौर में स्क्रीन स्क्रॉलिंग को हैबिट बना लेने, डिजिटल डिवाइसेस पर हद से ज्यादा निर्भर हो जाने के कई खामियाजे भुगतने पड़ते हैं। खासतौर पर नींद की कमी की वजह से मेंटल और फिजिकल हेल्थ को बहुत नुकसान होता है। इस हैबिट की वजह से हर उम्र के लोगों में शारीरिक व्याधियां और मनोवैज्ञानिक समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वयस्क लोग तमाम व्याधियों के शिकार हो रहे हैं तो बच्चे भी ऑनलाइन गेम्स के जाल में फंस रहे हैं। उम्र के हर पड़ाव पर अनिद्रा और बेचैनी लोगों के मन-मस्तिष्क को घेर रही है। यूके के फीलगुड कॉन्टैक्ट के आंकड़ों के मुताबिक भारत में स्क्रीन टाइम की बढ़ोतरी और नजर की कमजोरी में भी गहरा संबंध देखा जा रहा है। आंखों की रोशनी कम होने और नजर खराब होने की शिकायत के मामले में भारत दुनिया की सूची में सबसे पहले स्थान पर है। करीब 27.5 करोड़ भारतीय यानी हमारी आबादी का करीब 23 प्रतिशत, बहुत ज्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से नजर की कमजोरी से जूझ रहा है।

सोशल मीडिया पर बढ़ रही प्रोफाइल लॉकिंग की टेंडेंसी

कुछ समय पहले तक सोशल मीडिया को ओपन ग्लोबल डिजिटल प्लेटफॉर्म माना जाता था। लेकिन अब अनेक वजहों से लोगों में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। इस ट्रेंड के बढ़ने की क्या वजहें हैं? इस सोशल मीडिया ट्रेंड पर एक नजर।

टेक्नोट्रेंड

नरेंद्र शर्मा

आजकल सोशल मीडिया में अपनी प्रोफाइल लॉक करने का ट्रेंड बढ़ रहा है। पहले आमतौर पर महिलाएं ही अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखती थीं, लेकिन अब बहुत तेजी से यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी बढ़ी है। सवाल है, एक ओपेन प्लेटफॉर्म के तौर पर जिस सोशल मीडिया का आगाज हुआ था, अचानक बीते एक-दो सालों में ऐसा क्या हुआ है कि जिसे देखो वही अपनी प्रोफाइल लॉक किए दे रहा है? सोशल मीडिया में प्राइवेसी को लेकर इस कदर सजगता बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह कोई साइकोलॉजिकल सिंड्रोम है या कोई नई पैदा हुई ऐसी इमोशनल इनसिक्योरिटी है, जो अबके पहले इस स्तर पर नहीं थी?

वजहें हैं कई: अगर इस ट्रेंड पर गहराई से सोचें तो यह बिना किसी मकसद के घट रही घटना नहीं है बल्कि इसके पीछे कई किस्म के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े कारण जिम्मेदार हैं। भले इसे साइकोलॉजिकल सिंड्रोम कहना सही न हो, लेकिन इस प्रवृत्ति में भावनात्मक असुरक्षा, प्राइवेसी की बढ़ती चिंता जैसी कई बातें शामिल हैं। इनके अलावा साइबर क्राइम, फेक प्रोफाइल और डेटा चोरी से जुड़ी चिंताएं भी हैं। आजकल डीपफेक और फोटो मॉर्फिंग जैसे मामलों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। अनजान लोगों द्वारा प्रोफाइल तस्वीरों का गलत इस्तेमाल, डिजिटल स्टॉकिंग और साइबरबुलिंग का भी डर है। ये सब ऐसे कारण हैं, जिसकी वजह से कई लोग सोशल मीडिया पर अब अपनी निजी जिंदगी को ज्यादा एक्सपोज करने से बच रहे हैं। इनके प्रोफाइल लॉक करने से ये संकेत मिलते हैं कि वे केवल करीबी लोगों के बीच ही सीमित रहना चाहते हैं।

लोग चाहते हैं डिजिटल डिटॉक्स: लोगों में बढ़ते इस ट्रेंड की एक वजह डिजिटल डिटॉक्स और मानसिक शांति की चाहत भी है। ऐसे लोग अपनी ओपेन प्रोफाइल रखकर बार-बार लाइक्स, कमेंट्स और स्टोरीज के रिएक्शन पर ध्यान देने की बजाय अपनी डिजिटल मौजूदगी को सीमित कर रहे हैं। कुछ लोगों के मुताबिक इसकी एक वजह सोशल मीडिया का बदलता पैटर्न भी है। पहले लोग खुली प्रोफाइल रखते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनकी पोस्ट देखें। लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है और 'एक्सक्लूसिविटी' बढ़ रही है। लोग अब यह दर्शाना चाहते हैं कि वे हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इससे एक अलग तरह की सोशल स्टेटस सिग्नलिंग होती है कि 'मैं केवल अपने करीबी लोगों के लिए हूं।'

डिजिटल प्राइवेसी को लेकर बढ़ी एलर्टनेस: मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इस प्रवृत्ति में एक किस्म की 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' साइकोलाजी भी छिपी है। जब लोग देखते हैं कि उनके ज्यादातर दोस्त या जानने वाले अपनी प्रोफाइल लॉक कर रहे हैं, तो वे भी ऐसा करने लगते हैं। यह एक तरह की 'डिजिटल हर्ड मेंटेलिटी' है। लोगों को लगता है कि अगर वे अपनी प्रोफाइल ओपेन रखेंगे तो वे अलग नजर आएंगे या उनकी डिजिटल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। यह एक साइको सिंड्रोम से कहीं ज्यादा सामाजिक प्रवृत्ति और डिजिटल सुरक्षा की बढ़ती जागरूकता का संकेत है। हालांकि इसमें भावनात्मक असुरक्षा और सोशल मीडिया की बदली हुई डायनामिक्स का भी बड़ा योगदान है। यह दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर ज्यादा सतर्क हो रहे हैं। कह सकते हैं कि यह एक सोशल ट्रेंड और डिजिटल सिक्योरिटी की बढ़ती एलर्टनेस का संकेत है। साथ ही यह भी दर्शाता है कि लोग अब अपनी डिजिटल प्राइवेसी और ऑनलाइन पहचान को लेकर कहीं ज्यादा एलर्ट हो रहे हैं।

मॉनिटरिंग-ट्रैकिंग भी है जिम्मेदार: सोशल मीडिया पर प्रोफाइल लॉक करने के पीछे विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा सोशल मीडिया पर की जाने वाली मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग का भी असर है। सोशल मीडिया पर 'संदिग्ध' या 'एंटी-नेशनल' कंटेंट पोस्ट करने वालों को ट्रैक किया जाता है, इसके कारण भी लोगों को बहुत डर लगने लगा है कि अगर किसी ने उनके एकाउंट को हैक कर मिसयूज किया तो वे फंस सकते हैं। इस कारण आम लोग भी अब बहुत सतर्क हो गए हैं और अपनी प्रोफाइल लॉक करके रखना सही समझते हैं। कई लोग 'डिजिटल लिंचिंग' से बचने के लिए अपनी प्रोफाइल लॉक कर देते हैं ताकि कोई उनके पुराने पोस्ट न खोज सके। कुछ बैंकिंग और वित्तीय कारण भी हैं, क्योंकि आधार, बैंक अकाउंट, सरकारी सब्सिडी आदि से जुड़ी जानकारी लीक होने का डर तेजी से बढ़ रहा है।

उभर रहा डिजिटल अंडरग्राउंड: इस बढ़ते ट्रेंड की वजह से लगता है, जैसे धीरे-धीरे सोशल मीडिया, ओपन से क्लोज्ड स्पेस की ओर बढ़ रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग प्राइवेट ग्रुप्स, टेलीग्राम चैनल्स और एनक्रिप्टेड चैट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। लॉक प्रोफाइल एक नए डिजिटल अंडरग्राउंड की तरह उभर रही है। डिजिटल अंडरग्राउंड यानी, एक ऐसी ऑनलाइन दुनिया, जो मुख्यधारा के खुले इंटरनेट से कटकर निजी, हिडेन और प्रोटेक्टेड प्लेटफॉर्म्स पर शिफ्ट हो रही है। *

गजल

अब्दुल कलाम

...जो होना था

लाख चाहा मगर हुआ वही जो होना था
अपनी तकदीर में लिखा फकत रोना था
किसी को हासिल थे तख्त व ताज यहां
कहीं फुटपाथ पर अखबार ही बिछौना था
सुनकर ही कलेजा मुंह को आ गया
मंजर आतंक का कुछ इस कदर घिनौना था
तब कहीं जाकर दुआ कबूल होती
अपना दामन हमें आसुओं से भिगोना था
बरसात में टपकती हुई छत के नीचे
नहीं महफूज घर में कोई कोना था
उन्हें सुविधा मिली और वे ही नामवर हुए
जिनको इस जहां में नफरत की फसल बोना था

कहानी / सुधा रानी तैलंग

चौकीदार अम्मा

एक बिल्डर के यहां चौकीदारी करने वाली बूढ़ी अम्मा का एक बेटा तो था, लेकिन वह उनसे अलग रहता था। हालांकि कहने को अम्मा जी की देख-भाल करने वाले बहुत से अपने लोग थे, लेकिन सच यही था, वह एक पीड़ा के साथ अपनी जिंदगी जी रही थीं। एक मर्मस्पर्शी कहानी।

ठिगना कद, घुंघराले बाल, गेहुंआ रंग, चश्मे से झांकती हुई अनुभवी आंखें, लांगदार किनारे वाली साड़ी, पैरों में मर्दाना जूते और हाथ में बड़े डायल की पुरानी घड़ी, चौकीदार अम्मा की यही पहचान थी। उनका नाम तो शायद किसी को भी पता नहीं था, लेकिन पूरी कॉलोनी में वह चौकीदार अम्मा के नाम से ही पहचानी जाती थीं।

छत्रसाल कॉलोनी में एक बिल्डर के यहां अम्मा चौकीदारी का काम बरसों से कर रही थीं। बिल्डर के जितने भी प्रोजेक्ट होते थे, उन सबकी जिम्मेदारी वह एक बुजुर्ग महिला होने के बाद भी पूरी कर्मठता से निभा रही थीं। पैंसठ साल की उम्र में भी अम्मा में गजब की फुर्ती और आवाज में रौब था। उनकी एक ही आवाज से मजदूरों के रुके हुए हाथ काम करना शुरू कर देते थे। लेकिन मजदूर उनकी बहुत इज्जत भी करते थे। कितना सीमेंट, पत्थर, चूना, ईंटें में खर्च हो रहा है, इसका हिसाब मुंह जुबानी बता देती थीं। अम्मा कभी स्कूल नहीं गई थीं, लेकिन हिसाब-किताब में वह पढ़े-लिखे लोगों को भी मात कर देती थीं। अम्मा के कहने को तो एक बेटा था, वह अच्छी नौकरी में था, किंतु शादी के बाद वह अलग रहने लगा। एक ही घर में बहू-बेटे से अलग रहना स्वाभिमानी अम्मा को गवारा नहीं हुआ, वह अपना घर छोड़ कर चुपचाप चली आईं। अम्मा बताया करती हैं कि उनके पति प्राइवेट नौकरी में थे। अचानक ही एक रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई। बेटा अमर जब तक स्कूल में पढ़ता रहा। उन्होंने घरों में काम-काज करके बेटे को पढ़ाया-लिखाया। बेटे की नौकरी लगने के बाद उसकी शादी भी कर दी, यही सोचकर कि अब उनके सुख के दिन आएंगे। लेकिन कुछ ही दिनों बाद बहू ने उनसे स्पष्ट शब्दों में ही कह दिया कि वह उनके साथ एडजस्ट नहीं कर पाएंगी। बेटे की खुशी के लिए उन्होंने अपना ही घर-बार छोड़ दिया और एक बिल्डर के यहां काम करने लगीं। अपनी ईमानदारी और मेहनत के बल पर अम्मा चौकीदारी के साथ दूसरे और कई काम भी संभालती थीं। बिल्डर को उन पर बहुत विश्वास था।

कॉलोनी के कोने के एक खाली प्लॉट में अम्मा का टीन शेड वाला एक कमरा था, उसमें एक मूंज की बुनी हुई खाट, प्लास्टिक की कुर्सी, छोटा-सा एक बर्नर वाला गैस का चूल्हा, कुछ बर्तन, रस्सी में टंगे कपड़े ओर एक छोटा-सा ट्रांजिस्टर ही अम्मा की पूंजी थी। ट्रांजिस्टर से उनको बहुत लगाव था। सुबह छह बजे से उसमें चिंतन, भजन, हनुमान चालीसा के अलावा बुंदेलखंडी लोकगीतों को सुनते हुए आठ बजे तक उनकी काम में जाने की तैयारी हो जाती। दिन भर बिल्डर के यहां काम करने के बाद शाम को जब काम खत्म हो जाता, अम्मा अपने कमरे में आकर खाना बनातीं और खाना खाकर सामने के पार्क में जाकर बैठ जातीं।

अम्मा के वहां पहुंचते ही बच्चों की भीड़ उनको घेर लेती। अम्मा उन्हें कभी परियों की कहानी सुनातीं तो कभी भक्त प्रह्लाद, ध्रुव, राम, कृष्ण, बाल गणेश की कथाएं सुनातीं तो कभी झांसी की रानी, दुर्गावती, भगत सिंह, गांधी, सुभाष, की जीवन गाथा सुनातीं। कई बार बच्चों को भी ताज्जुब होता था कि लोग तो कहते हैं कि अम्मा पढ़ी-लिखी नहीं हैं फिर भी इनको इतना ज्ञान कैसे है? अम्मा कॉलोनी के बच्चों की बेस्ट फ्रेंड की तरह थीं।

उनकी एक ही आवाज में बच्चे इकट्ठे हो जाते थे। कई बार तो कॉलोनी की औरतें अम्मा से कहतीं, 'अम्मा जी, आपने पता नहीं क्या जादू कर रखा है बच्चों पर, ये हमारा तो कहना ही नहीं मानते और आपकी हर बात खुशी-खुशी मानते हैं। कुछ महिलाएं तो अम्मा से अपने बच्चों की शिकायत करतीं, 'अम्मा आपका लाडला जब देखों तब पिज्जा, बर्गर, मोमोज ही खाने की जिद करता है, अब आप ही इसे समझाइए।' फिर अम्मा बड़े प्यार से बच्चों को समझातीं, 'देखो बच्चो, तुम पिज्जा, बर्गर और मोमो खाओगे तो कैसे स्वस्थ रहोगे। तुम्हें तो हरी सब्जी, फल, दूध और घर का ही बना खाना चाहिए। पौष्टिक खाना खाओ, खूब खेलो और खूब पढ़ो। अपनी अम्मा की बात मानोगे तो मजे से रहोगे।' ये सुनते ही बच्चे समवेत स्वर में बोलते, 'जरूर मानेंगे।'

अगर एक दिन भी अम्मा रात को पार्क में नहीं पहुंचतीं तो बच्चे उनको बुलाने उनके कमरे में पहुंच जाते। किसी दिन अम्मा जरा भी बीमार हो जातीं तो कोई बच्चा उनके लिए दवाई, तो कोई चाय, दूध और खाना लेकर पहुंच जाता। बच्चों का इतना प्यार देख कर अम्मा की आंखों में भी आंसू आ जाते। उन्हें अपने बेटे की याद आ जाती। एक दिन पता चला कि बिल्डर के प्रोजेक्ट का काम पूरा होने वाला है। कॉलोनी में सभी को चिंता थी कि काम पूरा होते ही बिल्डर के दूसरे प्रोजेक्ट की साइट पर अम्मा भी यहां से चली जाएंगी।

अम्मा के बिना तो कॉलोनी ही सूनी हो जाएगी। उनके बच्चों को जो संस्कार, प्यार, अपनापन मिल रहा है, वो अम्मा के जाने के बाद कहां मिल पाएगा।

गर्मियों के दिन थे। सुबह का वक्त था। अचानक ही चक्कर खाकर चौकीदार अम्मा बिल्डिंग की सीढ़ियों से गिर गईं। बिल्डर ने तुरंत उनको हॉस्पिटल पंहुचाया। अम्मा के हाथ में फ्रेक्चर था। बिल्डर के साथ-साथ कॉलोनी के सभी बच्चों के परिवार वालों ने भी उनके इलाज में कोई कमी नहीं रखी। जब तक अम्मा आईसीयू में रहीं, तब तक कॉलोनी के सारे बच्चे शिव मंदिर में भगवान से उनके ठीक होने की मन्नत मानते रहे। अम्मा के ठीक होने पर बच्चों की टोली अम्मा से मिलने हॉस्पिटल पहुंच गई। नींद में उनके मुंह से कई बार अमर शब्द सुनकर डॉक्टर ने पूछा, 'यह अमर कौन है?'

किसी ने बताया कि उनका बेटा है। डॉक्टर ने एक बार उन्हें बुलाने को कहा। कॉलोनी के बच्चों ने बिल्डर से पूछ कर अम्मा के बेटे अमर का पता लगाया। वे उसके पास गए। उन्होंने अम्मा के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बारे में बताया, उससे रिक्वेस्ट की, वह अम्मा के पास चलें। छोटे-छोटे बच्चों के आग्रह ने असर दिखाया। अमर सोचने लगा कि छोटे-छोटे पराए बच्चों को भी कुछ ही समय में मां ने प्यार से अपना बना लिया है। एक वह है, बाबूजी के जाने के बाद मां ने मेहनत, मजदूरी करके उसे पढ़ाया-लिखाया, अपने पैरों पर खड़ा किया। अपनी शादी की, शादी के बाद वह स्वार्थ में इतना अंधा हो गया कि अपने फर्ज को भूल गया। अपनी गलती पर अमर मन ही मन में बहुत शर्मिंदा था।

अमर की पत्नी ने अमर से कहा, 'देर मत करो। अम्मा जी के पास चलो।' अमर पत्नी और अपने बेटे बंटी के साथ हॉस्पिटल गया। अम्मा ने जब उनको देखा तो वह खुशी से रो पड़ीं। बेटे, बहू ने अम्मा से माफी मांगी। अम्मा ने उनको गले लगा लिया। बेटे के साथ अपने पोते बंटी को देखते ही उनकी आधी बीमारी तो ठीक हो गई। हॉस्पिटल से छुट्टी मिलते ही अमर अम्मा को अपने साथ ले गया। सबकी आंखों में आंसू थे।

जो काम बरसों तक अम्मा खुद नहीं कर पाईं, वो छोटे-छोटे बच्चों ने कर दिखाया। कॉलोनी से जाते वक्त अम्मा के हाथ में ढेर सारे गिफ्ट थे, जो बच्चों ने मिलकर अपनी प्यारी अम्मा को दिए थे। जाते-जाते बच्चों ने अम्मा से रिटर्न गिफ्ट में एक प्रॉमिस लिया कि वह हर रविवार को उनसे मिलने जरूर आएंगी। अम्मा के चले जाने के बाद कॉलोनी सूनी वीरान-सी हो गई, लेकिन वो बच्चों से मिलने रविवार के दिन पार्क में आतीं। तब पूरी कॉलोनी अम्मा की कहानियों के बोल के साथ, बच्चों के ठहाकों से गूंज उठती थी। *

प्रज्ञानानंदा ने जीता सुपरबेट शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट

बुकारेस्ट। भारत के आर प्रज्ञानानंदा ने अलीरेजा फिरोजा और मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव के साथ रोमांचक टाइब्रेक प्लेआफ मुकाबला जीतकर सुपरबेट शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट अपने नाम किया। जीत के बाद प्रज्ञानानंदा ने एक्स पर लिखा, 'अविश्वसनीय अनुभव। अभी अभी बुकारेस्ट में सुपरबेट शतरंज क्लासिक टूर्नामेंट जीता। मेरी टीम और सहयोगियों को लगातार हौसलाअफजाई करने के लिए धन्यवाद।' प्रज्ञानानंदा, वाचियेर लाग्रेव और फिरोजा नौ दौर के बाद 5.5 अंक लेकर बराबरी पर थे जिससे विजेता का फैसला त्रिकोणीय टाइब्रेकर से हुआ। टाइब्रेकर में पहली दो बाजियां ड्रॉ रहने के बाद प्रज्ञानानंदा ने तीसरी बाजी और खिताब जीता। भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश चार अंक लेकर नौवें स्थान पर रहे। अब ग्रैंड शतरंज टूर का अगला टूर्नामेंट सुपर युनाइटेड रैपिड और ब्लिट्ज एक जुलाई से क्रोएशिया में खेला जाएगा।

अवनि बनीं फिडे रेटिंग चैंपियन

मुंबई। कर्नाटक की अवनि उडिपी शनिवार को यहां अखिल भारतीय शतरंज मास्टर्स फिडे रेटिंग टूर्नामेंट में महाराष्ट्र के मयूरेश पारकर के मुकाबले बेहतर टाईब्रेकर स्कोर के आधार पर चैंपियन बनीं। बीस वर्षीय अवनि (फिडे रेटिंग 1669) ने पारकर (फिडे रेटिंग 1757) के समान सात अंक हासिल किए। मुख्य निर्णायक अजिंक्य पिंगले ने उन्हें विजेता घोषित किया। अवनि ने 36.5 का टाई-ब्रेक स्कोर हासिल किया जबकि पारकर ने 32 का स्कोर बनाया। छह प्रतियोगियों ने 6.5 अंक हासिल करके तीसरे से आठवें स्थान पर जगह बनाई।

इटैलियन ओपन

सिनर-अल्कारेज के बीच होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी ⏭ रोम

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने शुक्रवार रात को यहां टॉमी पॉल के खिलाफ पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए इटैलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनकी भिड़ंत कार्लोस अल्कारेज से होगी।

सिनर ने दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल को सेमीफाइनल में 1-6, 6-0, 6-3 से हराया। वह 1976 में एड्रियानो पेनेटा के बाद रोम ट्रॉफी जीतने वाला इटली का पहला पुरुष खिलाड़ी बनने के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। इससे पहले अल्कारेज ने लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ 6-3, 7-6 की आसान जीत के साथ खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अल्कारेज ने सिनर के खिलाफ अक्टूबर में चीन ओपन के दौरान दोनों खिलाड़ियों के बीच हुआ पिछला मुकाबला टाईब्रेकर में जीता था। सिनर हालांकि अल्कारेज के खिलाफ उस हार के बाद से लगातार 26 मैच जीत चुके हैं। अल्कारेज ने सिनर के खिलाफ अब तक 10 में से छह मुकाबले जीते हैं जबकि चार में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

खबर संक्षेप

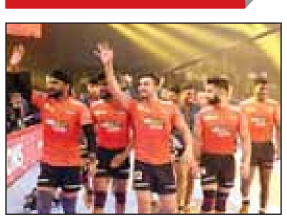

यू मुंबा ने कोर टीम को बरकरार रखा

मुंबई। सुनील कुमार प्रो कबड्डी लीग में यू मुंबा की अगुवाई करना जारी रखेंगे, जिसमें टीम ने टूर्नामेंट के 12वें सत्र के लिए रेडर रोहित राघव सहित अपने नौ प्रमुख खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। दायीं ओर से डिफेंडर की भूमिका निभाने वाले सुनील पीकेएल इतिहास में सबसे सफल कप्तान हैं तो वहीं राघव पिछले सत्र में टीम के लिए तुरूप का इक्का बनकर उभरे थे। नीलामी में किसी भी फ्रेंचाइजी से बोली हासिल करने में नाकाम रहे राघव ने चोटिल खिलाड़ी के विकल्प के तौर पर टीम से जुड़कर पिछले सत्र में 68 रेड पॉइंट और 11 टैकल पॉइंट के साथ प्रभावित किया था।

जीव आयरिश लीजेंड्स में संयुक्त चौथे स्थान पर

किलकेनी। भारतीय गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने यहां 'आयरिश लीजेंड्स गोल्फ टूर्नामेंट' के दूसरे दिन पांच अंडर 67 का संयुक्त रूप से दिन का सबसे बेहतर कार्ड खेला जिससे वह दो दौर के खेल के बाद संयुक्त चौथे स्थान पर है। उन्होंने पहले दौर में 70 का कार्ड खेला था जिससे उनका कुल स्कोर सात अंडर का है। उनके और तालिका में शीर्ष पर काबिज कीथ हॉर्न (65-68) के बीच चार शॉट का फासला है। जीव पिछले साल इस स्पर्धा में संयुक्त आठवें स्थान पर रहे थे।

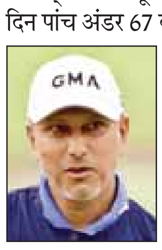

भारत जीत का मजबूत दावेदार

यूपिया। भारतीय टीम सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप के फाइनल में रविवार को यहां चिर-परिचित प्रतिद्वंद्वी बांग्लादेश के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश टूर्नामेंट में अब तक के दबदबे वाले अजेय क्रम को जारी रखने की होगी। ग्रुप चरण में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद भारत जीत का प्रबल दावेदार है। टीम ने ग्रुप चरण में श्रीलंका को 8-0 और नेपाल को 4-0 से धूल चटाने के बाद सेमीफाइनल में मालदीव को 3-0 से रौंदा। बांग्लादेश भी अब तक अजेय है। उसने मालदीव के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला।

युकी और गैलोवे सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के युकी भांबरी और उनके अमेरिकी जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे ने शनिवार को क्वेंटिन हैलिस और अल्बानो ओलिवेटी की गैरवरीयता प्राप्त फ्रांसीसी जोड़ी को सीधे सेट में हराकर बॉरडॉक्स चैलेंजर के पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत और अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने एक घंटे आठ मिनट चले मुकाबले में अपने गैरवरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों पर 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की।

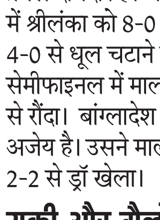

आईपीएल : रॉयल्स की टीम मौजूदा सत्र में कर रही औसत प्रदर्शन

पंजाब की नजरें प्ले ऑफ पर, प्रतिष्ठा बचाने आज उतरेगा राजस्थान रॉयल्स

एजेंसी ⏭ जयपुर

पंजाब किंग्स की टीम रविवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक और शानदार प्रदर्शन के साथ प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। रॉयल्स की टीम मौजूदा सत्र में अच्छे खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद औसत प्रदर्शन भी नहीं कर पाई है। एक सप्ताह के ब्रेक के बाद सवाई मानसिंह स्टेडियम में वापसी करते हुए श्रेयस अय्यर की टीम आठ मई के उस बुरे सपने को भूलने की उम्मीद करेगी जब भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल के खिलाफ उनका मैच रद्द करना पड़ा और खिलाड़ियों को अंधेरे में अपने ड्रेसिंग रूम में लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस और जोश इंगलिस टीम में फिर से शामिल होने के लिए सहमत हो गए हैं लेकिन वे आईपीएल के बहाल होने के बाद पंजाब के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे जिससे टीम को अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ सकता है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा वापस बुलाए गए तेज गेंदबाज मार्को यानसेन की अनुपस्थिति पंजाब की टीम को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाएगी।

फार्म में बल्लेबाज

पंजाब के पास कप्तान अय्यर, सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह और नेहल वढेरा की मौजूदगी में भारतीय खिलाड़ियों का एक मजबूत दल है और भारत-पाकिस्तान तनाव के बाद विदेशी खिलाड़ियों के जाने के बावजूद टीम पर अधिक असर नहीं पड़ा है। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और फॉर्म में चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल से टीम को काफी उम्मीद होगी।

मेजबान प्लेऑफ से बाहर

मेजबान टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और 12 मैच में केवल तीन जीत के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। रॉयल्स की टीम अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने आखिरी मैच में जीत दर्ज करना चाहेगी लेकिन इसके लिए उसे अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा क्योंकि उसने अपने पिछले पांच में से चार मैच गंवाए हैं।

गुजरात की मजबूत टीम से होगी दिल्ली की भिड़ंत

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण अपने पिछले मैच के अचानक स्थगित होने का झटका झेलने वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम रविवार को यहां आईपीएल तालिका में शीर्ष पर चल रहे गुजरात टाइटन्स से भिड़ेगी तो उसकी कोशिश गेंदबाजी की चिंताओं को दूर करने और फिर से एकजुट होने की होगी जिससे कि प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवंत रख सके। दिल्ली ने अपने पिछले पांच मैच में तीन गंवाए हैं और एक मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा। टूर्नामेंट फिर से शुरू किया जा रहा है लेकिन कई विदेशी खिलाड़ी अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए वापस नहीं आ रहे जिससे फ्रेंचाइजी को अपनी टीम में बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा। टीम को उस समय बड़ा झटका लगा जब शीर्ष तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने बाकी सत्र के लिए वापस नहीं लौटने का फैसला किया।

नीरज ने जताई

मैं फिट... चोटमुक्त, और 90 मीटर से अधिक भाला फेंकने पर नजर

एजेंसी ⏭ दोहा

राहत और खुशी के साथ-साथ थोड़ी निराशा भी महसूस कर रहे भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि अब जबकि वह 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं तो वह और आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। उनका शरीर अब उन चोट से लगभग मुक्त हो गया है जो पिछले कुछ वर्षों से उन्हें परेशान कर रहीं थी।

दोहरे ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्षीय नीरज ने तीसरे प्रयास में भाले को 90.23 मीटर तक पहुंचाया नीरज ने स्पर्धा के बाद कहा, 'मैं 90 मीटर के प्रयास से बहुत खुश हूं लेकिन यह असल में थोड़ा खट्टा-मीठा अनुभव है। लेकिन कोई बात नहीं मैं और मेरे कोच अब भी मेरे थ्रो के कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं। हमने इस साल फरवरी में ही साथ काम करना शुरू किया था। मैं अब भी चीजें सीख रहा हूं।' जेलेजनी के नाम 98.48 मीटर तक भाला फेंकने का विश्व रिकॉर्ड है और वह आमतौर पर डाइमंड लीग में नहीं जाते लेकिन चेक गणराज्य का यह कोच चोपड़ा के साथ यहां आया था क्योंकि उन्हें लगा था कि इस प्रतियोगिता में 90 मीटर के आंकड़े को पार किया जा सकता है।

अब ग्रोइन की समस्या नहीं

नीरज ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों से मुझे हमेशा ग्रोइन में कुछ महसूस होता था। इस वजह से मैं अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे पाया। इस साल मैं बहुत बेहतर महसूस कर रहा हूं। हम कुछ पहलुओं पर भी काम करेंगे और इसलिए मेरा मानना है कि मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप से पहले की प्रतियोगिताओं में 90 मीटर से अधिक भाला फेंक सकता हूं।'

अगला लक्ष्य भी 90 मीटर

विश्व चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित की जाएगी जिसमें हरियाणा के नीरज गत चैंपियन हैं। अब जब 90 मीटर का आंकड़ा पार हो गया है तो अपने अगले लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर नीरज ने कहा, 'मेरा अगला लक्ष्य 90 मीटर ही है। मुझे लगता है कि मैं और आगे फेंकने के लिए तैयार हूं। यह एक लंबे सत्र की शुरुआत है।' नीरज ने कहा कि यहां की परिस्थितियों ने उन्हें बड़े थ्रो करने में मदद की क्योंकि हवा चल रही थी।

जूनियर निशानेबाज पहले विश्व कप के लिए तैयार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत के 40 निशानेबाजों और सहयोगी स्टाफ का पहला जत्था जर्मनी के सुहल में जूनियर अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी कैलेंडर के पहले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए शनिवार को रवाना होगा। प्रतिस्पर्धा 20 मई से शुरू होकर 26 मई को समाप्त होंगी। भारत पिछले साल तीन जूनियर आईएसएसएफ टूर्नामेंट में से दो में शीर्ष पर रहा था। इस साल भारत ने 57 निशानेबाजों का बड़ा दल उतारा है जिनके साथ 21 कोच और सहयोगी स्टाफ होंगे। अब 38 सदस्यों (28 निशानेबाज और 10 सहयोगी स्टाफ) का दूसरा जत्था रविवार को रवाना होगा।

एस्टन विला और चेल्सी जीते, चैंपियंस लीग क्वालीफाई करने की बढ़ी उम्मीद

एजेंसी : बर्मिंघम

एस्टन विला और चेल्सी ने अपने घरेलू मुकाबलों में जीत दर्ज करके प्रीमियर लीग फुटबॉल में शीर्ष पांच में रहने और अगले साल होने वाली चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद बढ़ा दी।

पश्चिम मध्य रेल

निविदा रद्द करने की सूचना

निम्नलिखित निविदाएँ तकनीकी कारण से निरस्त कर दी गई हैं।, **निविदा सूचना क्रमांकः**डी.आर.एम.डब्लयू-जे.बी.पी-82-2025 दिनांक 09.05.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** खुरई-बीना-कटनी सेक्शन के खुरई स्टेशन पर पुराने एफओबी का पुनर्निर्माण।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 2,19,70,465/-,**निविदा खुलने की तिथिः** 03.06.2025

(हस्ता.)

मंडल रेल प्रबन्धक (कार्य),प.म.रे.,जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

ESB मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल

(मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग)

''चयन भवन'', चिनार पार्क (ईस्ट), मेन रोड नं. 1, भोपाल-462011

समूह-1 उप समूह-3 संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 की स्थगित प्रथम पॉली की पुन: परीक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा दिनांक 15.05.2025 को आयोजित **''समूह-1 उप समूह-3 संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024''** की प्रथम पॉली में तकनीकी समस्या होने के कारण प्रथम पॉली की परीक्षा को स्थगित किया गया था। उक्त परीक्षा प्रदेश के 11 परीक्षा शहरों में 42 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जानी थी, जिसकी प्रथम पॉली में 10704 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। उक्त प्रथम पॉली/शिफ्ट के समस्त 10704 अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि परीक्षा की स्थगित प्रथम पाली की पुन: परीक्षा **दिनांक 23.05.2025 को** आयोजित की जायेगी। अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र मण्डल की अधिकृत वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** से डाउनलोड कर सकते हैं।

विज्ञापन क्रमांक - 58/2025

म.प्र. माध्यम/120158/2025 संचालक

Change of Name

I, PRADEEP KUMAR SHUKLA S/O JAY PRAKESH SHUKLA R/O village Bhuari Post Patehra Basti Bani dist Rewa , Madhya Pradesh-486335 , I have changed the name of my minor son namely Ansh Shukla aged 9 years and he shall hereafter be known as SHASHWAT SHUKLA. AFFIDAVIT NO. BV 213633

कार्यालय नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा (म.प्र.)

शुक्ला ग्राउण्ड के पास वार्ड नं. 39 छिंदवाड़ा 480001
दूरभाष एवं फैक्स नंबर:-07162-222346
ई-मेल:- commchhindwara@mpurban.gov.in
commissioner.chhindwara.mpurban@gmail.com
बेबसाईट:- chhindwaranagarnigam.com

क्रमांक/1092/ लोनिवि/नपानि/2025 // निविदा सूचना// छिंदवाड़ा दिनांक 16/5/25

एतद् द्वारा शासकीय विभागों के उपयुक्त तथा सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	लागत राशि कार्य की समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_424098_1 Dated 17-05-2025	सीमेन्ट कांक्रीट ब्लॉक उपलब्ध कराये जाने का कार्य।	5,24,000 4 Month	4000	18.06.25

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

आयुक्त नगर पालिक निगम, छिंदवाड़ा

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र. - 1, जबलपुर

प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश शासन, लोक निर्माण विभाग मंत्रालय भोपाल के आदेश क्रमांक एफ 1/1/4/0022/2025/स्था./19 भोपाल, दिनांक 14.05.2025 द्वारा यंत्रीगणों की प्रशासकीय आधार पर नवीन पदस्थापना की गई है। उक्त आदेश के विरूद्ध माननीय उच्च न्यायालय से स्थगन प्राप्त किये जाने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए माननीय उच्च न्यायालय में केविएट दायर की जा रही है।

कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ / स) संभाग क्रं. - 1, जबलपुर

G-12966/25 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय नगर पालिका परिषद् धनपुरी जिला - शहडोल म.प्र.

क्रमांक/न.पा./भण्डार / 2025-26 / 320 **ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना** धनपुरी,दिनांक:-15/5/20235

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनाँक एवं टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	317-DATE-15-05-2025 2025_UAD_424111_1	Supply of Electrical items session 2025-26.	210 दिवस 85.00 लाख	10000/- एवं 64000/-	16/06/2025 05:30 PM
2	310-DATE-15-05-2025 2025_UAD_423923_1	Supply of water supply items session 2025-26.	210 दिवस 45.00 लाख	5000/- एवं 34000/-	16/06/2025 05:30 PM
3	310-DATE-15-05-2025 2025_UAD_423926_1	SUPPLY OF REPAIRING MATERIAL FOR SUMBERSSIBLE PUMP AND CONTROL PANNEL BOARD Session 2025-26.	210 दिवस 35.00 लाख	5000/- एवं 26500/-	16/06/2025 05:30 PM
4	310-DATE-15-05-2025 2025_UAD_423931_1	Inviting tender for printing flex and banner. (Session 2025-26)	210 दिवस 9.50 लाख	2000/- एवं 9500/-	02/06/2025 05:30 PM

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् धनपुरी जिला - शहडोल म.प्र.

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर

लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्वसबंधितो को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना कमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत मेसर्स आई.एस.सी. प्रोजेक्ट लिमि., खुर्सी स्टोन क्वारी माईनिंग ऑफ मिनरल्स, खसरा क्रमांक 03 पार्ट, ग्राम खुर्सी, तहसील एवं जिला जबलपुर, लीज क्षेत्रफल 2.0 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता स्टोन बोल्डर 54,536 घनमीटर प्रतिवर्ष, एम.सेन्ड. 16,360 घनमीटर प्रतिवर्ष, एव मुरूम 4,592 घन मीटर प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुकम मे लोक सुनवाई कराने हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल मे आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई. ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में सॉफ्ट कॉपी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर जबलपुर, (2) कार्यालय जिला पंचायत, जबलपुर, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उघोग केन्द्र जबलपुर, (4) कार्यालय ग्राम पंचायत ग्राम खुर्सी, तहसील एवं जिला जबलपुर, (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड 'प्लॉट नं 455/456 विजयनगर जबलपुर में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की बेवसाइड www.mppcb.nic.in पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर जबलपुर(म.प्र.)के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय मे प्रस्तुत की जा सकती है। इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 27/06/2025 दिन शुकवार को प्रातः 11:00 बजे मेसर्स आई.एस.सी. प्रोजेक्ट लिमि., खुर्सी स्टोन क्वारी माईनिंग ऑफ मिनरल्स, ग्राम खुर्सी, तहसील एवं जिला जबलपुर जिला जबलपुर, के खदान परिसर में आयोजित की जायेगी जिसमे भी सुझाव, विचार, टीका/टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

केन्ट सीईओ ने दर्ज कराई शिकायत

कैंटोनमेंट क्षेत्र में अवैध निर्माण रोकने गई टीम पर हमला

हरिभूमि जबलपुर।

कैंटोनमेंट क्षेत्र में अवैध निर्माण के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। स्थिति अब इतनी गंभीर हो चुकी है कि अवैध निर्माणकर्ताओं द्वारा कैंट बोर्ड के कर्मचारियों पर हमला करने जैसी घटनाएं सामने आने लगी हैं। ताजा मामला महावीर कंपाउंड स्थित बंगला नंबर 44 का है, जहां अवैध निर्माण की सूचना पर पहुंचे कैंट बोर्ड कर्मचारियों पर भवन मालिक और उसकी पत्नी ने न सिर्फ गालियां दीं, बल्कि धक्का-मुक्की कर हमला भी किया। कैंट बोर्ड प्रशासन को सूचना मिली थी कि बंगला नंबर 44 में अवैध रूप से निर्माण कार्य किया जा रहा है। सीईओ के निर्देश पर जब एक टीम मौके पर भेजी गई, तो पता चला कि वजीउद्दीन नामक व्यक्ति द्वारा ग्राउंड फ्लोर के ऊपर दूसरी मंजिल का निर्माण कार्य चलाया जा रहा है।

गौरतलब है कि वजीउद्दीन को पहले ही 1 मई को कैंटोनमेंट एक्ट 2006 की धारा 248(1) के अंतर्गत नोटिस दिया जा चुका था। लेकिन उन्होंने न तो निर्माण कार्य रोका और न ही किसी प्रकार की अनुमति ली। इसके उलट, उन्होंने निर्माण कार्य तेज करते हुए आरसीसी पिलर और सेंटिंग का काम शुरू कर दिया था।

कर्मचारियों पर किया हमला

कैंट सीईओ द्वारा पुलिस को दी गई लिखित शिकायत के अनुसार, गत शाम 5:05 बजे कैंट बोर्ड के ड्राफ्ट्समैन नितेश पटेरिया और चैकीदार सुशील कल्याण अवैध निर्माण स्थलों का निरीक्षण करने पहुंचे थे। जब वे वजीउद्दीन के मकान पर पहुंचे, तो देखा कि अवैध निर्माण जारी है। कर्मचारियों ने जब मोबाइल से निर्माण की तस्वीरें लेने की कोशिश की, तो वजीउद्दीन और उसकी पत्नी ने विरोध करते हुए न सिर्फ फोटो लेने से रोका, बल्कि गाली-गलौज करते हुए उन पर हमला भी कर दिया। इसके बाद कैंट बोर्ड सीईओ द्वारा थाने में लिखित शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

नजारा देखने लोगों की लगी भीड़

भटकते हिरणों का झुंड पहुंचा बिलहरी

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर के कैंट क्षेत्र स्थित बिलहरी में शनिवार दोपहर एक अलग ही नजारा देखने को मिला, जब जंगल से भटके हुए हिरणों का एक झुंड मुख्य मार्ग के समीप देखा गया। यह दृश्य दोपहर करीब 3.30 बजे का था, जब लोगों की नजर झाड़ियों से निकलते हुए इन शर्मीले वन्यजीवों पर पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोराबाजार-बिलहरी मार्ग पर स्थित प्रसिद्ध शारदा मंदिर के समीप झाड़ियों के बीच करीब 7 से 8 हिरणों को देखा गया। गर्मी के बावजूद दिन के उजाले में हिरणों का इस तरह से बाहर आना एक असामान्य दृश्य था, क्योंकि हिरण स्वभाव से अत्यंत संकोची और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों से दूर रहने वाले जीव माने जाते हैं।

हिरणों की मौजूदगी ने राहगीरों को चौंका दिया। कई लोग अपने वाहन रोककर उन्हें देखने लगे, कुछ ने अपने मोबाइल कैमरों में इस दुर्लभ दृश्य को कैद किया। आसपास के लोगों में भी इन वन्य प्राणियों को देखकर उत्सुकता का माहौल बन गया। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, यह घटना जंगलों के सीमित होते क्षेत्र और जल स्रोतों के सूखने की समस्या की ओर संकेत करती है। गर्मी के दिनों में जंगलों में पानी की उपलब्धता कम होने के कारण हिरण जैसे वन्यजीव अक्सर पानी और भोजन की तलाश में मानव बस्तियों के करीब आ जाते हैं।

वन विभाग को सूचना मिलने के बाद उनकी टीम मौके पर पहुंची और हिरणों की दिशा का पता लगाने तथा उन्हें सुरक्षित रूप से जंगल की ओर वापस भेजने की प्रक्रिया में जुट गई।

स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे ऐसे मौकों पर वन्यजीवों को डराने या उनके पास जाने की कोशिश न करें, बल्कि वन विभाग को तुरंत सूचना दें, जिससे उन्हें सुरक्षित तरीके से उनके प्राकृतिक आवास में वापस भेजा जा सके।

चेक बाउंस मामले में 6 माह का कारावास 2.5 साल में न्याय

जबलपुर। जमीन के सौदे में पैसा लेने के बाद सौदा रद्द होने पर पैसा वापस करने की स्थिति में अभियुक्त सत्येंद्र विश्वकर्मा द्वारा चेक जारी किया गया था, जो कि बाउंस हो गया, अभियुक्त सत्येंद्र विश्वकर्मा व उसके पिता अभियुक्त मदन विश्वकर्मा के विरुद्ध परिवादी रविंद्र कुमार मेहता द्वारा चेक बाउंस का केस सन 2022 में दायर किया गया था। जिसके पश्चात अभियुक्तगण के विरुद्ध न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री राखी साहू जबलपुर म.प्र. के द्वारा अंतिम आदेश दिनांक 13.05.2025 को पारित किया गया जिसमें अभियुक्त मदन विश्वकर्मा का चेक न होने के कारण उसे दोषमुक्त किया और अभियुक्त सत्येंद्र विश्वकर्मा को 06 माह के कारावास के साथ 5,90,000/- (पांच लाख नब्बे हजार रुपये) का प्रतिकर परिवादी को अदा करने का आदेश पारित किया गया तथा प्रतिकर अदा करने के व्यतिक्रम में अभियुक्त को तीन माह का पृथक से कारावास भुगतने का आदेश पारित किया गया। परिवादी कि ओर से विशेष तर्क के साथ अधिवक्ता शिवम गुप्ता, अधिवक्ता ए.के.भगत एवं अन्य ने पैरवी कि है ।

चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने कहा कि सभी भर्तियां इस याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगी

सिविल जज भर्ती पर रोक का आदेश संशोधित, हाईकोर्ट ने तीन माह के भीतर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने पूर्व में दिए सिविल जज भर्ती प्रक्रिया पर स्थगन आदेश में संशोधन करते हुए आगामी तीन माह के भीतर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने कहा कि सभी भर्तियां इस याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगी। हाईकोर्ट ने 24 जनवरी को भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने 3 मार्च 2025 को देश भर की अदालतों में सिविल जज के रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिए थे। इसी के मद्देनजर हाईकोर्ट ने पूर्व आदेश को संशोधित किया। एडवोकेट यूनियन फॉर डेमोक्रेसी एण्ड सोशल जस्टिस के सचिव राम गिरीश वर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर तथा विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखा। दरअसल, हाईकोर्ट ने 17 नवंबर 2023 को व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खंड (प्रवेश स्तर) के 06 पद दिव्यंगों सहित कुल 138 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। विज्ञापन के अनुसार अनारक्षित वर्ग के 31 तथा अनारक्षित वर्ग बैकलॉग 17 पद, एसससी के 09 तथा बैकलॉग 11 पद, एसटी के 12 बैकलॉग, ओबीसी के 09 बैकलॉग के 01 पद शामिल किए थे। इसमें ओबीसी वर्ग को किसी भी प्रकार की छूट नहीं गई थी। दलील दी गई थी कि अनारक्षित वर्ग का कभी बैकलॉग नहीं होता है एवं साक्षात्कार मे निर्धारित 50 मे से 20 अंको की अनिवार्यता अवैज्ञानिक है। प्रारंभिक परीक्षा के रिजल्ट जारी कर तीन गुना अभ्यर्थियो को साक्षात्कार हेतु चयनित किए जाने का नियम है, लेकिन हाईकोर्ट द्वारा अनारक्षित वर्ग मे एक भी आरक्षित वर्ग के प्रतिभावन अभ्यर्थियों को शामिल नही किया गया। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद पूरी भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।

6 किलो गांजे के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। क्राईम ब्रांच एवं माढोताल पुलिस ने सोना मैरिज गार्डन के पास कटंगी रोड में अवैध मादक पदार्थ गांजे की तस्करी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6 किलो 920 ग्राम गांजा जब्त किया है जिसकी कीमत लगभग 1 लाख रुपए बताई गई है। माढ़ोताल थाना प्रभारी नीलेश दोहरे ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर क्राईम ब्रांच और माढ़ोताल पुलिस ने सोना मैरिज गार्डन के पास कटंगी रोड माढ़ोताल में गांजा लेकर खड़े सोना मैरिज गार्डन के पीछे माढ़ोताल निवासी 38 वर्षीय अंकुश राठौर और चमन नगर माढ़ोताल निवासी 26 वर्षीय प्रदीप झारिया को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6 किलो 920 ग्राम गांजा जब्त किया है, जब्त किए गए गांजे की कीमत लगभग 1 लाख 38 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

नशीले इंजेक्शन के साथ तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर। घमापुर थाना अतंर्गत मरघटाई के पास राजश्री गुटखे की पन्नी में नशीलें इंजेक्शन बेच रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 55 नशीलें इंजेक्शन तथा नगदी 1 हजार 200 रुपए जब्त किए है। घमापुर थाना प्रभारी सतीश कुमार अंधवान ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर मरघटाई में राजश्री गुटखे की पन्नी में नशीले इंजेक्शन बेचने के लिए खड़े पानी की टंकी भोलानगर हनुमानताल निवासी 40 वर्षीय अजय वंशकार को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पन्नियों को चैक करने प्रतिबंधित इंजेक्शन एविल फेनरामाईनमैलेटआईपी के 30 एवं ब्युप्रेनोर्फिन इंजेक्शन 25 तथा नगदी 1 हजार 200 रूपये जब्त किए है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 5/13 म.प्र.ड्रग कंट्रोल एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच मे लिया है।

चालक-परिचालक सुरक्षित पुलिस जांच में जुटी

मवेशियों से भरा ट्रक पलटा

जबलपुर। गौर चौकी अंतर्गत आने वाले सालीवाड़ा गांव में सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, मवेशियों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि गनीमत रही कि चालक और परिचालक को गंभीर चोट नहीं आई और वे हादसे में बाल-बाल बच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रक में बड़ी संख्या में मवेशी लदे हुए थे। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और स्थिति की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही गौर चौकी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर लिया। ट्रक में भरे मवेशियों की स्थिति भी दयनीय पाई गई, जिससे अवैध पशु तस्करी की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मामले की प्राथमिक जांच शुरू कर दी है और ट्रक चालक से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ट्रक कहां से चला था, उसका गंतव्य क्या था और मवेशियों को कहां से लाया गया था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या इस परिवहन के लिए वैध दस्तावेज मौजूद हैं या नहीं।

तस्वीरें वायरल होते ही प्रशासन पर उठे सवाल

श्मशान घाट में अधजले शव को कुत्ते ने नोचा

हरिभूमि जबलपुर।

रांझी क्षेत्र स्थित बड़ा पत्थर श्मशान घाट से एक बार फिर अमानवीय लापरवाही की तस्वीरें सामने आई हैं। घाट पर अधजले शव को एक कुत्ते द्वारा नोचने की तस्वीरें शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं, जिससे शहर में आक्रोश की लहर दौड़ गई है। लोगों ने इस घटना को न केवल प्रशासन की घोर लापरवाही बताया, बल्कि मृतकों के सम्मान के साथ खिलवाड़ करार दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, शुक्रवार को श्मशान घाट पर एक शव का अधूरा अंतिम संस्कार किया गया था। सूर्यास्त के बाद घाट पर कोई मौजूद नहीं था, और इसी दौरान कुत्ते शव के अवशेषों को खींच ले गए। शनिवार सुबह जब लोगों की नजर वहां गई, तो देखा कि एक कुत्ता अधजले शव को नोच रहा है। यह दृश्य इतना वीभत्स था कि देखने वालों के रोंगटे खड़े हो गए। स्थानीय नागरिकों ने तुरंत नगर निगम को सूचना दी, जिसके बाद कुछ देर में पहुंचे निगमकर्मियों ने शव का विधिवत अंतिम संस्कार किया।

लगातार चौथी घटना, व्यवस्था पर उठे सवाल

सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते 15 दिनों में यह चौथा मामला है जब अधजले शव कुत्तों के हवाले हो गए। कई बार कुत्तों को शवों के अंग लेकर इधर-उधर घूमते देखा गया है। इससे न केवल मृतकों के सम्मान को ठेस पहुंची है, बल्कि श्मशान घाट की व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े हो गए हैं।

सूर्यास्त के बाद नहीं होता स्टॉफ

क्षेत्रीय पार्षद निशांत झारिया ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि उन्हें जैसे ही घटना की जानकारी मिली, वे घाट पहुंचे और वहां कार्यरत कर्मचारियों से पूछताछ की। पूछताछ में यह बात सामने आई कि सूर्यास्त के बाद घाट पर कोई अंतिम संस्कार नहीं किया जाता और स्टाफ भी वहां से चला जाता है। पार्षद के अनुसार, घटना के एक दिन पूर्व रात में एक शव का अंतिम संस्कार किया गया था। परिजनों के लौटने के बाद संभवतः अधजला शव वहीं पड़ा रह गया, जिसे कुत्ते खींच ले गए। पार्षद ने घाट के कर्मचारियों को भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो, इसकी सख्त हिदायत दी है और व्यवस्थाओं को सुधारने का आश्वासन दिया है।

जनता में आक्रोश, नगर निगम से जवाब की मांग

इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर लोग प्रशासन की आलोचना कर रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि श्मशान घाट जैसे संवेदनशील स्थान पर इस प्रकार की लापरवाही अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने मांग की है कि नगर निगम तत्काल प्रभाव से वहां सुरक्षा और निगरानी की उचित व्यवस्था करे, ताकि भविष्य में किसी भी मृत आत्मा का इस प्रकार अपमान न हो।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240